THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 288 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.10 2082 मंगलवार, 13 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जमानत पर रहम दिल सुप्रीम कोर्ट ने खींची लक्ष्मण रेखा

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले कुछ वर्षों से जमानत को एक सामान्य नियम बनाने की कोशिश की है, जिसमें आरोपियों को ट्रायल के चक्कर में ज्यादा दिनों तक जेल में रखने के खिलाफ दृष्टिकोण अपनाया गया है। गंभीर से गंभीर अपराधों के मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने बेल देने में हिचकिचाहट नहीं दिखाई है। लेकिन, हाल में कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसने सर्वोच्च अदालत को अपना नजरिया बदलने को मजबूर कर दिया है और ऐसे केस में उसने बेल पर सामान्य नजरिए से अलग हटकर आदेश दिए हैं। लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने प्रिवेंशन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट से जुड़े एक मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के जमानत के एक आदेश को पलट दिया।

राजदूत सर्जियो गोर बोले

कोई भी देश भारत जितना अहम नहीं

ट्रंप करेंगे दौरा व्यापार वार्ता जारी

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में नए अमेरिकी राजदूत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विश्वासपात्र माने जाते हैं। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को लेकर अहम बयान दिया है।

उन्होंने दोनों देशों के बीच साझेदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में राष्ट्रपति ट्रंप भारत दौरा जरूर करेंगे। गोर ने दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते की संभावनाओं पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। नए अमेरिकी राजदूत के मुताबिक ट्रेड डील को अंतिम रूप दिया जा सके, इसे लेकर भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय वार्ता जारी है।

गोर ने भारत आने को अपना सौभाग्य बताया :

पिछले साल हुई नियुक्ति के बाद पदभार ग्रहण करने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचे नए अमेरिकी राजदूत ने कहा, भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण साझेदार है। मैं इस अद्भुत देश में आकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने अपनी भावी योजना के बारे में कहा, मेरा स्पष्ट लक्ष्य भारत-अमेरिका संबंधों को अगले स्तर पर ले जाना है। गोर ने दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद और अमेरिकी राष्ट्राध्यक्ष के सकारात्मक रवैये का संकेत भी दिया। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले एक-दो वर्षों में भारत का दौरा करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ ट्रंप की दोस्ती सच्ची है। अमेरिकी राजदूत के मुताबिक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर दोनों पक्षों की सक्रिय बातचीत जारी है। भारत अमेरिका के नेतृत्व वाली पहल-पैक्स सिलिका का हिस्सा जरूर बनेगा। सच्चे दोस्त अपने मतभेदों को भुलाकर आगे बढ़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण साझेदार है। मैं इस अद्भुत देश में आकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। अमेरिका का कोई अन्य साझेदार भारत जितना जरूरी नहीं है। अमेरिकी दूतावास में पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया को संबोधित करते समय नए राजदूत सर्जियो गोर काफी सकारात्मक भी दिखे। उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों के अन्य पहलुओं पर कहा, हम दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं।

पोलावरम सिंचाई परियोजना को लेकर तेलंगाना की याचिका खारिज

नई दिल्ली, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के पोलावरम बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना के खिलाफ तेलंगाना सरकार की याचिका खारिज कर दी। हालांकि, न्यायालय ने राज्य सरकार को संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत नया मुकदमा दायर करने की इजाजत दे दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने कहा कि मौजूदा रिट याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

न्यायालय का तर्क :

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 131 केंद्र और राज्यों या दो राज्यों के बीच के कानूनी विवादों को सुलझाने के लिए है। तेलंगाना ने पहले अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर की थी, जो मौलिक अधिकारों के लिए होती है। बेंच ने यह भी बताया कि

नया मुकदमा दायर करने की मिली छूट

इस विवाद में महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्य भी हितधारक हैं, लेकिन रिट याचिका में उन्हें मुकदमे का पक्षकार नहीं बनाया गया है।

तेलंगाना की दलीलें और आरोप

तेलंगाना सरकार ने केंद्र से आंध्र प्रदेश को मिल रही आर्थिक मदद और प्रोजेक्ट के विस्तार को चुनौती दी थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि प्रोजेक्ट रिपोर्ट में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की सिफारिशों का उल्लंघन हुआ है। राज्य का कहना है कि मंजूरी सिर्फ 80,000 मिलियन क्यूबिक फीट (टीएमसी) पानी मोड़ने की थी, लेकिन विस्तार प्रस्ताव में बिना मंजूरी के इसे 200 टीएमसी करने की बात है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोनों पक्षों को विवाद सुलझाने के लिए 'मध्यस्थता' के बारे में सोचने को कहा। न्यायालय ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार प्रोजेक्ट की अगुवाई कर रही है और ऐसे मुद्दों पर विचार करने के लिए एक कमेटी बनाई गई है।

नया केस जल्द होगा दायर :

तेलंगाना सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने न्यायालय को बताया कि उनका नया मुकदमा तैयार है और जल्द ही दायर किया जाएगा। बाद में तेलंगाना के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि न्यायालय ने उनकी बात धैर्य से सुनी और सही कानूनी रास्ता अपनाने की सलाह दी। वहीं, आंध्र प्रदेश के वकील मुकुल रोहतगी ने पहले कहा था कि प्रोजेक्ट रिपोर्ट को सभी राज्यों की राय लेने के बाद ही मंजूरी मिली थी।

पश्चिम बंगाल मतदाता सूची विवाद : चुनाव आयोग पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, टीएमसी के आरोपों के बाद मांगा जवाब

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जहां ओर राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज है। वहीं अब इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी सख्ती दिखाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर दायर नई याचिकाओं पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। ये याचिकाएं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन ने दाखिल की हैं।

टीएमसी सांसदों का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में चल रही वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया में मनमानी और नियमों की अनदेखी की जा रही है। ऐसे में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग को एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 19 जनवरी को होगी।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग अपने निर्देश व्हाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दे रहा है। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) बिना किसी लिखित आदेश के काम कर रहे हैं, जो पूरी प्रक्रिया को सवालों के घेरे में लाता है। उन्होंने यह भी कहा कि आयोग ने तार्किक विसंगति नाम से मतदाताओं की एक नई श्रेणी बना दी है, जिसके आधार पर लाखों लोगों को नोटिस भेजे जा रहे हैं और सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है।

मोदी जर्मन चांसलर से मिले, साथ मिलकर पतंग उड़ाई

भारत-जर्मनी करीबी सहयोगी, भारत में 2000 से ज्यादा जर्मन कंपनियां : पीएम

अहमदाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच सोमवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर कनवेंशन सेंटर में द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता के बाद पीएम ने कहा- भारत-जर्मनी करीबी सहयोगी हैं। इसीलिए आज भारत में 2000 से ज्यादा जर्मन कंपनियां हैं। यह जर्मनी के भारत के प्रति अटूट विश्वास को दर्शाता है।

भारत और जर्मन नई परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। भारत और जर्मनी हरेक फील्ड में मिलकर काम कर रहे हैं। आज हुए एमओयू से और मजबूती बढ़ेगी। भारत और जर्मनी हरेक फील्ड में मिलकर काम कर रहे

हैं। आज हुए एमओयू से और मजबूती बढ़ेगी। चांसलर मर्ज की ये यात्रा एक विशेष समय पर हो रही है। पिछले वर्ष हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे किए और इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष भी मना रहे हैं। भारत-जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं के बीच करीबी सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। रक्षा व्यापार से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए मैं चांसलर मर्ज का आभार व्यक्त करता हूं। रक्षा और सुरक्षा में बढ़ता सहयोग हमारे आपसी भरोसे और साझी सोच का प्रतीक है। बढ़ते व्यापार और निवेश संबंधों ने हमारी स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को नई ऊर्जा दी है।

> केंद्र-ईसी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

चुनाव आयुक्तों को कानूनी कार्रवाई से आजीवन छूट को कांग्रेस नेता की चुनौती

सीजेआई बोले-जांच करेंगे

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जया ठाकुर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस उस याचिका पर दिया गया है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को कानूनी कार्रवाई से आजीवन छूट देने वाले कानून को चुनौती दी गई है। याचिका पर सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि वह इस कानून की जांच करना चाहती है।

कांग्रेस नेता जया ठाकुर की याचिका में कहा गया कि यह प्रावधान मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को उनके कामकाज से जुड़े मामलों में पूरी जिंदगी के लिए नागरिक और आपराधिक कार्रवाई से बचाव देता है। ऐसी सुरक्षा संविधान बनाने वालों ने न्यायाधीशों को भी

नहीं दी थी। इसलिए संसद ऐसा संरक्षण नहीं दे सकती, जो संविधान में दूसरे बड़े पदों पर बैठे लोगों को नहीं मिला। दरअसल, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को लेकर विपक्ष का विरोध है। इनमें एक प्रावधान जोड़ा गया था, जिसके तहत अगर चुनाव कराते समय या उससे जुड़े किसी फैसले में कोई गलती या विवाद होता है, तो मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों पर निजी तौर पर केस नहीं किया जा सकेगा। यह सुरक्षा उनके पूरे जीवन तक लागू रहेगी, भले ही वे पद पर न हों।

सीईसी और ईसी की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक पैनल करेगा।

इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सीजेआई भी शामिल होंगे। इससे पहले सिर्फ केंद्र सरकार इनका चयन करती थी। यह पैनल सीईसी और ईसी के नामों की सिफारिश राष्ट्रपति से करेगा। इसके बाद राष्ट्रपति मुहर लगाएंगे। तब जाकर उनकी नियुक्ति हो पाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह प्रोसेस तब तक लागू रहेगा, जब तक संसद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कोई कानून नहीं बना लेती।

5,900 करोड़ के घोटाले में ईडी की कार्रवाई

> धमकाने वाला ठग सिकंदराबाद में गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी 5,900 करोड़ रुपये के निवेश घोटाले में जांच अधिकारियों को धमका रहा था। आरोपी की पहचान कल्याण बनर्जी के नाम से हुई है। एजेंसी ने उसे धन शोधन कानून के तहत पकड़ा है।

मामला नौहेरा शेख और उनके साथियों से जुड़ा है। इन पर आरोप है कि इन्होंने लोगों से सालाना 36 प्रतिशत से ज्यादा वापसी का वादा करके 5,978 करोड़ रुपये जुटाए। हालांकि, बाद में वे मूल रकम भी वापस नहीं कर पाए और निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की। इसके बाद ईडी ने इस मामले में 428 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी। इन संपत्तियों की नीलामी के लिए सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी मिल गई है, ताकि उनसे मिलने वाले फंड को पीड़ितों को वापस किया जा सके। ईडी ने दावा किया नौहेरा शेख ने कल्याण बनर्जी को काम पर रखा था। बनर्जी ने खुद को बड़े अफसरों और नेताओं का करीबी बताया। उसने ईडी अधिकारियों को मैसेज और कॉल करके नीलामी प्रक्रिया में हेरफेर करने के लिए लुभाने की कोशिश की। जब अधिकारियों ने कानून का पालन करने की बात कही, तो उसने उन्हें धमकाना और दबाव डालना शुरू कर दिया। मामले में ईडी ने दस जनवरी को सिकंदराबाद में छापेमारी के बाद कल्याण बनर्जी को हिरासत में लिया। रविवार को उसे हैदराबाद की एक विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे 23 जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। जांच में पता चला कि बनर्जी सरकारी विभागों का सलाहकार होने का नाटक कर रहा था। उसके फोन में नौहेरा शेख के साथ बातचीत के कई आपत्तिजनक व्हाट्सएप मैसेज मिले हैं। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह शेख के कहने पर ही अधिकारियों पर दबाव बना रहा था और अपनी पहचान बदलकर बात कर रहा था।

दुश्मन के टैंकों को ऊपर से निशाना बनाकर कर देगी ढेर

> डीआरडीओ की इस मिसाइल का टेस्ट रहा सफल

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल चलते हुए दुश्मन के टैंकों को ऊपर से निशाना बनाकर मार गिराने में सक्षम है। इस मिसाइल को कंधे पर रखकर चलाया जा सकता है।

यह खास तौर पर टैंकों के ऊपरी हिस्से को भेदने के लिए डिजाइन की गई है, जो अक्सर सबसे कमजोर होता है। इस तरह यह दुश्मन के टैंकों के लिए एक बड़ा खतरा बन गई है। यह परीक्षण डीआरडीओ की क्षमता को दर्शाता है। यह भारत की रक्षा तैयारियों को और मजबूत करेगा। डीआरडीओ की हैदराबाद स्थित डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी (डीआरडीएल) ने रविवार

को महाराष्ट्र के अहिल्या नगर में केके रेंज में एक चलते-फिरते लक्ष्य पर तीसरी पीढ़ी की मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलका सफल परीक्षण किया। यह मिसाइल खास तौर पर ऊपर से हमला करने की क्षमता रखती है और इसे स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। यह मिसाइल कई आधुनिक तकनीकों से लैस है। इसमें खास तरह का इमेजिंग इन्फ्रारेड (आईआईआर) होमिंग सीकर लगा है, जो लक्ष्य को पहचानता है।

यह सीकर मिसाइल को अपने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाने में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कंट्रोल एक्चुएशन सिस्टम है, जो मिसाइल की दिशा और गति को नियंत्रित करता है।

'बाहर न निकलें'

ईरान में हिंसक प्रदर्शनों के बीच अपने नागरिकों को भारत की चेतावनी

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने सोमवार को कहा है कि वह ईरान में हो रहे जानलेवा प्रदर्शनों पर नजर रख रहा है और वहां रह रहे अपने नागरिकों से कहा है कि वे बाहर न निकलें या प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहें। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने गांधीनगर में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा है कि अभी तक वहां रहे भारतीय बिल्कुल ठीक हैं और उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। उधर ईरान में अमेरिका और इजरायल के खिलाफ सरकारी रैली के आह्वान से तनाव और बढ़ने की आशंका है।

ईरान में रह रहे भारतीय ठीक :

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की पहली भारत यात्रा को लेकर अपने स्पेशल ब्रिफिंग में विदेश सचिव मिसरी ने कहा, हम ईरान में हो रही गतिविधियों को देख रहे हैं... ईरान में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय और स्टूडेंट हैं। उन्होंने कहा कि पाबंदियां लगी होने के बावजूद हमारा दूतावास छात्र समुदाय तक पहुंचा है और पाया है कि वे ठीक से हैं और अभी तक किसी तरह की समस्या का सामना नहीं कर रहे हैं।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि, हमने अपने सभी देशवासियों को वहां सलाह दी है कि वे बाहर न निकलें या खुद को किसी गड़बड़ी में न डालें। दरअसल, 28 दिसंबर से ईरान में मुख्य रूप से बढ़ती महंगाई को लेकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन खूनी हो चुका है। अमेरिका स्थित ह्यूमैन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी के अनुसार वहां अबतक 500 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और 10 हजार से ज्यादा लोगों को पकड़ा गया है। मरने वालों में ज्यादातर प्रदर्शनकारी हैं, लेकिन करीब 50 सुरक्षा बल के लोगों की भी जान गई है।

पीएसएलवी सी62 रॉकेट में प्रक्षेपण के बाद तकनीकी समस्या

रास्ते से भटका व्हीकल, इसरो चीफ बोले-जांच जारी

बेंगलूरू, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आज 260 टन वजनी पीएसएलवी-सी62 रॉकेट से उपग्रह अन्वेषा समेत 14 अन्य सैटेलाइट की लॉन्चिंग की, लेकिन प्रक्षेपण के तीसरे चरण में तकनीकी खराबी आ गई। यह इस साल का पहला प्रक्षेपण था। आज श्रीहरिकोटा प्रक्षेपण केंद्र से पृथ्वी अवलोकन उपग्रह अन्वेषा व 14 अन्य उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया जाना था। लेकिन इससे पहले रॉकेट तय रास्ते से भटक गया, जिसकी जांच इसरो की टीम कर रही है। इसरो ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएसएलवी-सी62 मिशन में पीएस3 स्टेज के आखिर में एक गड़बड़ी हुई। इसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स में भर्ती : पिछले सप्ताह दो बार हुए थे बेहोश

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को सोमवार को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले सप्ताह दो बार बेहोश होने के बाद उन्हें चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल में एडमिट किया गया है, जहां उनके एमआरआई समेत अन्य परीक्षण किए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी को धनखड़ को 'वॉशरूम' में दो बार बेहोशी का दौरा पड़ा। इसके बाद सोमवार को वह नियमित जांच के लिए एम्स पहुंचे थे, लेकिन डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें भर्ती होने की सलाह दी।

यह पहली बार नहीं है जब पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ को इस तरह की समस्या हुई है। इससे पहले भी उपराष्ट्रपति रहते हुए सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान वह कच्छ, उत्तराखंड, केरल और राष्ट्रीय राजधानी में कई बार अचानक बेहोश हो चुके हैं।

बता दें कि पिछले साल 21 जुलाई को उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजी गई अपनी आधिकारिक चिट्ठी में धनखड़ ने लिखा, स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और डॉक्टरों की सलाह का पालन करने हेतु, मैं संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के तहत भारत के उपराष्ट्रपति पद से अपना इस्तीफा सौंपता हूं। इसके बाद फिर से उपराष्ट्रपति के चुनाव हुए थे। जिसमें सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुना गया।

'सदन की गरिमा बनाए रखना जरूरी'

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सोमवार को कहा कि टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद के संसद के अंदर ई-सिगरेट पीने के आरोप में अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बिरला ने सांसदों से सदन के अंदर गरिमा बनाए रखने की अपील की और कहा कि किसी को भी संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

स्पीकर ने कहा, जांच की प्रक्रिया पूरी होने की दिशा में है। जैसे ही जांच पूरी हो जाएगी, कार्य योजना बनाई जाएगी और समिति को भेजी जाएगी, और प्रक्रिया पूरी की जाएगी। किसी को भी सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा, यह एक जिम्मेदारी है। आपको सदन के अंदर गरिमा बनाए रखनी होगी और जो गरिमा नहीं बनाए रखेगा, उसे संसद के नियमों और प्रक्रियाओं के तहत दंडित किया जाएगा। कार्रवाई की जाएगी। नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

गिनती भूल गया गैंगस्टर अबू सलेम?

सजा पूरा होने का किया दावा, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-2005 से 25 साल कैसे गिना

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 1993 मुंबई बम धमाकों के आरोपी और कुख्यात गैंगस्टर अबू सलेम से उसके 25 साल की जेल अवधि पूरी होने के दावे पर तीखी फटकार लगाई। कोर्ट ने पूछा कि वह 25 साल की गणना अपने गिरफ्तारी के नवंबर 2005 से कैसे कर रहा है। बता दें कि सलेम को पोर्तुगल से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। वह 11 नवंबर 2005 को भारत लाया गया था, जिसके लिए लंबी कानूनी लड़ाई चली थी। पोर्तुगल को आश्वासन दिया गया था कि सलेम को 25 साल से ज्यादा जेल नहीं होगी और मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने गैंगस्टर अबू सलेम के वकील से पूछा कि आप 25 साल की सजा की गणना 2005 से कैसे कर रहे हैं। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या इसमें अच्छे व्यवहार पर मिलने वाला रिमिशन शामिल किया गया है। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी ध्यान दिलाया कि सलेम की सजा आतंकवादी और विनाशकारी गतिविधियों निरोधक अधिनियम (टीएडीए) के तहत है और महाराष्ट्र की जेल नियमावली में यह देखना होगा कि टीएडीए मामलों में रिमिशन लागू होता है या नहीं।

वहीं सलेम के वकील ने कोर्ट को बताया कि वह संबंधित जेल नियम पेश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इसे दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 9 फरवरी 2026 को तय की। बता दें कि बीते दिनों सलेम ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी कि अगर अच्छे व्यवहार के रिमिशन को शामिल किया जाए, तो वह 25 साल की जेल पूरी कर चुका है। हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार की थी लेकिन अंतरिम रिहाई नहीं दी।

'मैं मुंबई आऊंगा, मेरे पैर काटकर दिखाओ'

राज ठाकरे के 'रसमलाई' वाले तंज पर भड़के अन्नामलाई, दी यह चुनौती

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई में होने वाले बीएमसी चुनावों से पहले राजनीतिक बयानबाजी के चलते माहौल गरमा गया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने भाजपा नेता के अन्नामलाई को रसमलाई बोलकर उनका मजाक उड़ाया है। इस पर अब अन्नामलाई की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है। अन्नामलाई ने सोमवार को राज ठाकरे पर तीखा हमला बोलते हुए मनसे प्रमुख को चुनौती दी कि वे उन्हें मुंबई में घुसने से रोककर दिखाएं। मुंबई में शिवसेना यूबीटी और एमएनएस की संयुक्त रैली में राज ठाकरे ने कहा था कि कुछ दिन पहले, तमिलनाडु से कोई 'रसमलाई' मुंबई आया है। तुम्हारा यहां क्या संबंध है? हटाओ लुंगी बजाओ पुंगी। राज ठाकरे ने मुंबई से जुड़े मुद्दों पर बोलने के उनके अधिकार पर भी सवाल उठाए थे। राज ठाकरे के बयान के बाद कुछ एमएनएस समर्थकों ने अन्नामलाई के मुंबई आने पर उनके पैर काटने की धमकी दी थी।

चेन्नई में भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि उन्हें कई धमकियां मिली हैं, कुछ लोगों ने तो उनके पैर काटने की भी धमकी दी है। अन्नामलाई ने कहा, आदित्य ठाकरे और राज ठाकरे मुझे धमकी देने वाले कौन होते हैं? मुझे किसान का बेटा होने पर गर्व है। उन्होंने सिर्फ मुझे गाली देने के लिए बैठक रखी हैं। मुझे नहीं पता कि मैं इतना महत्वपूर्ण हो गया हूं। अन्नामलाई ने कहा कि कुछ लोगों ने लिखा है कि अगर मैं मुंबई आया तो वे मेरे पैर काट देंगे। मैं मुंबई आऊंगा... हिम्मत है मेरे पैर काटकर दिखाओ। अगर मैं ऐसी धमकियों से डरता, तो मैं अपने गांव में ही रहता। अगर मैं कहूं कि कामराज भारत के सबसे महान नेताओं में से एक हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि वह अब तमिल नहीं रहे? अगर मैं कहता हूं कि मुंबई एक विश्व स्तरीय शहर है, तो क्या इसका मतलब यह है कि महाराष्ट्र के लोगों ने इसे नहीं बनाया? ये लोग नासमझ हैं। इससे पहले रविवार को ठाकरे ने अन्नामलाई पर मुंबई को अंतर्राष्ट्रीय शहर बताने पर निशाना साधा था। इस दौरान राज ठाकरे ने 1960 और 1970 के दशक के अपने चाचा बालसाहेब ठाकरे के नारे 'हटाओ लुंगी, बजाओ पुंगी' का भी जिक्र किया। राज ठाकरे ने कहा था कि एक रसमलाई तमिलनाडु से आई... तुम्हारा यहां से क्या लेना-देना है? हटाओ लुंगी, बजाओ पुंगी।

रैली के दौरान, राज ठाकरे ने उत्तर प्रदेश और बिहार से आए प्रवासियों को महाराष्ट्र में हिंदी थोपने के खिलाफ चेतावनी दी, जिसे उन्होंने भाषा, रोजगार और क्षेत्रीय पहचान से जोड़ा। ठाकरे ने कहा कि अगर बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग हिंदी थोपने की कोशिश करेंगे तो वह उन्हें महाराष्ट्र से 'लात मारकर' बाहर निकाल देंगे।

'लात से मारूंगा', खुलेआम मंच से यूपी-बिहार के लोगों को राज ठाकरे की धमकी

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) सहित 29 निकाय में चुनाव होना है। ऐसे में मुंबई में एक रैली को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) अध्यक्ष राज ठाकरे ने यूपी-बिहार से आए लोगों को कड़ी चेतावनी देते हुए नया विवाद खड़ा कर दिया। इस रैली में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया था।

दरअसल, राज ठाकरे बीएमसी चुनाव को लेकर दादर स्थित शिवतीर्थ मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मराठी एकता की हुंकार भरी साथ ही राज्य की मराठी भाषा, जमीन और पहचान पर गंभीर खतरा भी जताया। इसी के साथ उन्होंने यूपी-बिहार से आने वाले लोगों को महाराष्ट्र पर हिंदी ना थोपने को लेकर भी चेतावनी दी।

'....तो मैं आपको लात मारूंगा', राज ठाकरे की धमकी

मंच से खुलेआम चेतावनी देते हुए राज ठाकरे ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को महाराष्ट्र में हिंदी थोपने का प्रयास नहीं करना चाहिए। मुझे किसी भाषा से नफरत नहीं है, लेकिन अगर इसे थोपने की कोशिश करोगे तो मैं आपको लात मारूंगा। जनसभा को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि यूपी-बिहार के लोगों को समझना चाहिए कि हिंदी आपकी (राज्य के लोगों) भाषा नहीं है। यह लोग चारों ओर से महाराष्ट्र में आ रहे हैं और आपका हिस्सा छीन रहे हैं।

खबरे जरा हटके

लोन में बकरी देता है महाराष्ट्र के जलगांव का बैंक

> नाम गोट बैंक; डिपॉजिट में लौटाना पड़ता है मेमना
> अबतक 300+महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया

जलगांव, महाराष्ट्र के जलगांव जिले की चालीसगांव तहसील में ऐसा बैंक चल रहा है, जहां पैसों की बजाय बकरियों का लेन-देन होता है। इस 'गोट बैंक' ने 300 से ज्यादा गरीब, विधवा, परित्यक्ता और भूमिहीन श्रेणी की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। पुणे का 'सेवा सहयोग फाउंडेशन' लोन लेने आई महिला को बकरी पालन का प्रशिक्षण दिलाता है। इसके बाद एक पूर्ण विकसित बकरी मुफ्त दी जाती है। शर्त केवल इतनी होती है कि 6 से 9 महीने बाद, जब बकरी के बच्चे बड़े हो जाते हैं, तो महिला को उनमें से एक मेमना बैंक में डिपॉजिट के रूप में वापस करना पड़ता है। यही मेमना बड़ा होने पर किसी अन्य नई सदस्य महिला को स्वरोजगार के लिए दे दिया जाता है।

महिलाओं की 'एटीएम' बनी बकरी

महिलाएं बैंक से मिली बकरी का पालन कर रही हैं। वे इससे सालाना 3 से 4 मेमने प्राप्त कर, एक मेमना बैंक को लौटाती हैं और शेष बेचकर 30,000 रुपए तक कमा लेती हैं। बकरी उनके लिए 'एटीएम' बन गई है। अब इन महिलाओं ने मिलकर 'गिरणा परिसर महिला पशुपालक उत्पादक कंपनी' बना ली है।

जानिए कैसे काम करता है

> रजिस्ट्रेशन-इच्छुक महिला एक छोटी सी रजिस्ट्रेशन फीस देकर बैंक के साथ एग्रीमेंट करती है।
> गोट लोन-बैंक उन्हें एक गर्भवती बकरी या कुछ बकरियां देता है।
> मेमनों की वापसी-महिला को एक निश्चित अवधि (जैसे 40 महीने) में कुछ मेमनों (जैसे 4) को बैंक को लौटाना होता है।
> फायदा-बचे हुए मेमनों और बकरियों को बेचकर, उन्हें पालकर पैसे कमाती हैं।

2010 में ऑर्डर किया था नोकिया का फोन, 16 साल बाद हुई डिलीवरी

युद्ध के कारण लेट हो गया डिलीवरी ब्वॉय

आज के समय में कई ब्रांड्स के मोबाइल फोन ने बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है. इसके रेट्स भी अलग-अलग हैं. लोग अपनी हैसियत के हिसाब से और जरुरत के हिसाब से अपनी पसंद का फोन लेते हैं. लेकिन एक समय था जब मार्केट में नोकिया की अपनी अलग पहचान थी. जब स्मार्टफोन का दौर नहीं था और मोबाइल का क्रेज नया था, उस समय नोकिया का बोलबाला था. हालांकि, समय के साथ इसकी चमक फीकी पड़ती गई. आज बाजार में अलग-अलग ब्रांड्स ने अपनी धौंस जमा किसी ने नोकिया जैसा विश्वास जमाने में सफलता नहीं पाई. इस बीच अब लीबिया से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने एक बार फिर नोकिया की धाक जमा दी है. आपने अनबॉक्सिंग के कई वीडियोज देखे होंगे लेकिन लीबिया के एक मोबाइल स्टोर ने जो वीडियो शेयर किया, उसकी टक्कर में कोई नहीं है. इस स्टोर ने आज नहीं, बल्कि साल 2010 में नोकिया को मोबाइल के ऑर्डर दिए थे. उसके अगले ही साल से देश गृह युद्ध से घिर गया था. ऑर्डर देने वाला भी इसे भूल गया लेकिन नोकिया को याद रहा. अब सोलह साल के बाद जब हालात थोड़े सुधरे तो कंपनी ने स्टोर में मोबाइल की डिलीवरी करवा दी.

16 साल वेयरहाउस में किया इंतजार

जानकारी के मुताबिक, फोन का ऑर्डर 2010 में किया गया था. लेकिन 2011 से लीबिया गृह युद्ध की मार झेलने लगा. ऐसे में मोबाइल का ये ऑर्डर सोलह साल से वेयरहाउस में पड़ा था. अब जाकर इसे स्टोर में डिलीवर किया गया. ये ऑर्डर बटन वाले नोकिया फोन का था जिसमें फोन के बटन को लंबे समय तक दबाने से वो ऑन होता था. इस ऑर्डर को खोलते हुए दुकानदार की हंसी कंट्रोल नहीं हो रही थी. वो इसे ऐतिहासिक चीज बताता नजर आया. इसका वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर शेयर हुआ, वायरल हो गया.

इसी साल खत्म हो जाएगी धरती! 1960 में हुई थी भविष्यवाणी

66 साल पहले तय हुई थी तबाही की तारीख

अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस के वैज्ञानिक हाइंज वॉन फोर्स्टर, पैट्रिशिया मोरा और लॉरेंस अमियोट ने साइंस जर्नल में 4 नवंबर 1960 को एक पेपर पब्लिश किया था. इसका नाम था "डूम्स डे शुक्रवार, 13 नवंबर ए.डी. 2026". इसमें उन्होंने गणितीय मॉडल से कैलकुलेट कर उस तारीख का खुलासा किया था जब दुनिया के खत्म होने की संभावना है. इन वैज्ञानिकों के कैलकुलेशन के मुअतबिक, अगर इंसानी जनसंख्या पिछले 2000 सालों की तरह बढ़ती रही, तो 13 नवंबर 2026 को आबादी अनंत हो जाएगी. मतलब इतने ज्यादा लोग हो जाएंगे कि दुनिया में जगह ही नहीं बचेगी और लोग एक-दूसरे को 'सक्वीज्ड टू डेथ' कर देंगे! ये कोई मजाक नहीं लगता क्योंकि ये पेपर साइंटिफिक था. वॉन फोर्स्टर ने पिछले दो हज़ार सालों के जनसंख्या डेटा का एनालिसिस किया था. उन्होंने देखा कि जनसंख्या ग्रोथ एक्सपोनेंशियल नहीं, बल्कि हाइपरबोलिक थी– यानी ग्रोथ रेट खुद बढ़ती जा रही थी. उनका फॉर्मूला था: डीएन/डीटी = के एन^2, जहां एन जनसंख्या है, और ये इक्वेशन फाइनाइट टाइम में एन को इन्फिनिटी ले जाता है. कैलकुलेशन से निष्कर्ष निकला–(तबाही का पॉइंट) 13 नवंबर 2026 को! वो भी फ्राइडे द 13th पर, जो वॉन फोर्स्टर के 115वें जन्मदिन पर पड़ता है। इस भविष्यवाणी को टाइम मैगजीन ने कवर किया और लिखा –ये भविष्यवाणी एक चेतावनी थी, ना कि असली प्रेडिक्शन. वॉन फोर्स्टर ने खुद कहा कि ये एक हाइपोथेटिकल सिनेरियो है– अगर हम बर्थ कंट्रोल नहीं करते, टेक्नोलॉजी से अनलिमिटेड फूड नहीं बनाते और कोऑपरेटिव सोसाइटी नहीं बनाते तो ऐसा हो सकता था.

संबंध बनाने से इनकार करने पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर की हत्या

18 साल का पड़ोसी आरोपी निकला, बेंगलुरु में 9 दिन पहले फ्लैट में शव मिला था

बेंगलुरु, 12 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में 3 जनवरी को सॉफ्टवेयर इंजीनियर शर्मिला डीके (34) की हत्या हुई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल की है। युवती ने आरोपी कर्नल कुरई (18) से शारीरिक संबंध मनाने से इनकार किया था। इसलिए उसने युवती की हत्या की थी।

पुलिस ने बताया कि 3 जनवरी की रात करीब 10.30 बजे राममूर्ति नगर के सुब्रमण्य लेआउट स्थित किराए के अपार्टमेंट में आग लगने की सूचना मिली थी। फायर ब्रिगेड ने जब आग बुझाई तो बेडरूम में शर्मिला का शव मिला था। शुरुआत में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात कही गई। फॉरेंसिक जांच में मामला संदिग्ध लगा। वहीं आग जिस कमरे में लगे थी वो शर्मिला की फ्लैटमेट का कमरे था। जो 14 नवंबर से असम गई हुई थी। पुलिस को शर्मिला के पड़ोसी कर्नल कुरई पर शक हुआ था।

सांबा, राजौरी और पुंछ में एलओसी पर दिखे 5 ड्रोन

दावा-पाकिस्तान घुसपैठ की कोशिश में; सेना का काउंटर अटैक, सर्चिंग जारी

जम्मू, 12 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा, राजौरी और पुंछ में पाकिस्तान से लगी सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास रविवार शाम करीब 5 ड्रोन दिखाई दिए। रिपोर्ट के मुताबिक राजौरी में नौशेरा सेक्टर में तैनात जवानों ने शाम करीब 6.35 बजे गनिया-कलसियां गांव के ऊपर ड्रोन देखा। इसके बाद मीडियम और लाइट मशीन गन से फायरिंग की। राजौरी के तेरियाथ के खब्बर गांव में शाम 6.35 बजे एक और ड्रोन देखा गया। यह ड्रोन कलाकोट के धर्मसाल गांव की तरफ से आया और आगे भरख की ओर बढ़ गया।

वहीं, सांबा के रामगढ़ सेक्टर में चक बबरल गांव के ऊपर शाम करीब 7.15 बजे ड्रोन जैसी चीज कुछ मिनट तक मंडराती दिखी। पुंछ में भी मनकोट सेक्टर में शाम 6.25 बजे तैन से टोपा की ओर ड्रोन जैसी एक और चीज जाती हुई देखी गई। फॉरवर्ड इलाकों में संदिग्ध ड्रोन की हलचल दिखने के बाद सुरक्षा बलों ने इलाकों में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इससे पहले 9 जनवरी को सांबा में आईबी के पास घगवाल के पालूरा गांव में हथियार की खेप मिली थी, जिसे पाकिस्तान से आए ड्रोन ने गिराया था। इसमें 2 पिस्तौल, तीन मैगजीन, 16 राउंड और एक ग्रेनेड शामिल था।

सुरक्षा बलों को शक-पाकिस्तान ड्रोन के जरिए हथियार भेज रहा

देश में गणतंत्र दिवस को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि इन ड्रोन्स का इस्तेमाल सीमा पर सेना की पोजिशन जानने या फिर आतंकियों के लिए हथियार और नशीले पदार्थ गिराने के लिए किया जा रहा है।

क्या है ऑपरेशन सिंदूर, जो आज भी जारी

सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के 8 महीने बाद ड्रोन पर अटैक किया। ऑपरेशन सिंदूर भारत का सैन्य अभियान था जो 7 मई 2025 को चलाया गया, जिसमें पाकिस्तानी और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक/एयर स्ट्राइक्स की गईं। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया था। यह अभियान 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था।

पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। लगभग 25 मिनट के अंदर पाकिस्तान में बहावलपुर, मुरीदके जैसे जैश और लश्कर के 9 ठिकानों को स्ट्राइक करके ध्वस्त किया गया था। हाल ही में पुणे में एक इवेंट के दौरान सीडीएस अनिल चौहान ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, बल्कि इसे रोका गया है। पाकिस्तान अगर आतंकी हमले या घुसपैठ करेगा तो ऑपरेशन सिंदूर दोबारा एक्टिव कर दिया जाएगा।

एनसीपी (शरद पवार गुट) से गठबंधन पर अजित पवार की दो टूक

वोटों का बंटवारा रोकना था मकसद

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने एनसीपी (शरद पवार गुट) के साथ गठबंधन, भविष्य की राजनीति और चल रही अटकलों पर अपनी बात रखी है। आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने साफ कहा कि यह गठबंधन पूरी तरह व्यावहारिक सोच के तहत किया गया है और इसका मुख्य उद्देश्य वोटों के बंटवारे को रोकना है। एनसीपी (शरद पवार गुट) के साथ गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर अजित पवार ने कहा, इसमें गलत क्या है? हमारा मकसद वोटों का विभाजन रोकना था, इसलिए हमने गठबंधन किया। स्थानीय स्तर पर हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की भी यही भावना थी कि अगर गठबंधन किया जाए तो बेहतर नतीजे आ सकते हैं।

भविष्य में एनसीपी (शरद पवार गुट) के साथ गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर अजित पवार ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान मौजूदा चुनावों पर है। उन्होंने कहा, इस समय हमारी प्राथमिकता सिर्फ वर्तमान चुनाव हैं। इन चुनावों में सकारात्मक परिणाम लाने के लिए हम पूरी ताकत लगा रहे हैं। यही अभी हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य है। एनसीपी (शरद पवार गुट) और एनसीपी (अजित पवार) के विलय को लेकर चल रही अटकलों पर भी उपमुख्यमंत्री ने विराम लगाया। उन्होंने कहा, हमने इस बारे में अभी कोई विचार नहीं किया है। पहले चुनाव हैं, उसके बाद देखा जाएगा। जब उनसे शरद पवार और सुप्रिया सुले से बातचीत को लेकर सवाल किया गया, तो अजित पवार ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी उनसे कोई बातचीत नहीं हुई है। परिवार और आपसी संबंधों पर बोलते हुए अजित पवार ने कहा कि वे सभी एक ही परिवार का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हम एक परिवार हैं।

साथ बैठते हैं, साथ उठते हैं, खुशी और दुख में एक-दूसरे के साथ रहते हैं। क्या हर परिवार में ऐसा नहीं होता? अगर परिवार सुख-दुख में साथ खड़ा रहता है, तो इसमें गलत क्या है? वहीं, शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के संभावित गठबंधन पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा कि दोनों दलों की कोशिशें चल रही हैं। अब तक दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ते थे और उनके वोटर भी अलग थे। अगर वे साथ आते हैं तो वोटों का बंटवारा नहीं होगा, जिससे उन्हें फायदा होगा। यह बात सही है।

भारत-न्यूजीलैंड मैच : पांच गुने दाम पर बिके टिकट

वडोदरा पुलिस क्राइम ब्रांच ने दो शख्स को ब्लैक मार्केटिंग में पकड़ा

अहमदाबाद/वडोदरा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-न्यूजीलैंड एक दिवसीय क्रिकेट मैच की श्रृंखला का पहला मैच वडोदरा में खेला गया। मैच शुरू होने से पहले तक वनडे मैच की टिकटें पांच गुना रेट पर बिकीं। 16 साल बाद वडोदरा में वनडे क्रिकेट मैच होने पर फैंस में काफी उत्सुकता थी, लेकिन स्टेडियम की दर्शक क्षमता कम होने और टिकट की ब्लैक मार्केटिंग फैंस के उत्साह पर भारी पड़ी। मैच के टिकट ब्लैक होने की पुष्टि वडोदरा शहर पुलिस ने की कार्रवाई में हुई है। पुलिस ने 17 टिकटों के साथ दो शख्स को अरेस्ट किया। भारत न्यूजीलैंड एकदिवसीय सीरीज का दूसरा मैच राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में 14 जनवरी को खेला जाएगा। तीसरा और अंतिम इंदौर के होल्कर स्टेडियम में 18 जनवरी को होगा।

भारत-न्यूजीलैंड वनडे मैच की टिकटों की जब बिक्री शुरू हुई थी तब कुछ ही सेकेंड में सभी टिकट बिक गए थे। अब सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर बीसीए (बरोडा क्रिकेट एसोसिएशन) टिकटों की बिक्री में पारदर्शिता क्यों सुनिश्चित नहीं कर पाई? जबकि शहर के खेल प्रेमी लंबे समय से क्रिकेट मैच की राह देख रहे थे। काफी खेल प्रेमियों को मोटी रकम खर्च करने के बाद टिकट मिले। टिकटों की ब्लैक मार्केटिंग का आलम यह रहा है कि 1500 रुपये का टिकट 7500 रुपये तक में बिका। वडोदरा सिटी पुलिस की क्राइम ब्रांच ने भारत न्यूजीलैंड वन-डे मैच के टिकटों की ब्लैक मार्केटिंग का पर्दाफाश करते हुए दो युवकों को 17 टिकटों के साथ अरेस्ट किया है।

दूषित पानी से 23वीं मौत

13 मरीजों का आईसीयू में चल रहा इलाज

इंदौर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में दूषित पानी पीने से मरने वालों की संख्या नहीं थम रही है। सोमवार को मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 23 हो गया है। मृतक का नाम भगवानदास पिता तुकाराम भरणे (64) है। वह करीब 10 दिन से हॉस्पिटल में एडमिट थे। पहले उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। बाद में बॉम्बे हॉस्पिटल रेफर किया गया था। हॉस्पिटल के जनरल मैनेजर राहुल पाराशर ने बताया कि जब उन्हें यहां लाया गया तो उस दौरान कार्डियक अरेस्ट आया था। इस पर सीपीआर देकर उन्हें फिर वेंटिलेटर पर लिया गया था। उन्हें गैंग्रीन सहित मल्टी ऑर्गन्स फेल्यूअर जैसी तकलीफ थी। इससे पहले एक मृतक की पहचान कमला बाई, पति तुलसीराम (59) के रूप में हुई। उसे 5-6 जनवरी से उल्टी-दस्त की शिकायत थी। हालत बिगड़ने पर 7 जनवरी को उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 9 जनवरी को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस का 'हिंदू बनाम हिंदुत्व' : मणिशंकर से पहले राहुल गांधी ने क्या-क्या बोला

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस या उसके समान विचारधारा वाली पार्टी के नेता हिंदू और हिंदुत्व को अलग साबित करने की कोशिशों में अभी से नहीं जुटे हैं। पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक की ओर से इसको लेकर अनेकों विवादास्पद बयान दिए जा चुके हैं, जिसका भारी राजनीतिक विरोध भी हुआ है। अपने बहके बोल की वजह से कांग्रेस पार्टी को कई बार सियासी मुसीबत में डाल चुके मणिशंकर अय्यर से पहले राहुल गांधी भी हिंदू और हिंदुत्व को लेकर कई ऐसी बातें कह चुके हैं, जिससे राजनीतिक भूचाल उठ चुका है।

'मैं हिंदू हूं, हिंदुत्ववादी नहीं'

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए अगस्त 2018 में राहुल गांधी ने हैदराबाद में संपादकों से बातचीत के दौरान कहा था, 'मैं सॉफ्ट या हार्ड कोर किसी भी तरह के हिंदुत्व में विश्वास नहीं करता।' उसी साल दिसंबर में राजस्थान के जयपुर में महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की रैली में उन्होंने एक और बयान दिया, जिसपर काफी विवाद हुआ। उन्होंने कहा 'मैं एक हिंदू हूं, लेकिन मैं हिंदुत्ववादी नहीं हूं।'

'हिंदुत्ववादी सत्ता के प्यासे हैं'

राहुल गांधी तब यहीं तक नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा, 'आप सभी लोग हिंदू हैं। महात्मा गांधी एक हिंदू थे, लेकिन नाथूराम गोडसे हिंदुत्ववादी था।' उन्होंने आगे कहा, 'भगवद गीता हिंदुओं से कहता है सत्य की खोज करो। दूसरी तरफ हिंदुत्ववादियों को सत्य से कोई मतलब नहीं है, वह सत्ता के प्यासे हैं। वे अपने डर की वजह से नफरत से भरे हैं।....2014 से हिंदुत्ववादी सत्ता में हैं, जबकि हिंदू सत्ता से बाहर हैं। ये (हिंदुत्ववादी)फर्जी हिंदू हैं।' 2019 में राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस लोकसभा चुनाव में उतरी और बीजेपी ने अपनी जीत के अबतक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

'हिंदुओं को हिंदुत्व की क्या जरूरत'

इस करारी हार के बाद भी राहुल का हिंदुओं को लेकर विचार नहीं बदला। नवबंर, 2021 में महाराष्ट्र के वर्धा में कांग्रेस की एक ट्रेनिंग कैंप को ऑनलाइन संबोधित करते हुए वे बोले, 'हिंदू जब हिंदू धर्म का पालन करते हैं, तो उन्हें हिंदुत्व की क्या जरूरत है...क्या हिंदू धर्म सिख या मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई के लिए है? नहीं, लेकिन हिंदुत्व है।'

'हिंदुत्व मतलब डर में जी रहा हिंदू धर्म'

दरअसल, कोलकाता में कलकत्ता डिबेटिंग सर्किल की ओर से आयोजित 'हिंदू धर्म को हिंदुत्व से रक्षा की जरूरत है' विषय पर एक बहस के दौरान कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा 'हिंदुत्व का अर्थ है, डर में जी रहा हिंदू धर्म। यह 80 प्रतिशत हिंदुओं को 14 प्रतिशत मुसलमानों से डरने को कहता है।' उनके मुताबिक 'हिंदुत्व एक राजनीतिक चाल है।'

महुआ मोइत्रा का हिंदू धर्म और लव जिहाद

इसी कार्यक्रम में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा,'हिंदू धर्म को मानने वाला एक हिंदू और मुसलमान के बीच प्यार की कल्पना कर सकता है, लेकिन हिंदुत्व को मानने वाला कहेगा, नहीं यह लव जिहाद है। मीट खाने वाला एक बंगाली हिंदू मां काली को मीट चढ़ाएगा, लेकिन हिंदुत्वादी कहेगा, यह सही नहीं है...।'

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
मंगलवार, 13 जनवरी, 2026

सुविचार: मेहनत से मोहब्बत करो क्योंकि, यह तुम्हारी कामयाबी की वजह बनेगी!

सरकारी कर्मचारी और राजनीतिक नेता एक ही परिवार : सीएम

तेलंगाना गैजिटेड ऑफिसर्स सेंट्रल एसोसिएशन 2026 डायरी और कैलेंडर का अनावरण

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गजिटेड ऑफिसर्स सेंट्रल एसोसिएशन के 2026 डायरी एवं कैलेंडर के अनावरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने सभी सरकारी कर्मचारियों और राज्यवासियों को संक्रांति की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि सरकारी कर्मचारी और राजनीतिक नेता एक ही परिवार की तरह हैं और सभी मिलकर काम करें तो राज्य प्रगति करेगा। उन्होंने बताया कि पूर्व सरकार ने 8 लाख करोड़ रुपये का ऋण राज्य पर छोड़ा है और वर्तमान में हर महीने 22 हजार करोड़ रुपये ब्याज चुकाना पड़ रहा है। कर्मचारियों के वेतन, डीए और भत्तों पर किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए, उन्होंने संक्रांति अवसर पर डीए पर हस्ताक्षर किए। राज्य सरकार कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा, दुर्घटना बीमा और रिटायरमेंट बेनिफिट्स सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है। जिलों और मंडलों का पुनर्गठन करने हेतु रिटायर्ड हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज के नेतृत्व में एक कमीशन बनाया जाएगा, जो राज्यभर में भ्रमण कर जनता की राय और सुझाव लेगा। बजट सत्र में सभी राजनीतिक दलों के साथ विधि नीतियों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। गैजिटेड ऑफिसर्स के लिए कार्यालय निर्माण में सरकार का सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी प्रशासन में हर कर्मचारी का योगदान महत्वपूर्ण है और सरकार हमेशा कर्मचारियों की समस्याओं को सुलझाने में मदद करेगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कर्मचारियों को 'हमारे नेता और हमारी ताकत' बताया और उन्हें राज्य प्रशासन के साथ मजबूत साझेदारी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सीएम ने मेडारम महा जातरा का ब्रोशर और पोस्टर जारी किया

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को हैदराबाद के जुबिली हिल्स स्थित अपने आवास पर मेडारम महा जातरा का ब्रोशर और पोस्टर जारी किया। यह पोस्टर जनजातीय कल्याण विभाग द्वारा डिजाइन किया गया है। इस अवसर पर एससी, एसटी, दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का, वन एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा, जनजातीय समुदाय से जुड़े विधायक, सांसद, वारंगल के नेता तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मेडारम महा जातरा 28 से 31 जनवरी तक आयोजित की जाएगी। राज्य सरकार ने मेडारम में 251 करोड़ रुपये की लागत से व्यापक विकास कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री जल्द ही सम्मक्का-सरलम्मा पेडेस्टल और मंदिर परिसर के नवीनीकरण कार्यों का उद्घाटन करेंगे। नव विकसित मेडारम मंदिर परिसर पूर्णतः पत्थर से निर्मित किया गया है, जिसे अगले एक हजार वर्षों तक टिकाऊ बनाए जाने की योजना है। प्रवेश द्वार और चारदीवारी सम्मक्का-सरलम्मा के बलिदान और जनजातीय इतिहास को दर्शाते हैं। मेडारम अब जनजातीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम बन गया है। इसी क्रम में सीएम ए. रेवंत रेड्डी को जोगुलांबा अम्मावारी मंदिर के वार्षिक ब्रह्मोत्सव समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है। जोगुलांबा गदवाल जिले में स्थित इस मंदिर का ब्रह्मोत्सव 19 से 23 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा, मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एवं पुजारियों के साथ सोमवार को जुबिली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री के आवास पहुंचे और उन्हें औपचारिक रूप से आमंत्रण पत्र सौंपा।

टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री पर कृष्णा नदी मामले में की आलोचना

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की सुप्रीम कोर्ट में कमजोर कानूनी रणनीति को लेकर कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कानूनी रूप से आधारहीन याचिका दायर की, जिससे आंध्र प्रदेश को निर्माण कार्य जारी रखने और कृष्णा नदी के जल मार्ग को मोड़ने का अवसर मिल गया।

हरीश राव ने सवाल उठाया कि सरकार के वकील और कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंहवी ने याचिका की स्वीकार्यता सुनिश्चित क्यों नहीं की। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी की भी आलोचना की गई।

बीआरएस नेता ने इसे तेलंगाना के जल अधिकारों के लिए ऐतिहासिक विश्वासघात बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि कमजोर याचिका से पोलावरम-नल्लामाला सागर परियोजना का समर्थन हुआ और मुख्यमंत्री ने अपने कानूनी आश्वासन से मुकर गए।

हरीश राव ने कहा कि बीआरएस इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाएगी और जल अधिकारों से समझौता करने के किसी प्रयास का विरोध करेगी।

इंटीग्रेटेड रेसिडेंशियल स्कूल सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट : डिप्टी सीएम

देश के लिए रोल मॉडल और गेम चेंजर बनेंगे स्कूल

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि इंटीग्रेटेड रेसिडेंशियल स्कूल्स राज्य सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट हैं, जिनका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बच्चों को शिक्षा देकर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। सोमवार को प्रजा भवन से उपमुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों और मुख्य सचिव के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिलावार इंटीग्रेटेड स्कूलों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन स्कूलों का निर्माण समय पर पूरा करने की पूरी जिम्मेदारी जिला कलेक्टरों की होगी।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जहां टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, वहां मंत्री या स्थानीय विधायक के साथ भूमि पूजन कराकर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाए तथा भवन निर्माण पूरा करने के लिए स्पष्ट कार्य कैलेंडर तय किया जाए। कलेक्टरों को हर सप्ताह प्रगति की समीक्षा करने और महीने में एक बार निर्माण स्थल का प्रत्यक्ष निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि स्कूलों के निर्माण के लिए निधियों की कोई कमी नहीं है और ठेकेदारों को हर 15 दिन में बिलों का भुगतान किया जाएगा। एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक रेसिडेंशियल स्कूलों को एक ही परिसर में लाकर राज्य सरकार समानता और सामाजिक समरसता का बड़ा संदेश देश और दुनिया को देने जा रही है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि समाज में वर्गों में बंटे लोगों को इंटीग्रेटेड स्कूलों के माध्यम से एक मंच पर लाया जाएगा, जिससे ये संस्थान देश में रोल मॉडल और गेम चेंजर बनेंगे।

उन्होंने निर्देश दिए कि समझौता होने के 15 दिनों के भीतर कार्य शुरू न करने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही, आगामी शैक्षणिक वर्ष तक अधिकतम स्कूलों को चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी एजेंसी द्वारा नियमित क्वालिटी चेक कराने और गुणवत्ता जांच टीम को सीधे निर्माण स्थल पर भेजने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव को सप्ताह में एक बार कलेक्टरों से प्रगति रिपोर्ट लेने को कहा गया।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में मंत्री अदलूरी लक्ष्मण, सांसद बलराम नायक, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, टीजी डब्ल्यूडीसी एमडी गणपति राव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लॉज में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

करीमनगर, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूरबाद के एक लॉज में 30 वर्षीय वदलकोंडा चिरंजीवी ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, चिरंजीवी भूपालपल्ली जिले के टेकुमाटला मंडल के मंडलोनीपल्ली के निवासी थे। वह 9 जनवरी को अपने दोस्त संतोष के साथ लॉज में एक कमरा किराए पर लेकर ठहरे थे।

शनिवार को लॉज से बाहर गए संतोष ने रविवार को चिरंजीवी से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बाद में वह लॉज पहुंचा और चिरंजीवी को मृत पाया। लॉज के कर्मचारियों और संतोष ने खिड़की से कमरे में झांका तो चिरंजीवी छत से लटका हुआ था। पुलिस ने घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी है।

प्रियंका गांधी के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं के बीच कंबल वितरण

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी का 53वां जन्मदिन आज गांधी भवन में भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर केक काटा गया और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच कंबलों का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व टीपीसीसी प्रोटोकॉल सचिव सूरज तिवारी ने किया। समारोह में पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव, सरकार के सलाहकार हरकरा वेणु गोपाल, टीपीसीसी उपाध्यक्ष कैलाश और टीपीसीसी उपाध्यक्ष आलम भास्कर सहित अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने प्रियंका गांधी को उनके समाज सेवा और राजनीतिक योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं।

वर्गल के नवोदय छात्रों को संसद भवन में मिलेगा सम्मान

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट ज़िले के वर्गल स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) के आठ विद्यार्थियों को संसद भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान 15 जनवरी को केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा प्रदान किया जाएगा। जेएनवी वर्गल के प्राचार्य दासी राजेंद्र ने बताया कि इन विद्यार्थियों का चयन फरवरी 2025 में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित जेएनवी में आयोजित 26वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों ने विभिन्न संसदीय भूमिकाओं का प्रभावशाली निर्वहन किया। पी. वैष्णवी ने अध्यक्ष (स्पीकर), आदिनाथ ने प्रधानमंत्री, अभिनव ने नेता प्रतिपक्ष, के. वैषाली ने वित्त मंत्री, बेनहरपाल ने कृषि मंत्री, राम चरण ने पर्यावरण मंत्री की भूमिका निभाई, जबकि पी. श्रीमणी और टी. नक्षत्रा ने विपक्षी सदस्यों के रूप में सराहनीय प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में महाराष्ट्र विधान परिषद सदस्य कृपाल तुमाने सहित संसदीय कार्य मंत्रालय और नवोदय विद्यालय समिति के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। निर्णायकों ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, विषय की स्पष्ट समझ और संसदीय कौशल की सराहना की। विद्यार्थियों का दल 13 जनवरी को प्राचार्य तथा अनुरक्षक शिक्षकों जी.एस.आर. भास्कर और सुश्री सुसन जॉन के साथ नई दिल्ली के लिए रवाना होगा। इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों को बधाई देते हुए मेदक के सांसद माधवनैनी रघुनंदन राव ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय स्तर पर ही विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान लिया था और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सफलता का पूरा विश्वास था।

'एक पेड़ माँ के नाम अभियान' के तहत सोमवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य जातोतु हुसैन सदस्य ने एससीआर के मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी के साथ रेलवे डिग्री कॉलेज, लालागुड़ा के प्राचार्य/आरडीसी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JC 768972Y, Sub, Rup Chand Bera, R/o, Dist: Hooghly, West Bengal, changed my Mother's name from Khokan Bala Bera to Khokan Bera, vide Affidavit No 284270 dt. 12.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , No. 14668442L, NK, Chetan Prakash Suyal, R/o, Dist: Nainital, Uttarakhand, changed my Mother's name from Munni Suyal to Munni Devi vide Affidavit No. 284268 dt. 12.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14667363 K, NK, Chothe Rajendra Asaram,R/o, Dist : Ahilyanagar, Maharashtra, changed my Daughter's name from Pranali Chothe to Pranali Rajendra Chothe, vide Affidavit No. 284274 dt. 12.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14669606H, NK, Malkar Dattatray Ashok, R/o, Dist: Jalgaon, Maharashtra, changed my Daughter's name from Shrutee Dattatray Malkar to Shruti Dattatray Malkar, vide Affidavit No. 284273 dt. 12.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 774366Y, Sub, Joy Deb Maiti , R/o, Dist: Paschim Medinipur, West Bengal, changed my Mother's name from Gita Rani Maiti to Gita Maiti, vide Affidavit No. 284262 dt. 09.01.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व कांग्रेस विधायक के गुर्गों पर ठेकेदारों से वसूली का आरोप

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जोगुलम्बा गदवाल में श्री भ्रमरा इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईपीएल) ने आलमपुर के पूर्व कांग्रेस विधायक एस.ए. संपत कुमार के गुर्गों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि 6 जनवरी को वाई जयपाल रेड्डी, ए. पीटरसन और चार अन्य लोग राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के वेमुला गांव में अंडरपास निर्माण स्थल पर पहुंचे और कर्मचारियों पर हथियार से हमला कर काम रोक दिया।

शिकायत में कहा गया है कि ठेकेदारों और कंपनियों से जबरन वसूली की गई और काम जारी रखने के लिए मांगी गई रकम का भुगतान न करने पर गंभीर परिणाम की धमकी दी गई।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त का गवर्नमेंट बॉयज़ होम का औचक निरीक्षण

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में चल रहे ऑपरेशन स्माइल-XII कार्यक्रम के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) एम. श्रीनिवासुलु ने सोमवार को गवर्नमेंट बॉयज होम, सईदाबाद का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर का जायजा लिया और वहां रह रहे 27 बच्चों से संवाद किया, जिनमें से कुछ बच्चों को ऑपरेशन स्माइल-XII के तहत बचाया गया है।

उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही भोजन, शिक्षा, चिकित्सा सुविधाएं और आवास व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बच्चों की सुरक्षा और समग्र कल्याण की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित किया कि सभी मूलभूत सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुसार उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने सुपरिंटेंडेंट कृष्णवेणी तथा डॉ. राजन्ना को बच्चों की सतत देखभाल, संरक्षण और पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। यह दौरा बाल कल्याण के महत्व, बाल संरक्षण संस्थानों की नियमित निगरानी तथा हैदराबाद शहर में ऑपरेशन स्माइल-XII के प्रभावी क्रियान्वयन को रेखांकित करता है।

इस अवसर पर महिला सुरक्षा शाखा की उपायुक्त पुलिस डॉ.पी. लावण्या नाइक जादव, बालरक्षक भवन की समन्वयक कुमारी सुमलता, डीसीपीओ श्रीनिवास तथा बाल संरक्षण प्रभारी विजय भास्कर भी उपस्थित रहे।

झाड़ियों में नवजात बच्ची का शव मिलने से सनसनी

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जवाहरनगर में झाड़ियों के बीच एक नवजात बच्ची का शव मिलने से इलाके में चिंता का माहौल फैल गया। शव याप्राल के हनुमान मंदिर के पास एक सुनसान इलाके में मिला। स्थानीय निवासी शिवकुमार ने बच्चे को बेसुध पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के चेहरे, पेट और मुंह पर चोटें देखीं। अनुमानित उम्र लगभग डेढ़ साल बताई जा रही है। बच्ची लाल टी-शर्ट, ट्रैक पैंट और विंटर जैकेट पहने थी। जवाहरनगर पुलिस ने बच्ची की पहचान और मौत के कारण जानने के लिए जांच शुरू कर दी है। मामले को संदिग्ध मानते हुए पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि क्या इसमें कोई आपराधिक साजिश शामिल थी।

दुर्लभ पक्षियों का पीछा करते ड्रोन से पक्षी प्रेमियों में चिंता

संगारेड्डी, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के लोअर मनैर (एलएमडी) बांध पर कुछ लोगों द्वारा दुर्लभ पक्षियों का पीछा करते हुए ड्रोन उड़ाने के वीडियो और तस्वीरें सामने आने से पक्षी प्रेमियों में चिंता फैल गई है। ड्रोन का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित है। भारतीय स्किमर जैसे दुर्लभ पक्षी केवल एलएमडी बांध में पाए जाते हैं और विश्व में उनकी संख्या लगभग 4,000 ही बची है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में देखा गया कि घबराए हुए पक्षी ड्रोन से भाग रहे थे, जबकि एक ओस्प्रे पक्षी के बहुत करीब ड्रोन उड़ाने से वह भयभीत हो गया। पक्षी प्रेमियों ने बताया कि ऐसे व्यवहार से पक्षियों को गंभीर चोट लग सकती है और वे अपना आवास छोड़ सकते हैं। हैदराबाद बर्डिंग पाल्स के सदस्य और अन्य पक्षी प्रेमी वन विभाग की मदद से अपराधी की पहचान और कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे हैं। ग्रामीणों को भी ड्रोन उड़ाने जैसी असंवेदनशील प्रथाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।

पुलिस का चीनी मांझे के खिलाफ अभियान तेज

चार दिनों में पुलिस ने 43 लाख रुपये का मांझा जब्त

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति पर्व को ध्यान में रखते हुए हैदराबाद पुलिस ने प्रतिबंधित चीनी मांझे के खिलाफ विशेष अभियान तेज कर दिया है। बीते चार दिनों में पुलिस ने 43 लाख रुपये मूल्य के 2,150 बोबिन जब्त किए हैं। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने सोमवार को बताया कि यह विशेष अभियान पूरे शहर में चलाया जा रहा है। 8 जनवरी से 11 जनवरी के बीच चीनी मांझे की बिक्री, भंडारण और परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 29 मामले दर्ज किए गए और 57 लोगों को गिरफ्तार किया गया। आयुक्त ने कहा कि प्रतिबंधित चीनी मांझा पर्यावरण, पक्षियों और मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने बताया कि पिछले एक महीने में पुलिस ने 132 मामले दर्ज कर 8,376 बोबिन (1.68 करोड़ रुपये मूल्य) जब्त किए हैं और 200 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। वी.सी. सज्जनार ने चेतावनी दी कि चीनी मांझा बेचने या खरीदने वालों को जेल जाना तय है।

उन्होंने नागरिकों से सुरक्षित धागों का उपयोग कर संक्रांति पर्व को आनंदपूर्वक मनाने की अपील की। आयुक्त ने सोशल मीडिया पर लिखा, पतंग आकाश में उड़नी चाहिए, निर्दोष जिंदगियों में नहीं। चीनी मांझा नहीं टूटता, बल्कि इंसानों की गर्दन और पक्षियों के पंख काट देता है। किसी की क्षणिक खुशी किसी और के घर में असहनीय दुख न बने। प्रतिबंधित चीनी मांझे के इस्तेमाल पर सख्त कार्रवाई होगी।

हाल के दिनों में चीनी मांझे की वजह से एक पुलिस कांस्टेबल और एक छात्र सहित छह मोटरसाइकिल सवार घायल हुए हैं, जिन्हें गर्दन पर गंभीर चोटें आईं। ताजा घटना में रविवार को गच्चीबावली में बाइक से जा रहे 33 वर्षीय सॉफ्टवेयर कर्मचारी के. सूर्य तेजा चीनी मांझे की चपेट में आकर घायल हो गए। उन्हें कंधे पर गहरी चोट लगी और अस्पताल में टांके लगाए गए।

93 किलो गांजा जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

संगारेड्डी, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह स्पेशल ऑपरेशंस टीम पुलिस ने आउटर रिंग रोड के मुथांगी निकास पर महाराष्ट्र ले जा रहे 93 किलोग्राम सूखे गांजे को जब्त किया। यह गांजा आंध्र प्रदेश-ओडिशा सीमा से लाया जा रहा था। पुलिस ने घटना स्थल से 11,000 रुपये नकद, मोबाइल फोन और गांजा ले जाने के लिए इस्तेमाल की गई कार भी बरामद की। इस मामले में सचिन गंगाराम, महेश और विजय नामक तीन तस्करों को हिरासत में लिया गया है।

विवेकानंद यूथ अवॉर्ड

सीएम योगी बोले–यूपी में न कर्फ्यू न दंगा–सब चंगा

> नशे के कारोबार के खिलाफ आगे आएं युवा

लखनऊ, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर युवाओं को समर्पित कार्यक्रम 'युवा प्रतिभा सम्मान और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' का आयोजन किया गया। यह आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुआ। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने मौजूद लोगों को संबोधित किया।

इस मौके पर युवा कल्याण एवं खेल मंत्री गिरीश यादव ने कहा कि युवाओं का उत्साहवर्धन के लिए सीएम आए हैं। आज का दिन हमारे लिए प्रेरणा और संकल्प का दिन है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि उठो, जागो, तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। यह हमें एकाग्रता, अनुशासन और प्रेरणा देता है। सरकार युवाओं के खेल, कौशल विकास और सशक्त बनाने का काम कर रही है। युवा स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करें। संकल्प लेकर जाए, इसी पथ पर आगे बढ़ेंगे।

देश, प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए जुट जाएं युवा

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विवेकानंद ने दुनिया को भारत की वास्तविक ताकत का एहसास कराया था। युवा, स्वामी जी से सीख लेकर पीएम मोदी के नेतृत्व में देश, प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए जुट जाएं। स्वामी जी को पढ़े, समझें, आगे बढ़ें। जब देश गुलामी की जंजीर में जकड़ा था, उस समय भी शिकागो के सम्मेलन में गए थे। उनके रहने, भोजन आदि की भी व्यवस्था नहीं थी। आमंत्रण भी नहीं था। किंतु उन्होंने मां भारती के तिरंगे को कभी झुकने नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने कहा था, हमारे यहां टेलर नहीं चरित्र महान बनाता है। युवा उनके जीवन चरित्र को पढ़े। मां बीमार और दवा के लिए पैसे नहीं था। युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। युवा, मार्कशीट के पीछे भाग रहे हैं। कम नंबर आने पर छलांग लगा दे रहे हैं। अपनी प्रतिभा को पहचानो। देश, प्रदेश में हर ओर विकास कार्य। आज युवा अवसर ढूंढने वाला नहीं है, बल्कि अपनी अलग पहचान बना रहा है। युवा शसक्त तभी देश, प्रदेश सशक्त होगा।

बहुउद्देश्यीय हाल का लोकार्पण

इस मौके पर 21 करोड़ से बने 5 बहुउद्देश्यीय हाल का लोकार्पण किया गया। साथ ही तीन ग्रामीण स्टेडियम का शिलान्यास भी किया गया। इस मौके सीएम योगी ने कहा कि नशे का कारोबार क्रैश करने और पर्यावरण का संरक्षण के लिए युवा आगे आएं। आज महाभारत के किरदार वसूली नहीं कर सकते हैं, यदि करेंगे तो जेल जाएंगे। यूपी में न कर्फ्यू न दंगा, सब चंगा है। प्रदेश में पर्यटन के साथ रोजगार के अवसर बढ़े हैं। सीएम ने युवाओं को गांव, ब्लाक में नशे के खिलाफ अभियान चलाने का सुझाव दिया। साथ ही कहा कि वे नशे के कारोबार को क्रैश करने के लिए काम करें। हमें इसके बारे में गोपनीय सूचना दें। उनकी प्रापर्टी जब्त की जाएगी। क्योंकि, नशा नाश का कारण है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से जल संरक्षण के लिए भी आगे आने और काम करने का आह्वान किया। कहा कि जिला, गांव में चेक डैम, अमृत सरोवर आदि हैं। इससे जुड़ें और जल, पर्यावरण संरक्षण से जुड़ें। स्थानीय लोगों को भी जोड़ें। पुरानी नदियों पर कब्जे हो गए हैं। इस पर ध्यान दें। हाल ही में शुरू विकसित भारत जी राम जी योजना से जुड़ें और इसका प्रयोग करें। बरसात में पौधे लगाएं, परिवार में 10 लोग हैं तो 10 पौधे लगाएं। सीएम ने आगे कहा कि अगले बार के यूथ अवॉर्ड में जल व पर्यावरण संरक्षण, खेलकूद गतिविधियों को भी शामिल किया जाए। जुलाई में वन महोत्सव में 35 करोड़ वृक्षरोपण का लक्ष्य हमने लिया है।

प्रॉपर्टी विवाद में छोटे भाई की पीट–पीटकर हत्या

अलीगढ़, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अलीगढ़ में महज चार बीघा जमीन के विवाद में बड़े भाई और उसके बेटों ने छोटे भाई की पीट–पीटकर हत्या कर दी। हमलावरों ने घर में घुसकर पत्नी के सामने ही छोटे भाई को घसीटकर कमरे से बाहर निकाला। इसके बाद बेरहमी से पीट–पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दौरान पत्नी अपने बच्चों के साथ वहीं मौजूद थी। वो बार-बार जेठ को रोक रही थी। लेकिन वो नहीं माना। फिर अधमरी हालत में छोड़कर भागा। परिजन आनन–फानन उसे मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर थाना बन्ना देवी पुलिस मौके पर पहुंची, पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की 4 साल की बेटी ने बताया- मेरे पापा को ताऊ और भईया ने तार से मारा। उनके खून निकल रहा था।

दरभंगा राजघराने की अंतिम महारानी कामसुंदरी देवी का हुआ निधन

युवराज कपिलेश्वर सिंह ने जताया दुख

दरभंगा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दरभंगा के राज परिवार की अंतिम महारानी कामसुंदरी देवी का निधन हो गया। वे लगभग 96 वर्ष की थीं और कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं। महारानी कामसुंदरी देवी, महाराजा कामेश्वर सिंह की तीसरी और अंतिम पत्नी थीं। महाराजा कामेश्वर सिंह से उनकी शादी 1940 के दशक में हुई थी। महारानी कामसुंदरी देवी से पहले महाराजा की दो पत्नियां थीं, महारानी राजलक्ष्मी और महारानी कामेश्वरी प्रिया, जिनका निधन पहले ही हो चुका है।

कामसुंदरी देवी ने महाराजा कामेश्वर सिंह की स्मृति में महाराजाधिराज कामेश्वर सिंह कल्याणी फाउंडेशन की स्थापना की थी। उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में योगदान दिया। उनका निधन राज परिसर स्थित कल्याणी निवास में हुआ। अंतिम महारानी के निधन पर युवराज कपिलेश्वर सिंह ने दुख व्यक्त किया और कहा, “हमने अपनी दादी को खो दिया है। वह काफी दिनों से बीमार चल रही थीं।”

पूर्णिया गैंगरेप को लेकर नीतीश सरकार पर भड़के सांसद पप्पू यादव

लालू परिवार पर कानूनी कार्रवाई पर क्या कहा?

पूर्णिया, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में लगातार हो रही रेप और हत्या की वारदातों ने राज्य की कानून-व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। पूर्णिया में एक युवती से शराब पिलाकर किए गए सामूहिक दुष्कर्म पर सांसद पप्पू यादव ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रदेश के लॉ एंड ऑर्डर को पूरी तरह ध्वस्त बताते हुए दोषियों को सीधे फांसी देने की मांग की है।

सांसद पप्पू यादव ने भावुक और कड़े लहजे में कहा कि बिहार में अब कानून का डर खत्म हो चुका है। पूर्णिया की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक बेटी जो मेहनत करके अपनी जिंदगी जी रही थी, उसे 25 किलोमीटर दूर ले जाकर शराब पिलाई गई और फिर दरिंदगी की गई। यह किसी जल्लाद के काम से कम नहीं है। उन्होंने राज्य में हुई अन्य घटनाओं को गिनाते कहा खगड़िया में 5 साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म, पटना के हॉस्टल में छात्रा से रेप और फिर उसकी हत्या और जहानाबाद में बलात्कार के बाद नृशंस हत्या। पप्पू यादव ने दो टूक कहा कि ऐसे मामलों में अब देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार स्पीडी ट्रायल चलाकर इन 'जल्लादों' को अविलंब फांसी की सजा दिलाए।

अपराध के पीछे के कारणों पर बात करते हुए सांसद ने कहा कि बिहार में प्रतिबंधित शराब और बढ़ता ड्रग्स (स्मैक) का चलन बेटियों के लिए काल बन रहा है। उन्होंने कहा कि नशा सबसे गलत है, यही बलात्कार का सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। बेटी के साथ कोई सौदा नहीं किया जा सकता, अपराधियों को बख्शना बंद करे सरकार।

उन्होंने कहा कि बिहार के कई सांसद अपनी सांसद निधि खर्च करने में नाकाम रहे हैं, जो उनकी अकर्मण्यता को दर्शाता है। विकास के पैसे का उपयोग न होना जनता के साथ धोखा है। लैंड फॉर जॉब मामले में लालू परिवार पर आरोप तय होने पर उन्होंने कहा कि कोर्ट का फैसला सर्वोपरि है। लेकिन सवाल उठाया कि देश में भ्रष्टाचार के आरोप कई नेताओं पर हैं, फिर केवल लालू यादव को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है?

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की बड़ी कार्रवाई

17 लापरवाह चिकित्साधिकारी बर्खास्त

लखनऊ, 12 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सरकारी अस्पतालों में लापरवाही बरतने वाले चिकित्साधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई की है। 17 चिकित्साधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। ये डॉक्टर लंबे समय से ड्यूटी से लगातार अनुपस्थित पाए गए थे। मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले चार चिकित्साधिकारियों के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। वहीं, स्थानांतरण के बाद नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण न करने वाले डॉ. गजेंद्र सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। बीकेटी ट्रामा सेंटर के चार चिकित्साधिकारियों से कार्य में लापरवाही के आरोप में स्पष्टीकरण तलब किया गया है। इसके अलावा, तीन चिकित्साधिकारियों को लापरवाही पर चेतावनी जारी की गई है। उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और कार्य में लापरवाही के मामलों में पांच चिकित्साधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकने के साथ परनिंदा दंड दिया गया है। वहीं, क्रय नीति के विपरीत दवा खरीदने के दोषी पाए गए दो चिकित्साधिकारियों की पेंशन में 10 प्रतिशत कटौती के निर्देश दिए गए हैं।

जन्म प्रमाणपत्र जारी करने में भ्रष्टाचार पर हाईकोर्ट नाराज, एफआईआर के आदेश

प्रयागराज, 12 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जन्म प्रमाणपत्र जारी करने में भ्रष्टाचार पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने जन्मतिथि में 11 वर्षों की हेराफेरी, जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले में प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर को संबंधित व्यक्ति और ग्राम पंचायत अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन व न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने प्रयागराज निवासी शिवशंकर पाल की याचिका पर दिया है।

याची ने पासपोर्ट पर जन्मतिथि 1994 से बदलकर 2005 करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। कोर्ट ने रिकॉर्ड की जांच में पाया कि याची ने हाईस्कूल की परीक्षा वर्ष 2011 में उत्तीर्ण की थी, जबकि हाईस्कूल प्रमाणपत्र में उसकी जन्मतिथि 11 जुलाई 1994 दर्ज है। इस पर कोर्ट ने पूछा कि 2005 में जन्मा व्यक्ति छह वर्ष की उम्र में हाईस्कूल परीक्षा में कैसे शामिल हो गया। इसके अलावा, पासपोर्ट आवेदन के समय जमा आधार कार्ड में भी जन्मतिथि 1994 थी, जबकि बाद में संलग्न आधार कार्ड की प्रति में जन्मतिथि 2005 दर्शायी गई। कोर्ट ने नवंबर 2025 में ग्राम पंचायत की ओर से जारी जन्म प्रमाणपत्र पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

संभल में फिर चला बुलडोजर सरकारी जमीन पर तैयार किए थे मकान

प्रशासन की पहुंची टीम, लोग भी खुद तोड़ने लगे

संभल, 12 जनवरी (एजेंसियां)। संभल जिले के सिरसी कस्बे के मोहल्ला शर्की में सरकारी जमीन पर बने अवैध मकानों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सोमवार को प्रशासन जेसीबी की मदद से मकानों को गिरवा रहा है। यह मकान करीब दस वर्ष पहले ग्राम समाज और खाद के गड्ढों की आरक्षित भूमि पर बनाए गए थे। लंबे समय से चली आ रही शिकायतों के बाद मामला तहसीलदार न्यायालय में पहुंचा।

जहां सुनवाई के दौरान तथ्यों के आधार पर मकान खाली करने के आदेश दिए गए। न्यायालय के आदेश के बावजूद मकान स्वामियों ने समय पर मकान खाली नहीं किए। इसके बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मकान ध्वस्त करने के आदेश जारी कर दिए। इसी क्रम में रविवार से कार्रवाई शुरू हुई जिसमें नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को भी एहतियातन तैनात

किया गया है। प्रशासन द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद इलाके में खलबली मच गई थी। शनिवार को नायब तहसीलदार बबलू कुमार राजस्व विभाग की टीम के साथ सिरसी पहुंचे थे और ग्राम समाज व खाद के गड्ढों की भूमि पर बने आठ मकानों को खाली करने के लिए नोटिस थमाए गए थे। नोटिस में मकान खाली करने के लिए सोमवार तक का समय दिया गया था। हालांकि, कार्रवाई की आशंका के चलते कई लोगों ने रविवार को ही खुद अपने मकानों को तोड़ना शुरू कर दिया। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह सभी मकान आरक्षित सरकारी भूमि पर बनाए गए थे और न्यायालय से इन्हें खाली कराने का आदेश पहले ही हो चुका है।

आदेश के अनुपालन में प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही है। रविवार को अयूब हसन, जुल्फिकार हुसैन, असकरी, कामिल और मोहम्मद समेत कई लोगों के मकानों को तोड़ा जाने लगा। कार्रवाई के दौरान मकान स्वामियों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। वर्षों की मेहनत से बनाए गए मकान टूटते देख परिवारों में गम और आक्रोश दोनों देखने को मिला। वहीं प्रशासन का कहना है कि सरकारी और आरक्षित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना उनकी जिम्मेदारी है। कार्रवाई पूरी तरह न्यायालय के आदेश के तहत की जा रही है।

एक और पति का कत्ल : प्रेमी संग पत्नी ने रची साजिश

शराब पिलाई–मफलर से घोंटा गला, सिर काटकर बोरवेल में फेंका

फिरोजाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के फिरोजाबाद स्थित थाना नारखी क्षेत्र के ग्राम जाखई में हुए सनसनीखेज सौरभ जादौन हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे में सोमवार को खुलासा कर दिया। इस जघन्य हत्याकांड को मृतक की पत्नी प्रीति ने अपने प्रेमी सूरज और उसके एक साथी सलमान के साथ मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस मुठभेड़ में मुख्य अभियुक्त सूरज घायल हो गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। इधर, मृतक का शव पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंपा।

प्रीति के हो गए थे सूरज से संबंध

सौरभ (26) मूलरूप से गादुरी, निधौली कलां, एटा का रहने वाला था। चार साल से वह थाना उत्तर के लक्ष्मी नगर में अपने बड़े भाई मिथुन के परिवार के साथ अपने पत्नी प्रीति और तीन साल के बेटे आदित्य को लेकर रह रहा था। सौरभ की हत्या के संबंध में गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के बाद पुलिस ने सोमवार को खुलासा किया कि मृतक सौरभ की पत्नी और अभियुक्त सूरज कुशवाह निवासी जाखई, नारखी के बीच काफी समय से प्रेम प्रसंग (अवैध संबंध) चल रहा था। सौरभ इन संबंधों के बीच में बाधक बन रहा था, जिसे रास्ते से हटाने के लिए पत्नी और प्रेमी ने खौफनाक साजिश रची। सलमान निवासी जाखई, नारखी को सूरज और प्रीति ने 50 हजार रुपये के लालच में हत्या की वारदात में शामिल किया।

9 जनवरी की शाम को सौरभ को हत्या की साजिश के तहत ही सूरज ने फोन कर जाखई गांव में बुलाया। जाखई के पूर्व प्रधान उदयवीर सिंह के खेत में ट्यूबवेल की कोठरी के पास सौरभ को सूरज और उसके साथी सलमान ने शराब पिलाई थी। इसके बाद मफलर से गला कसकर हत्या कर दी। इसके बाद सलमान और सूरज ने कोठरी में शव खींचने के बाद बड़े चाकू से गला काटा था। साक्ष्य मिटाने के लिए उसका सिर धड़ से अलग कर बोरवेल (बोरिंग) में फेंक दिया गया।

मां-पत्नी की हत्याकर खोपड़ी का मांस खा गया

कुशीनगर में लाठी–डंडों से पीटा, ईट से सिर कूचा

लोगों पर फेंके मांस के टुकड़े

कुशीनगर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। कुशीनगर में एक युवक ने पत्नी और मां की हत्या कर दी। पहले दोनों को लाठी-डंडों से पीटा, फिर ईंट से सिर कुचल दिया। इसके बाद उसने दोनों की खोपड़ी का मांस निकालकर खाने लगा। जब गांववाले मौके पर पहुंचे, तो वह उन पर मांस के टुकड़े फेंकने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छत पर बैठे युवक को गिरफ्तार कर लिया। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। वारदात अहिरौली थाना क्षेत्र के परसा गांव की है। आरोपी का नाम सिकंदर गुप्ता (30) है।

शराब के लिए पत्नी और बेटे को काट डाला

कानपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के गोपालपुर मजरा शारदेपुर में रविवार रात शराब की लत ने एक परिवार को पूरी तरह तबाह कर दिया। शराब पीने के विरोध से नाराज एक पति ने अपनी पांच माह की गर्भवती पत्नी और ढाई साल के मासूम बेटे की धारदार हथियार से हत्या कर दी।

नशे में लौटा पति, घर में मच गया कोहराम

आरोपी सुरेंद्र यादव उर्फ स्वामी रविवार रात करीब नौ बजे शराब के नशे में घर पहुंचा। पत्नी रूबी देवी ने एक बार फिर शराब पीने का विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी बढ़ी और विवाद देखते ही देखते हिंसा में बदल गया।

गर्भवती पत्नी और मासूम पर बेरहमी से वार

गुस्से से बेकाबू सुरेंद्र ने धारदार हथियार से पहले पत्नी रूबी देवी (32) की गर्दन पर ताबड़तोड़ वार किए। इसके बाद उसने ढाई साल के बेटे लवांश के सिर पर भी कई वार कर उसे भी मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

देवर ने देखा खौफनाक मंजर

कुछ देर बाद जब देवर पप्पू घर पहुंचा तो जमीन पर खून से लथपथ भाभी और भतीजे के शव पड़े थे। यह दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंचे आला अधिकारी, फॉरेंसिक जांच

सूचना मिलते ही जेसीपी कानून व्यवस्था आशुतोष कुमार, डीसीपी दीपेंद्र नाथ चौधरी, एडीसीपी योगेश कुमार समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आलाकत्ल (बांका) को बरामद कर लिया गया।

शराब को लेकर रोज का झगड़ा, बनी मौत की वजह

डीसीपी दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि सुरेंद्र शराब का आदी था। पत्नी रूबी देवी उसके नशे और खर्च को लेकर लगातार विरोध करती थी। इसी घरेलू कलह ने आखिरकार खौफनाक रूप ले लिया। ग्रामीणों के अनुसार सुरेंद्र कभी ट्रक में खलासी तो कभी मजदूरी करता था। कम आमदनी के बावजूद वह ज्यादातर पैसा शराब में उड़ा देता था। इससे घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया था और इसी बात को लेकर पति-पत्नी में आए दिन झगड़े होते थे। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष टीमें गठित की हैं। संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है और आसपास के गांवों के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

शराब की लत ने छीना सब कुछ

पांच माह की गर्भवती पत्नी और मासूम बेटे की हत्या की यह वारदात एक बार फिर सवाल खड़ा करती है कि शराब की लत किस तरह इंसान को हैवान बना देती है। नशे की आग में सुरेंद्र ने न सिर्फ अपने परिवार को खत्म किया, बल्कि अपनी जिंदगी भी अंधेरे में झोंक दी। पुलिस ने देर रात मां और बेटे के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी घाटमपुर कृष्णकांत यादव ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तंत्र–मंत्र से नहीं मिला लाभ तो दी कसाईनुमा मौत

सिर कुएं में तो धड़ नाले में फेंका, चार गिरफ्तार

अमेठी, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ के चौक बाजार निवासी कपड़ा व्यापारी व तांत्रिक विजय सिंह की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। तंत्र साधना से लाभ न होने, आर्थिक नुकसान और लगातार धन मांग से नाराज होकर सात जनवरी की रात वारदात को अंजाम दिया गया था। जायस के छोटा गोरियाना कस्बा निवासी राजन सोनकर ने तीन साथियों के साथ मिलकर पहले विजय पर वार कर बेहोश किया। बाद में तीन साथियों ने हाथ पैर पकड़ और उसने सिर को धड़ से अलग कर दिया।

एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि मुख्य आरोपी राजन सोनकर और उसकी मां लंबे समय से विजय सिंह से झाड़-फूंक करा रहे थे। हालत में सुधार नहीं हुआ लेकिन विजय की ओर से धन की मांग जारी रहने से तनाव बढ़ा। राजन ने साथियों संग साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर उसी के घर के पास गदहिया तालाब के पास स्थित पुराने कुएं में विजय का सिर भी बरामद किया है। उनके पास से गड़ासा, चार मोबाइल फोन, मृतक के कपड़े, ईंटें और घटना में प्रयुक्त कार व अन्य सामग्री बरामद की। राजन सोनकर ने अपने तीन साथियों संग वारदात की पटकथा तैयार की। साजिश के तहत देवा शरीफ जाने की बात कहते हुए सात जनवरी को विजय को फोन कर प्रतापगढ़ से बुलाया गया। इसके बाद कार किराये पर ली गई। कार लेने के बाद विजय को दोबारा फोन कर भांजी के घर से हाईवे के पास बुलाया गया। इसके रात करीब दस बजे सभी कार से निकले। कार में एक व्यक्ति को और साथ ले चलने की बात कहते हुए कार मोहनगंज मार्ग के बजाए रायबरेली की तरफ ले गए। मोजमगंज नाले की दाहिनी पटरी पर कार से कुछ दूर चलने के बाद कार कच्चे मार्ग पर रोक दी गई। विजय सिंह को नीचे उतारा उसके साथ पैदल कुछ दूर जाने पर राजन से पीछे से गड़ासे से वार किया। वार से विजय बेहोश हो गया। इसके चारों उन्हें घसीट कर नाले के पास ले।

जहां अजय सोनकर और प्रदीप ने विजय का पैर पकड़ा और सौरभ ने हाथ पकड़ कर सिर दबाया। इसके बाद राजन ने गर्दन पर वार कर सिर को धड़ से अलग कर दिया। इसके बाद चारों ने घसीट कर धड़ को नाले में फेका। मृतक की पहचान छुपाने के लिए धड़ को नाले में फेंक दिया जबकि सिर को एक बोरी में ईटों के साथ भरकर अपने घर के पास गदहिया तालाब के पास स्थित पुराने कुएं में डाल दिया।

पूर्व विधायक इरफान पर गैंगस्टर मामले में बहस पूरी फैसला सुरक्षित

प्रयागराज, 12 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर नगर के सीसामऊ से सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की गैंगस्टर के तहत दर्ज मुकदमे की कार्रवाई रद्द करने की मांग में दायर अर्जी पर बहस पूरी हो गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकल पीठ ने दिया है। जाजमऊ थाने में दिसंबर 2022 को इरफान पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन आदेश सहित पूरी कार्रवाई को रद्द करने की मांग में इरफान ने हाईकोर्ट में अर्जी दायर की थी।

दुनिया का चौथा महंगा तलाक देंगे श्रीधर वेम्बू!

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। देसी टेक कंपनी जोहो कंपनी के फाउंडर और सीईओ श्रीधर वेम्बू आजकल फिर चर्चा में हैं। अमेरिका में कैलिफोर्निया की एक अदालत ने उन्हें तलाक के मामले में 1.7 अरब डॉलर यानी 15 हजार करोड़ रुपये का बॉन्ड जमा करने का आदेश दिया है। इसे भारत का सबसे महंगा और दुनिया का चौथा सबसे महंगा तलाक बताया जा रहा है। हालांकि कोर्ट ने यह आदेश पिछले साल जनवरी में दे दिया था लेकिन यह अब सार्वजनिक हुआ है। वेम्बू ने साल 1993 में प्रमिला श्रीनिवासन से शादी की थी और दोनों का एक बेटा भी है। वेम्बू अब भारत से अपना बिजनेस चला रहे हैं। यहां हम आपको दुनिया के पांच सबसे महंगे तलाक के बारे में बता रहे हैं।

बिल गेट्स और मेलिंडा गेट्स

अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स और उनकी पत्नी मेलिंडा गेट्स ने 27 साल तक साथ रहने के बाद 3 मई, 2021 को तलाक की घोषणा की थी। इसे दुनिया का अब तक का सबसे महंगा तलाक माना जाता है। माना जाता है कि इस तलाक से मेलिंडा को 73 अरब डॉलर मिले। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, तलाक के बाद मेलिंडा गेट्स को विभिन्न कंपनियों में कम से कम $6.3 अरब के स्टॉक मिले थे। बिल गेट्स आज 118 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ आज दुनिया के रईसों की लिस्ट में 15वें नंबर पर हैं। मेलिंडा की नेटवर्थ 17.6 अरब डॉलर है।

जेफ बेजोस-मैकेंजी स्कॉट

दुनिया के तीसरे बड़े रईस जेफ बेजोस और उनकी पत्नी मैकेंजी स्टॉक का 2019 में तलाक हुआ था। ई-कॉमर्स साइट ऐमजॉन के फाउंडर और उनकी पत्नी के तलाक की खबरें काफी सुर्खियों में रही थी। बेजोस को गुजारे-भत्ते के तौर पर अपनी पत्नी को 38 अरब डॉलर देने पड़े थे। यह दुनिया का दूसरा सबसे महंगा तलाक है। बेजोस 268 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के तीसरे बड़े रईस हैं। स्कॉट आज 37 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 35वें नंबर पर हैं। वहीं स्कॉट की नेटवर्थ 41.9 अरब डॉलर है।

एलेक-जोसलिन विल्डनस्टीन

फ्रांसीसी-अमेरिकी बिजनसमैन और आर्ट डीलर एलेक विल्डनस्टीन ने साल 1999 में अपनी पत्नी को तलाक देने की घोषणा की थी। दोनों की शादी 21 साल बाद टूटी थी। विल्डनस्टीन को अपनी पत्नी जोसलिन विल्डनस्टीन को 3.8 अरब डॉलर गुजारा भत्ता देना पड़ा था। इसे इतिहास का तीसरा सबसे महंगा तलाक माना जाता है।

रूपर्ट मुर्डोक-मारिया तोर्व

मीडिया मुगल रूपर्ट मुर्डोक और जर्नलिस्ट मारिया तोर्व ने 31 साल की शादी के बाद साल 1998 में एक-दूसरे से अलग होने की घोषणा की थी। माना जाता है कि इसके लिए तोर्व को 1.7 अरब डॉलर मिले थे। तलाक के 17 दिन बाद ही मुर्डोक ने वेंदी डेंग से शादी कर ली जबकि कुछ दिन बाद तोर्व ने भी विलियम मैन को जीवनसाथी बना लिया। वेम्बू का तलाक भी इतना ही महंगा हो सकता है। साल 2024 में वेम्बू 5.85 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ फोर्ब्स की भारतीय अमीरों की लिस्ट में 39वें नंबर पर थे।

स्टीव-एलियन विन

अमेरिका में लास वेगास के कसीनो किंग स्टीव और एलियन विन ने दो बार एकदूसरे से शादी की। उनकी पहली शादी 1963 से 1986 तक चली जबकि दूसरी शादी 1991 से 2010 तक चली। माना जाता है कि दूसरी बार तलाक होने पर एलियन विन को करीब एक अरब डॉलर का गुजारा भत्ता मिला था। यह अब तक दुनिया का पांचवां सबसे महंगा तलाक माना जाता है।

बरनाला में सरपंच गिरफ्तार : पंजाबी सिंगर पर हमले की प्लानिंग

हथियार भी मिले, गांव के मुखिया का वसूली गैंग

बरनाला, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाबी सिंगर गुलाब सिंह सिद्धू पर हमला करने की साजिश रच रहे सरपंच समेत तीन आरोपियों को बरनाला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों में गांव कोटदूना का सरपंच शामिल है। आरोपियों से गैर-कानूनी हथियार, जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन, स्विफ्ट कार सहित अन्य सामान बरामद किया गया है।

एसएसपी बरनाला मोहम्मद सरफराज आलम ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव कोटदूना का सरपंच बलजिंदर सिंह और उसके साथियों ने एक गैंग बनाया हुआ है, जो बिजनेसमैन और सेलिब्रिटी को धमकाकर उनसे रिश्वत वसूलता है। सूचना के अनुसार आरोपी मोगा-बरनाला बाईपास चौक के पास बैठकर एक सेलिब्रिटी पर हमला करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मौके पर छापा मारा और बलजिंदर सिंह, बलविंदर सिंह और गुरविंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से एक देसी पिस्तौल 32 बोर, एक मैगजीन, 32 बोर के तीन जिंदा कारतूस, एक डमी पिस्तौल, चार मोबाइल फोन, एक लकड़ी का डंडा और एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार बरामद की गई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों की निशाने पर फरवाही के मशहूर पंजाबी सिंगर गुलाब सिंह सिद्धू थे। बताया गया कि सिंगर द्वारा सरपंचों के नाम पर गाए गए एक गाने को लेकर सरपंच बलजिंदर सिंह नाराज था और उसने सोशल मीडिया पर लाइव वीडियो डालकर सिंगर को धमकी भी दी थी। तीनों आरोपी सिंगर पर हमला कर अपनी पहचान बनाना चाहते थे, ताकि इसके बाद अन्य सेलिब्रिटी और बिजनेसमैन को डराकर उनसे मोटी रकम वसूली जा सके। एसएसपी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल थाना सिटी-2 बरनाला में आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस गैंग के तार और किन-किन लोगों से जुड़े हो सकते हैं।

क्या आयुष डॉक्टरों को भी पंजीकृत चिकित्सक का दर्जा?

याचिका पर अदालत ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान न्यायालय ने कानून, स्वास्थ्य और आयुष मंत्रालयों से जवाब मांगा है। न्यायालय ने यह कदम एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर उठाया है। याचिका में मांग की गई है कि एलोपैथिक डॉक्टरों की तरह आयुष डॉक्टरों को भी कानून के तहत 'पंजीकृत चिकित्सक' का दर्जा दिया जाए।

कानून में बदलाव की मांग

याचिका में 1954 के 'ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट' की समीक्षा करने की बात कही गई है। मांग है कि आज के वैज्ञानिक विकास के हिसाब से इस कानून को अपडेट करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाई जाए। याचिकाकर्ता का कहना है कि आयुष डॉक्टरों को इस एक्ट की धारा दो (सीसी) के तहत 'पंजीकृत चिकित्सक' शामिल किया जाना चाहिए।

कोर्ट में दिलचस्प बातचीत

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। याचिका कानून के छात्र नितिन उपाध्याय ने दायर की है, जिनका पक्ष उनके पिता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने रखा। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने पूछा, क्या वह आपका बेटा है? वकील ने कहा, हां। इस पर बेंच ने टिप्पणी की, हमें लगा था उसे गोल्ड मेडल वगैरह मिलेगा, लेकिन वह तो पीआईएल दाखिल कर रहा है। अब तुम पढ़ाई क्यों नहीं करते? कोर्ट ने आगे कहा कि वे नोटिस जारी कर रहे हैं, सिर्फ उनके बेटे के लिए, ताकि वह अच्छे से पढ़ाई करे। इस एक्ट का मकसद कुछ मामलों में दवाओं के विज्ञापन को नियंत्रित करना है, ताकि जादुई गुणों का दावा करने वाले उपायों के कुछ खास उद्देश्यों के लिए विज्ञापन पर रोक लगाई जा सके।

एक्ट की धारा दो (सीसी) 'पंजीकृत चिकित्सक' की परिभाषा से संबंधित है। याचिका में कहा गया है, यह एक्ट जनता को झूठे और गुमराह करने वाले मेडिकल विज्ञापनों से बचाने के लिए बनाया गया था। हालांकि, धारा तीन (डी) कुछ बीमारियों और स्थितियों से संबंधित विज्ञापनों पर पूरी तरह से रोक लगाती है। वहीं एक्ट की धारा तीन कुछ बीमारियों और विकारों के इलाज के लिए कुछ दवाओं के विज्ञापन पर रोक से संबंधित है।

मुंबई की पूर्व मेयर के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची शिवसेना

गलत सूचना के साथ नामांकन दाखिल करने का आरोप

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव में कुछ दिन ही बचे हैं। इसी बीच शिवसेना के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर किया। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) की उम्मीदवार और पूर्व नगर महापौर किशोरी पेडनेकर के नगर निगम चुनाव नामांकन को चुनौती दी है। उनका आरोप है कि पेडनेकर ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर के बारे में जानकारी छुपाई है।

चुनाव बाद सुनवाई होगी-अदालत

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना की प्रवक्ता सुसी शाह ने मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ के समक्ष याचिका का जिक्र करते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की। हालांकि, अदालत ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों में केवल कुछ ही दिन बचे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद याचिका पर सुनवाई की जाएगी।

पेडनेकर ने वार्ड 199 (मध्य मुंबई) से बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र जमा कर दिया है। शाह ने अपने वकील कल्पेश जोशी के माध्यम से दायर याचिका में उच्च न्यायालय से रिटर्निंग ऑफिसर को पेड़नेकर के फॉर्म को अवैध, अमान्य और अनुचित घोषित करने और उसे खारिज करने का निर्देश देने की मांग की।

कई एफआईआर छिपाने के लगे आरोप

याचिका के अनुसार, पेडनेकर ने अपने हलफनामे में जानबूझकर कई महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया और दबाया है, जैसे कि उनके खिलाफ गंभीर अपराधों के लिए दर्ज कई एफआईआर। याचिका में दावा किया गया है कि पेडनेकर के खिलाफ कई मामले लंबित हैं, जिनमें कोविड-19 महामारी के दौरान कथित तौर पर की गई धोखाधड़ी का एक मामला भी शामिल है।

याचिका में कहा गया है, "पेडनेकर ने मुंबई की महापौर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई भर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में उनके खिलाफ दर्ज पांच एफआईआर के बारे में विवरण छिपाया है।"

ट्रेनों में हलाल खाने का विवाद

एनएचआरसी ने रेलवे की रिपोर्ट को बताया 'अधूरा', पारदर्शिता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सोमवार को कहा कि ट्रेनों में हलाल-सर्टिफाइड खाना परोसने के मुद्दे पर इंडियन रेलवे द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट अधूरी है और इसमें पारदर्शिता की भी कमी है।

एनएचआरसी ने रेलवे बोर्ड को एक शिकायत के बाद नोटिस जारी किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि इंडियन रेलवे नॉन-वेजिटेरियन खाने में सिर्फ़ हलाल-प्रोसेस्ड मीट परोसता है, जो शिकायतकर्ता के अनुसार, अनुचित भेदभाव पैदा करता है और मानवाधिकारों का उल्लंघन करता है। इसके जवाब में, रेलवे बोर्ड ने कमीशन को बताया कि ट्रेनों में हलाल-सर्टिफाइड खाना बेचने या परोसने का कोई आधिकारिक प्रावधान नहीं है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इंडियन रेलवे और आईआरसीटीसी अपने फूड प्रोडक्ट्स के लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की गाइडलाइन्स को फॉलो करते हैं, और साथ ही कहा, इंडियन रेलवे में हलाल-सर्टिफाइड खाना परोसने का कोई आधिकारिक प्रावधान नहीं है। रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि हाल ही में केंद्रीय माहिती आयोग (सीआईसी) के सामने एक ऐसा ही मामला उठाया गया था। एक आवेदक ने सूचना के अधिकार कानून के तहत यह जानकारी मांगी थी कि क्या ट्रेनों में नॉन-वेज खाने में हलाल-प्रोसेस्ड मीट परोसा जाता है। रेलवे बोर्ड ने सीआईसी के सामने यह स्टैंड लिया था कि इंडियन रेलवे द्वारा कोई भी हलाल-सर्टिफाइड खाना नहीं परोसा जाता है।

सीआईसी ने अपने आदेश में रेलवे की बात को रिकॉर्ड किया और कहा कि चीफ प्रिंसिपल इन्फॉर्मेशन ऑफिसर ने साफतौर पर और लगातार कहा है कि आईआरसीटीसी के पास हलाल-सर्टिफाइड खाने की किसी पॉलिसी, उसकी मंजूरी की प्रक्रिया, या इस संबंध में यात्रियों से ली गई किसी साफ सहमति के बारे में कोई रिकॉर्ड या दस्तावेज मौजूद नहीं हैं। हालांकि, एनएचआरसी ने पाया कि रेलवे द्वारा सबमिट की गई रिपोर्ट अधूरी और पारदर्शिता की कमी वाली लगती है, खासकर क्योंकि यह यात्रियों की पसंद की आजादी को प्रभावित करती है, ये एक मौलिक अधिकार है जो व्यक्तियों को यह जानने की आजादी देता है कि वे क्या खा रहे हैं।

सीएम रेखा : 'दंगा आरोपियों की जमानत मांग से देश स्तब्ध, जेएनयू में आतंकवादियों का किया गया समर्थन'

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन जैसी घटनाओं से पूरा देश स्तब्ध है, जहां दंगा आरोपियों की जमानत की मांग की गई और आतंकवादियों का समर्थन किया गया। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि छात्रों ने अशोभनीय नारे लगाए और देश के खिलाफ बातें कीं। वहीं उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र में बहस, चर्चा, असहमति और यहां तक कि टकराव भी आवश्यक तत्व हैं। पांच जनवरी को, सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में कार्यकर्ता और पूर्व जेएनयू छात्र उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत से इनकार करने के बाद कुछ छात्रों ने कथित तौर पर जेएनयू परिसर के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ उकसाने वाले नारे लगाए थे।

बंगाल में चुनावी रणनीति को धार देगी कांग्रेस

17 जनवरी को बैठक; तैयारियों पर करेंगे मैराथन मंथन

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी है। टीएमसी और भाजपा के बाद अब कांग्रेस ने भी अपनी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। इसके लिए कांग्रेस ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। बंगाल को लेकर कांग्रेस 17 जनवरी को दिल्ली में अहम बैठक करने जा रही है, जिसमें कांग्रेस के बड़े नेता बंगाल के नेताओं के साथ विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप देने का काम करेंगे।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के बड़े नेता आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव की तैयारियों और रणनीति पर चर्चा करने के लिए 17 जनवरी को दिल्ली में पश्चिम बंगाल के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक भी 18 जनवरी को कोलकाता में होगी। खबरों के मुताबिक राज्य राजनीतिक कार्रवाई समिति के सदस्यों और चुनाव समिति के सदस्यों के साथ-साथ राज्य के लिए पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की अन्य बैठकें भी 18 जनवरी को कोलकाता में होंगी।

चुनावी गठबंधन पर होगी चर्चा

सूत्रों ने बताया कि 17 जनवरी की बैठक के दौरान चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा होने और उसे अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। कांग्रेस को यह भी तय करना है कि वह चुनावों के लिए किनके साथ गठबंधन करेगी। कांग्रेस ने सुदीप रॉय बर्मन, शकील अहमद खान और प्रकाश जोशी को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

कौन-कौन से नेता होंगे बैठक में होंगे शामिल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, एआईसीसी महासचिव संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल, एआईसीसी महासचिव पश्चिम बंगाल प्रभारी गुलाम अहमद मीर और पश्चिम बंगाल कांग्रेस कमेटी के प्रमुख शुभंकर सरकार सहित अन्य लोगों के 17 जनवरी की बैठक में भाग लेने की उम्मीद है। ये बैठकें पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन पर विवाद के बीच हो रही हैं, जिसकी टीएमसी और कांग्रेस जैसी पार्टियों ने कड़ी आलोचना की है।

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला

जय अनमोल अंबानी को शो कॉज नोटिस पर राहत नहीं, 10 दिन में जवाब देने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के बैंक खाते को धोखाधड़ी घोषित करने की प्रक्रिया से जुड़े मामले में टिप्पणी की है। कोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे और आरएचएफएल के निदेशक जय अनमोल अंबानी को जारी शो कॉज नोटिस पर तत्काल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वह 10 दिनों के भीतर बैंक के समक्ष अपना पक्ष रखे।

अदालत ने स्पष्ट किया कि बैंक द्वारा इस संबंध में लिया जाने वाला कोई भी परिणामी निर्णय इस मामले में हाईकोर्ट के आदेश के अधीन रहेगा। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि वह शो कॉज नोटिस पर रोक नहीं लगाएगा और याचिकाकर्ता को नोटिस के जवाब में अपनी दलीलें रखने का अवसर दिया जाएगा। साथ ही रिट याचिका को लंबित रखा जाएगा और आगे के आदेश पर नजर रखी जाएगी। अदालत में यह भी सहमति बनी कि जय अनमोल अंबानी आज से 10 दिनों के भीतर शो कॉज नोटिस का जवाब दाखिल करेंगे और 30 जनवरी को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित होंगे। इसके बाद बैंक याचिकाकर्ता या उसके अधिकृत प्रतिनिधि को सुनने के बाद एक कारण सहित आदेश पारित करेगा, जिसे अगली सुनवाई की तारीख पर अदालत में पेश किया जाएगा।

अर्की बाजार में भीषण अग्निकांड, तीन शवों को निकाला

छह लोगों के फंसे होने की आशंका

अर्की(सोलन), 12 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में भीषण आग लग गई। अर्की बाजार में देर रात लगी आग ने नेपाली मूल के एक परिवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुखद घटना मेंसुबह सात साल के एक बच्चे का शव बरामद किया गया। इसके बाद बचाव अभियान के दौरान दौरान बुरी तरह जल चुके दो और शव मिले, जिनकी पहचान करना मुश्किल है। जबकि छह अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। आग लगने का कारण नेपाली मूल के परिवार द्वारा जलती अंगीठी को घर के अंदर ले जाना बताया जा रहा है, जिसके बाद संभवतः छह से सात सिलिंडर फटने से आग ने भीषण रूप ले लिया।

बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों को दी जा रही सुरक्षा : अनुराग ठाकुर

सोलन, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की चुनावी मैनेजमेंट कंपनी आई-पैक के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को ममता सरकार पर निशाना साधा। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ममता बनर्जी ने बंगाल को ऐसी हालत में पहुंचा दिया है कि वहां बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों को सुरक्षा दी जा रही है। कुछ लोग बम बनाने में शामिल हैं, तो कुछ नकली करेंसी के साथ पकड़े जा रहे हैं। बंगाल को असुरक्षित बनाने और भ्रष्टाचार के नए मॉडल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। जब भ्रष्टाचार की जांच होती है, तो मुख्यमंत्री जांच में रुकावट डालने की कोशिश करती हैं। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस द्वारा वीबी जी राम जी बिल का विरोध करने पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस का सिर्फ एक ही एजेंडा है। यह दुनिया की एकमात्र पार्टी है जो गरीबों के विकास का विरोध करती है, गरीबों के लिए काम का विरोध करती है और यहां तक कि भगवान राम के नाम का भी विरोध करती है। मैं कांग्रेस से पूछता हूं कि क्या आपको दर्द होता है अगर गरीबों को जी राम जी योजना के तहत 100 दिन के बजाय 125 दिन का काम मिले, ज्यादा मजदूरी मिले, 15 दिन के बजाय सात दिन में पेमेंट मिले, देरी होने पर ब्याज के साथ मुआवजा मिले या काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता मिले?

स्थानीय पंचायत चुनाव के बारे में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, पंचायत में हुए काम दिखाते हैं कि विकास कैसे किया जा सकता है। एक ही पंचायत में पोस्ट ऑफिस, शहीदों का स्मारक और एक बड़ा खेल का मैदान बनाया गया है, जो एक मजबूत मिसाल है। हमारे सम्मानित सांसद सुरेश कश्यप ने इस पंचायत के लिए दिल खोलकर फंड दिया, जिसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। मैं कहना चाहूंगा कि जल शक्ति पंचायत चुनाव होने चाहिए, नए पंचायत प्रतिनिधि चुने जाने चाहिए और जी राम-जी जैसी योजनाओं के जरिए पंचायतों का विकास किया जाना चाहिए।

दीपम जज के खिलाफ लिखीं अपमानजनक बातें, मद्रास हाई कोर्ट का किताब पर बैन

पब्लिशर्स पर अवमानना एक्शन

चेन्नई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। मद्रासहाई कोर्ट ने एक तमिल पुस्तक के प्रकाशन, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। इस किताब में हाई कोर्ट के एक मौजूदा न्यायाधीश के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां थीं। न्यायालय ने इन टिप्पणियों को अत्यंत अपमानजनक और आपत्तिजनक बताया।

हाई कोर्ट ने प्रकाशन कंपनी कीझैकत्रु पब्लिशर्स के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए अवमानना की कार्यवाही भी शुरू की। यह पुस्तक 8 जनवरी से शुरू होने वाले चेन्नई पुस्तक मेले में विमोचन के लिए निर्धारित है। यह आदेश अधिवक्ता पी. नवीनप्रसाद की दायर याचिका पर पारित किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 13 जनवरी- 2026

बर्फ पिघलने की उम्मीद

अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को नई दिल्ली में पदभार संभालते ही कहा कि अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा जरूरी कोई देश नहीं है। गोर ने बताया कि दोनों देशों में ट्रेड डील को लेकर मंगलवार को फोन पर बात होने वाली है। यही नहीं उन्होंने ट्रम्प और मोदी की दोस्ती को असली बताया। साथ ही कहा कि सच्चे दोस्त असहमत होते हुए भी अंत में सारे मसले सुलझा लेते हैं। गोर के बयान के बाद दोनों देशों के संबंधों में जमी बर्फ के पिघलने की उम्मीद जगी है। इसके बावजूद यह कहने में कोई संकोच नहीं कि इस घटनाक्रम में अमेरिका जिस तरह से उतावलापन दिखा रहा है उससे उसकी नीति और नीयत पर शक होना लाजमी है। इसके पहले अमेरिका के वाणिज्य मंत्री ने कहा था कि प्रस्तावित व्यापार वार्ता इसलिए आगे नहीं बढ़ पा रही, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं किया। इस पर भारत ने स्थिति स्पष्ट किया था कि दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच पिछले वर्ष आठ अवसरों पर फोन पर बातचीत हुई है। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। ऐसे में यह मानना कठिन है कि अमेरिका व्यापार वार्ता में अपनी नाकामी का ठीकरा भारत पर फोड़कर दबाव की राजनीति की कोशिश कर रहा है। अमेरिका अपनी रणनीति के तहत भारत पर दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाने का प्रयास कर रहा है, ताकि व्यापार समझौता उसके अनुकूल आगे बढ़ सके। 13 फरवरी 2025 को व्हाइट हाउस में मोदी और ट्रंप की बैठक में द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर बात आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद दोनों के बीच इसी विषय पर कई दौर की चर्चा हो चुकी है, लेकिन अमेरिका परस्पर हितों की बजाय अपने हितों पर अधिक जोर देता दिख रहा है। जबकि भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं किया जाएगा। अमेरिका की ओर से भारत पर पचास प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा दबाव की रणनीति का ही हिस्सा थी, जिसने दोनों देशों के रिश्तों में कडवाहट घोल दी। फिर भी भारत का रुख लगातार स्पष्ट और संतुलित रहा है। वह परस्पर लाभ की नीति पर समझौते के लिए पूरी तरह कायम है। अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव बढ़ाने की रणनीति तब दिखा जब वे एक नए विधेयक के जरिए रूस से खरीदारी करने वाले भारत समेत अन्य देशों पर पचास प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव दे दिया। यदि इस विधेयक को संसद की मंजूरी मिलती है, तो जाहिर है इसका सीधा असर भारत पर पडेगा। इसे समझते हुए भारत पहले से ही अपनी जरूरतों के अनुसार वैकल्पिक बाजार तलाशने की दिशा में काफी हद तक सफलता हासिल कर ली है। बीते करीब पाँच महीनों में भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं और आगे भी ऐसे प्रयास जारी हैं, ताकि अमेरिकी हेकडी को ठीक से दुरुस्त किया जा सके। शुल्क और व्यापार के मुद्दों से इतर भारत–अमेरिका संबंध कई अन्य कारणों से भी तनावपूर्ण रहे हैं। इनमें पिछले वर्ष मई में ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत–पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त कराने का दावा और वाशिंगटन की नई आव्रजन नीति जैसे विषय शामिल हैं। इन सबके बीच यह साफ होता जा रहा है कि सहयोग की राजनीति के बजाय दबाव की रणनीति अपनाना दोनों देशों के दीर्घकालिक हित में नहीं है। स्थायी और संतुलित संबंधों के लिए आवश्यक है कि व्यापार वार्ताएं एकतरफा दबाव के सहारे चलने की बजाय परस्पर सम्मान, भरोसे और समान लाभ के आधार पर आगे बढ़े।

पाकिस्तान की राह पर जाता बांग्लादेश भारत के प्रति फैला रहा घृणा

राजेश श्रीवास्तव

एक तरफ जहां हम उत्तर प्रदेश में रहने के चलते अपने आप को सर्वोपरि महसूस करते हैं लेकिन जब पड़ोसी देश बांग्लादेश में अपने हिंदू समाज के लोगों की हत्या और उन पर हो रहे अत्याचार की खबरें रोज अखबारों की सुर्खियां बनते देखते हैं तो कलेजा मुंह को आने लगता है कि आखिर बांग्लादेश में हिंदू, ईसाई और बौद्ध समुदाय के लिए लगातार हिंसा गंभीर चिंता का विषय है तो भारत ने खुलकर प्रतिक्रिया क्यों नहीं व्यक्त की। हालांकि भारत ने इन घटनाओं पर खुलकर चिता जरूर जताई है लेकिन क्या हम लाचार हैं वहां के हिंदू युवकों की हत्या होते देखने के लिए । आखिर क्या कारण है कि वहां अल्पसंख्यक समाज खासकर हिंदू एक से बढ़कर एक वीभत्स अत्याचार और दुर्दांत मौत का शिकार हो रहा है। बांग्लादेश में हिदू आबादी करीब 7 प्रतिशत है। हाल के महीनों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिसा, आगजनी, जमीन कब्जे और हत्याओं की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। रिपोट्र्स के मुताबिक, अंतरिम सरकार के दौरान 2,900 से ज्यादा हिसक घटनाएं दर्ज की गई हैं। आखिर सच क्या है और आगे क्या हो सकता है? लगातार हो रही हत्याएं और हिसा यह संकेत दे रही हैं कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा एक बड़ा सवाल बन चुकी है। जांच के नतीजे क्या होंगे, यह तो समय बताएगा लेकिन फिलहाल डर और असुरक्षा का माहौल साफ नजर आ रहा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत भेजने से मना तो किया ही, आइपीएल प्रसारण पर भी रोक लगा दी। इसे कुल मिलाकर बात बिगाड़ने वाला रवैया ही कहा जाएगा। उसके ऐसे रवैये के कारण ही उन तत्वों का दुस्साहस बेलगाम है जो हिदुओं को निशाना बनाने के साथ भारत के खिलाफ आग उगलने में लगे हुए हैं। बांग्लादेश में हिदुओं की हत्या से यही स्पष्ट हो रहा है कि वहां चुन-चुनकर हिदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। हिदुओं की हत्याओं का सिलसिला कायम रहने के बाद भी वहां की अंतरिम सरकार न्यूनतम गंभीरता का परिचय देने से इन्कार कर रही है। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार हिदुओं की हत्याओं को या तो सांप्रदायिक हिसा मानने से इन्कार कर दे रही है या फिर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की खोखली बातें करके कर्तव्य की इतिश्री कर ले रही है। वह कुछ घटनाओं को आपसी रंजिश या दुर्घटना भी बता दे रही है। उसे यह आभास होना चाहिए कि अराजक माहौल आपसी रंजिश भुनाने का जरिया बनता है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि हिदुओं की हत्याओं के मामले तो सामने आ जाते हैं, लेकिन उनके घर जलाने, जमीन कब्जाने और उनकी महिलाओं से छेड़छाड़ करने की घटनाएं दबी ही रह जाती हैं।

बांग्लादेश में हिदुओं के खिलाफ माहौल कितना विषाक्त हो गया है, इसे इससे समझा जा सकता है कि वहां हिदू अधिकारियों-कर्मचारियों को लांछित किया जा रहा है और हिदू नेताओं को चुनाव में भाग लेने से रोकने की भी कोशिश की जा रही है। यह सब इसीलिए हो रहा है, क्योंकि वे कट्टरपंथी ताकतें अंतरिम सरकार के संरक्षण में हैं, जो भारत विरोध के लिए जानी जाती हैं। हिदुओं को प्रताड़ित करने के लिए वहां उनके और भारत के खिलाफ सुनियोजित अफवाहें भी फैलाई जा रही हैं। यह एक अफवाह ही थी कि छात्र नेता उस्मान हादी को गोली मारने वाला भारत भाग गया है। बांग्लादेश सरकार ने सब कुछ जानते हुए भी इस झूठ पर लगाम लगाने की कोशिश नहीं की। उसकी पोल तब खुली जब उस्मान हादी के हत्यारोपित के दुबई में होने की सूचना आई।

राजनीति की दिशा भी बतायेगा चुनावी साल 2026

राज कुमार सिंह

नये साल के शुरू में ही पश्चिम बंगाल में राजनीतिक रार बता रही है कि साल 2026 भारतीय राजनीति की दिशा तय करनेवाला साबित होगा। इस साल चार राज्योंः पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल तथा केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी में विधानसभा चुनाव हैं। इन राज्यों की सत्ता में बदलाव राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य पर भी असर डालेगा, क्योंकि विधानसभाओं के गणित से संसद के उच्च सदन राज्यसभा में संख्या बल प्रभावित होगा। इसी साल राज्यसभा की 75 सीटों के लिए भी चुनाव होने हैं। साल की शुरूआत देश की सबसे अमीर महानगर पालिका मुंबई यानि बीएमसी समेत महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों से है। बीएमसी चुनाव ने 20 साल बाद ठाकरे बंधुओंः उद्धव और राज को साथ आने पर मजबूर कर दिया। सत्तापक्ष और विपक्ष में पल-पल बदलते रिश्तों के अंदाज में बदलते समीकरण चुनाव परिणामों के बाद भी गुल खिलायेंगे। महत्वपूर्ण तो हर राज्य की सत्ता होती है, पर देश की निगाहें फिलहाल पश्चिम बंगाल पर टिकी हैं। 11 साल से केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और डेढ़ दशक से बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक कटुता चरम पर है। घुसपैठ, एसआईआर और भ्रष्टाचार पर तो तकरार बरकरार है ही, आईपैक के चेयरमैन के दफ्तर पर ईडी के छापे और उसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वहां पहुंच कर कुछ दस्तावेज ले आने के बाद बंगाल की सत्ता का संघर्ष चुनाव से पहले ही सड़कों पर नजर आ रहा है। ममता इसे केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति पर ईडी का डाका बता रही हैं तो केंद्र सरकार और भाजपा इसे सरकारी एजेंसी के कामकाज में अवरोध डालने का गंभीर मामला बता रहे हैं।

तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी की अतीत में कांग्रेस और भाजपा, दोनों से राजनीतिक दोस्ती रही, पर तब बंगाल में वाम मोर्चा का शासन था। तीन दशक से भी पुरानी वाम मोर्चा सरकार को अकेलेदम उखाड़ फेंकने के बाद ममता 'एकला चलो' की राह पर हैं। राजनीतिक विरोधाभाव की पराकाष्ठा यह कि बंगाल में कांग्रेस और वाम मोर्चा गठबंधन कर तृणमूल के विरुद्ध चुनाव लड़ते हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' में तीनों साथ-साथ हैं। पिछले चुनावी आंकड़े बताते हैं कि कांग्रेस और वाम मोर्चा अब बंगाल की राजनीति में हाशिये पर हैं। सत्ता की लड़ाई तृणमूल और भाजपा के बीच है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि बढ़त की ओर अग्रसर भाजपा क्या इस बार तृणमूल का सत्ता- दुर्ग भेद पायेगी? पिछले चुनाव में खुद ममता को हरा कर भाजपा सनसनी फैलाने में तो सफल रही, लेकिन 294 सदस्यीय विधानसभा में 77 सीटों तक ही पहुंच पायी। तृणमूल 215 सीटें जीत गयी। तृणमूल को 48 और भाजपा को 38 प्रतिशत मत मिले थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह फासला बढ़ गया।

यही फासला तय करना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है, क्योंकि उसके पास पूरे बंगाल में स्वीकार्य चेहरा भी नहीं है। उसकी सारी उम्मीदें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे और गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति पर टिकी हैं। तीन कार्यकाल के बाद सत्ता विरोधी भावना स्वाभाविक है, पर ममता के 'बांग्ला अस्मिता' के मुद्दे की काट भाजपा नहीं कर पा रही। एसआईआर और घुसपैठिया विवाद के बीच अगर भाजपा बंगाल में महाराष्ट्र और बिहार की पुनरावृत्ति कर पायी तो उसका राष्ट्रीय राजनीति पर भी दूरगामी असर होगा।

दूसरा बड़ा और मुश्किल राज्य तमिलनाडु है। वहां द्रमुक की सरकार है, जो 'इंडिया' का घटक दल है। दशकों से तमिल राजनीति द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच बंटी रही, लेकिन जयललिता के निधन के बाद परिदृश्य बदला है। अन्नाद्रमुक और अभिनेता विजय के इर्दगिर्द भाजपा चुनावी बिसात बिछाना चाहती है, पर किसी चमत्कार की खुशफहमी उसे भी नहीं है। उत्तर भारत में भाजपा की लहर चलानेवाले मुद्दे दक्षिण में अभी तक तो नहीं चले। एमके स्टालिन सरकार के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना के अलावा वंशवाद, भ्रष्टाचार और हिंदी विरोध सरीखे मुद्दे भी हैं, पर उनका चुनावी लाभ उठाने के लिए विश्वसनीय विकल्प भी चाहिए।

भाजपा की रणनीति फिलहाल गठबंधन के जरिये मत प्रतिशत बढ़ाने की ज्यादा लगती है। पिछले लोकसभा चुनाव में अभिनेता सुरेश गोपी के सांसद बनने और हाल में तिरुवनंतपुरम में अपना मेयर बनाने के करिश्मे के बावजूद भाजपा केरल में हाशिये पर ही है। ध्यान रहे कि तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर इन दिनों प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा के चलते अपनी पार्टी में ही निशाने पर हैं। सत्ता राजनीति वाम मोर्चा 'एलडीएफ' और कांग्रेसी मोर्चा 'यूडीएफ' के बीच बंटी है। हर चुनाव में सरकार बदल जाने का सिलसिला पिछली बार वामपंथी मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने तोड़ दिया। इस बार उनके विरुद्ध ज्यादा सत्ता विरोधी भावना की उम्मीद है, पर उसका चुनावी लाभ कांग्रेस को ही मिल सकता है। इसलिए वहां 'इंडिया' की सत्ता ही बरकरार रहेगी, लेकिन अपने अंतिम दुर्ग की सत्ता से विदाई वाम राजनीति के लिए बड़ा झटका साबित होगी।

असम पूर्वोत्तर भारत की राजनीति का प्रवेश द्वार माना जाता है। वहां की सत्ता कब्जाने के बाद ही भाजपा का पूर्वोत्तर में विस्तार हुआ, जिसका श्रेय पूर्व कांग्रेसी हिमंता बिस्वा सरमा को जाता है। असम में अपने दूसरे सत्ताकाल में भाजपा ने हिमंता को मुख्यमंत्री पद सौंपा। बंगाल की तरह असम में भी घुसपैठ बड़ा चुनावी मुद्दा है, जिस पर आक्रामकता के साथ कांग्रेस को भाजपा घेरती रही है।

कांग्रेस की सारी उम्मीदें वहां गौरव गोगोई के नेतृत्व तथा क्षेत्रीय दलों से तालमेल पर टिकी हैं। केंद्रशासित क्षेत्र पुदुचेरी की राजनीति अकसर तमिलनाडु की राह चलती रही है, लेकिन 2021 से वहां भाजपा समर्थित एन रंगासामी सरकार है। 30 सदस्यीय पुदुचेरी विधानसभा में 10 सीटें जीतनेवाली ऑल इंडिया एन आर कांग्रेस ने छह सीटें जीतनेवाली भाजपा के साथ मिल कर सरकार बनायी। 13 सीटों पर लड़नेवाले द्रमुक ने छह सीटें जीती थीं, लेकिन 14 सीटों पर लड़ी कांग्रेस मात्र दो सीटें ही जीत पायी। अगर कांग्रेस और द्रमुक सत्ताविरोधी भावना का लाभ उठाते हुए आगामी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो भाजपा को दक्षिण भारत में अपना एकमात्र शेष सत्ता दुर्ग भी गवांना पड़ सकता है। ये विधानसभा चुनाव परिणाम भाजपा की भावी चुनावी तैयारियों पर भी असर डालेंगे, लेकिन 'इंडिया' का तो भविष्य ही एकता और सफलता पर निर्भर करेगा। इस साल चुनावी चक्रव्यूह को भेदनेवाले को निश्चय ही भविष्य के लिए मनोवैज्ञानिक बढ़त मिल जायेगी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील लटकने से क्या बढ़ा टेंशन ?

अशोक भाटिया

भारत-अमेरिका व्यापार डील में देरी को लेकर टेंशन बढ़ी है। बढ़ती चिंताओं के बीच आरबीआई मौद्रिक नीति समिति की पूर्व सदस्य और अर्थशास्त्री आशिमा गोयल ने एक बड़ी बात कह दी है। उन्होंने इस विचार को खारिज कर दिया है कि भारत की आर्थिक तरक्की सिर्फ वाशिंगटन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि आज के समय में उभरते बाजार और दूसरे देशों के साथ साझेदारी कहीं ज्यादा मायने रखती है। गोयल ने बताया कि अमेरिका पर इतना ज्यादा ध्यान देना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने यह बात आरबीआई की ब्याज दरें तय करने वाली समिति में रहते हुए भी महसूस की थी। जब वह बाजारों से बातचीत करती थीं तो उन्हें अमेरिका पर एक हद से ज्यादा जोर दिखाई देता था। शायद इसकी एक वजह यह भी है कि अमेरिका से जुड़ी जानकारी बहुत ज्यादा आती है। वहां से काफी विदेशी निवेश (एफडीआई) भी आता है।

गोयल ने यह भी कहा कि कैपिटल फ्लो और एक्सचेंज रेट्स जैसे संवेदनशील मामलों में भी भारत के पास अक्सर जितनी स्वतंत्रता मानी जाती है, उससे कहीं ज्यादा रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विनिमय दर के मामले में क्योंकि भारत में कैपिटल अकाउंट कनवर्टिबिलिटी का एक क्रम है। इसलिए ब्याज दर के प्रति संवेदनशील प्रवाह यानी वे पैसे जो ब्याज दरों में बदलाव के प्रति तेजी से प्रतिक्रिया करते हैं, उतने बड़े नहीं हैं। इस वजह से भारत अमेरिका से काफी हद तक स्वतंत्र होकर अपनी ब्याज दरों को तय कर पाता था।

इसके साथ ही हमारे विदेश मंत्रालय ने भी अमेरिकी विदेश मंत्री हॉवर्ड लुटनिक की टिप्पणियों का जवाब दिया, भले ही यह संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ था, भले ही इसका मतलब यह हो कि हम कुछ हद तक संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ थे। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर टिप्पणी करते हुए लुटनिक ने कहा कि यह सौदा इसलिए अटक गया क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया। इसका मतलब है कि वे अभी गिरे थे। लेकिन वे इसलिए नहीं गिरे क्योंकि मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प का सम्मान नहीं किया; उन्होंने जाति नहीं कहा! लुटनिक के अनुसार, भारत लगभग तीन सप्ताह बाद उठा और फिर राष्ट्रपति के साथ एक सौदा करने के लिए संपर्क किया गया। लुटनिक ने कहा कि अमेरिका ने भारतीयों से कहा कि ट्रेन के स्टेशन से रवाना होने के बाद आप आए। भारत ने इस पर आपत्ति जताई है और पिछले एक साल में ट्रंप और मोदी के बीच हुए फोन कॉल की संख्या का ब्योरा जारी किया है। चूंकि यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि लुटनिक का कथन कितना सही है या गलत, और यह कोशिश करने लायक भी नहीं है, तथ्य-आधारित जानकारी के आधार पर इस बिंदु के अलावा अन्य मामलों पर टिप्पणी करना बुद्धिमानी है।

पहला, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अभी भी कोई व्यापार नहीं है; जी हां, पिछले साल वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कई अन्य लोगों ने कहा था कि दोनों देशों के बीच समझौता किसी भी समय होने के लिए तैयार है। उससे पहले और बाद में गोयल और अन्य वरिष्ठ नेता अमेरिका गए और यहां आए, लेकिन तथ्य यह है कि समझौता नहीं हुआ, यानी अंतिम समय में कुछ मक्खी छींक रही थी और समझौता लंबा खिंच गया था। यह गलत नहीं है, क्योंकि कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि बार-बार घोषणाओं के बावजूद समझौता अभी तक नहीं हुआ है तथ्य यह है कि यह समझौता भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी अनुपस्थिति ने सूरत से लेकर तिरुपुर तक कई उद्योगों के लिए समस्याएं पैदा कर दी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत आयात शुल्क ने भारतीय उत्पादों को अनावश्यक रूप से महंगा और वहां के उपभोक्ताओं के लिए अनाकर्षक बना दिया है।

अगर यह सच है कि अमेरिका-भारत समझौता इसलिए अधर में नहीं लटका है क्योंकि मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया तो हमें यह भी स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि यह डील अभी तक क्यों नहीं हुई है। यह अब होने वाला है ... हमारे कई प्रमुख नेताओं ने कई बार इस समझौते के बारे में ऐसी अच्छी खबर दी है। वे सफल क्यों नहीं हुए? यही है, यह कारण नहीं हो सकता है कि प्रधान मंत्री का आह्वान नहीं हुआ, जैसा कि श्री लुटनिक ने कहा, लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि दूसरा कारण क्या है, जब तक कि कोई वैकल्पिक कारण नहीं मिल जाता। तब तक, उन कारणों पर विश्वास करने का खतरा है जो सामने आए हैं। दुर्भाग्य से, संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस कारण को सामने लाने का काम किया है। पिछले हफ्ते की शुरुआत में, ट्रम्प ने खुद अपने प्रधान मंत्री के नाम का उल्लेख किया और एक बयान दिया कि उन्होंने मुझसे बात करने के लिए कितने अनुरोध किए। दुर्भाग्य से, हम उस समय चुप थे। क्या श्री लुटनिक के पास ऐसी बात कहने का दुस्साहस होगा यदि भारत ने यह स्पष्ट कर दिया होता कि प्रधान मंत्री ने राष्ट्रपति से कोई अनुरोध नहीं किया था और नहीं किया जाएगा? उनकी भीड़ कुचल दी गई। क्योंकि एक बार संभाले जाने वाले तत्व की उंगलियों को दिखाने के बाद, दूसरा तत्व एक और कदम आगे बढ़ाएगा। ऐसा होना स्वाभाविक है।

अमेरिका यही कर रहा है, अगर उस देश का नेतृत्व सोचता है कि वह एक और कदम पीछे ले जाएगा, तो उसके पीछे का कारण समझना जरूरी है। अगले महीने 12 फरवरी को एक साल ऐसा होगा जब प्रधानमंत्री नए ट्रेड वॉर की शुरुआत के बाद सम्राट ट्रम्प के दरबार में पेश हुए। इस साल बहुत कुछ हुआ और पहलगाम आतंकी हमले से बहुत धुआं निकलने लगा। ट्रंप ने कम से कम 30 बार ऐसा किया है। आपने कब इतनी मजबूती से इसका बचाव किया?क्या हमने ट्रम्प को गलत, अक्षम, अवास्तविक, अतिरंजित के रूप में चित्रित करने की कोशिश की? यदि हां, तो कब? ऐसा कितनी बार हुआ है कि ट्रंप ने (उनकी राय में) झूठ बोला है और भारत सच गुनगुना रहा है (वह भी हमारी अपनी राय में)? यह कैसे हुआ है कि जिन लोगों ने समान रूप से थप्पड़ 'कार' के साथ सामान्य 'अरे' का जवाब दिया है, उन्होंने ट्रम्प को अपने सिर पर थोड़ा ज्यादा बैठने की अनुमति दी है? ट्रम्प ने इसे सहन किया; अब उनके षड्यंत्रकारी हमारे खिलाफ बोलने लगे। जो हुआ वह गलत है, यह समय हमसे सामना करने का है कि क्या हमारे लिए ऐसा करने का समय आ गया है। इस प्रश्न का उत्तर तब आएगा जब आप यह दिखाने की कोशिश करेंगे कि ऐसे लोग हैं जो आपके करीब नहीं हैं, जो मूल रूप से सौहार्दपूर्ण नहीं हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रधान मंत्री के लिए यह धारणा बनाने का कोई कारण नहीं है कि वे करीबी दोस्त हैं, तब भी जब बराक ओबामा डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य थे यह दृश्य चला गया है। उन्होंने अपने परिष्कार और व्यावहारिक ज्ञान के कारण इसे सहन किया। अगर कोई आपको दोस्त मानता है, तो उन्हें रहने दें ... हमारा क्या होता है? उसे परेशान क्यों करें? ओबामा ने ऐसी चतुराई और परिष्कार दिखाया जो यह नहीं बनाता है कि अब क्या हो रहा है, लेकिन दुर्भाग्य से हमारे लिए, ट्रम्प नहीं हैं। उन्हें कूटनीति की तुलना में उच्च स्तर का नस्लवाद दिखाने में कोई हिचक नहीं है, जिसमें आत्म-जुनूनी व्यक्ति सत्ता में आने पर सिस्टम से बड़ा होना चाहते हैं।

काशी के कोर्ट पर उगा पूर्वांचल के युवाओं का भविष्य

सुरेश गांधी

काशी की पहचान सहस्राब्दियों पुरानी है, यहाँ ज्ञान बहता है, संस्कार फलते हैं। पर खेल? लंबे समय तक खेल को यहाँ प्रतिभा तो मिली, मंच नहीं। गलियों में खेलते बच्चे थे, सपने थे, पर संसाधन सीमित। 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप ने इस ऐतिहासिक असंतुलन को तोड़ा। राष्ट्रीय मंच काशी आया, और काशी ने उसे भव्य अनुशासन, अतिथि-सत्कार और खेल-संस्कृति के साथ अपनाया। डॉ संपूर्णानंद स्टेडियम, सिगरा वाराणसी के फुल-हाउस फाइनल, तालियों की गड़गड़ाहट, और आठ दिनों तक चले सौ से अधिक मुकाबले, इन सबने यह प्रमाणित किया कि पूर्वांचल में खेल का दर्शक, संस्कार और संवेदना, तीनों मौजूद हैं। यह सिर्फ आयोजन नहीं, आत्म-स्वीकृति थी, कि हम तैयार हैं।

प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में यह आयोजन प्रतीकात्मक नहीं, नीतिगत है। जब शीर्ष नेतृत्व किसी क्षेत्र में खेल को प्राथमिकता देता है, तो संदेश स्पष्ट होता है, युवा ही भविष्य हैं। वर्चुअल उद्घाटन से लेकर मुख्यमंत्री की भौतिक उपस्थिति तक, शासन-प्रशासन की सक्रिय भागीदारी ने यह बताया कि खेल अब हाशिए पर नहीं, मुख्यधारा की नीति है। इस आयोजन ने काशी मॉडल प्रस्तुत किया, जहाँ नगर निगम, राज्य संघ, प्रशासन, स्वयंसेवक और समाज एक साथ खड़े दिखे। होटल, परिवहन, भोजन, चिकित्सा, सुरक्षा, हर स्तर पर व्यावसायिकता और संवेदनशीलता का संतुलन दिखा। यही वह मॉडल है जिसे पूर्वांचल के अन्य जिलों मिर्ज़ापुर, भदोही, जौनपुर, चंदौली, आज़मगढ़ में दोहराया जा सकता है।

खासकर किसी भी राष्ट्रीय आयोजन का सबसे बड़ा लाभ स्थानीय युवाओं को मिलता है। जब देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सामने खेलते हैं, तो सपने यथार्थ बनते हैं। इस चैंपियनशिप ने यूपी और पूर्वांचल के खिलाड़ियों को यह एहसास कराया कि राष्ट्रीय स्तर दूर नहीं, बस तैयारी चाहिए। कोचिंग, स्काउटिंग, चयनकर्ता, रेफरी, सब एक ही छत के नीचे। यह दृश्य युवा खिलाड़ियों के लिए जीवंत कक्षा था। तकनीक, रणनीति, फिटनेस, मानसिक मजबूतीकृसब कुछ सीखने को मिला। खेल का यह प्रत्यक्ष पाठ किसी पाठ्यक्रम से बड़ा होता है। खेल आयोजन केवल पदक नहीं, अर्थव्यवस्था भी गढ़ते हैं। होटल बुकिंग, परिवहन, स्थानीय व्यवसाय, पर्यटन, सबको गति मिली। गंगा दर्शन, क्रूज, सांस्कृतिक अनुभव, मेहमान खिलाड़ियों ने काशी को खेल-पर्यटन के नक्शे पर देखा। यह वह बिंदु है जहाँ आस्था और अर्थ एक-दूसरे के पूरक बनते हैं। महिला वर्ग का रोमांचक फाइनल, केरल बनाम रेलवे, सिर्फ खेल नहीं, सामाजिक संदेश था। अनुशासन, आक्रामकता और रणनीति के साथ खेलती महिलाएँ यह बताती हैं कि समान अवसर मिलें तो परिणाम असाधारण होते हैं। पूर्वांचल की बेटियों के लिए यह दृश्य प्रेरणा का दीप है कि मैदान भी उनका है, मंच भी। पुरुष वर्ग में रेलवे की संगठित रफ्तार और महिला वर्ग में केरल की सामूहिक जिद, दोनों ने उत्कृष्टता के मानक स्थापित किए। यह संदेश यूपी के खेल तंत्र के लिए स्पष्ट है, प्रतिभा के साथ संरचना जरूरी है। अकादमी, नियमित प्रतियोगिताएँ, खेल विज्ञान, इन पर निवेश ही अगली छलांग है।

सिगरा स्टेडियम का अनुभव बताता है कि सुविधा प्रेरणा बनती है। अच्छी लाइटिंग, फ्लोर, दर्शक व्यवस्था, इनसे खिलाड़ी बेहतर खेलते हैं और दर्शक जुड़ते हैं। अब आवश्यकता है कि जिला स्तर पर मिनी इंडोर हॉल, ब्लॉक स्तर पर खेल मैदान, और विद्यालयों में प्रशिक्षित कोच उपलब्ध हों। काशी ने रास्ता दिखाया है, अब प्रदेश को गति देनी है। इस आयोजन की सफलता का रहस्य सामूहिकता है। स्वयंसेवकों की ऊर्जा, अधिकारियों की तत्परता, जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी, सबने मिलकर यह सिद्ध किया कि जब उद्देश्य स्पष्ट हो, तो परिणाम भव्य होते हैं। यह गवर्नेंस का खेल मॉडल हैकृजहाँ समन्वय जीतता है। वार्षिक राष्ट्रीय/अंतरराज्यीय कैलेंडर, काशी को नियमित खेल गंतव्य बनाना। खेल अकादमी नेटवर्क, वॉलीबॉल के साथ एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिंटन।स्कॉलरशिप और स्पोट्र्स जॉब लिंक, युवाओं को करियर सुरक्षा। महिला खेल विशेष पैकेज, कोचिंग, पोषण, मानसिक प्रशिक्षण। खेल-पर्यटन ब्रांडिंगकृकाशी स्पोट्र्स वीक/फेस्टिवल। मतलब साफ है 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप ने यह सिद्ध कर दिया कि काशी केवल अतीत नहीं, भविष्य भी है। यह आयोजन स्मैश और ब्लॉक से आगे जाकर स्वप्न और संकल्प का उत्सव बना। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र से उठी यह खेल-चेतना यदि निरंतरता पाए, तो वह दिन दूर नहीं जब पूर्वांचल के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर परचम लहराएँगे। काशी ने पहली मेजबानी में इतिहास रचा है। अब समय है कि इस इतिहास को परंपरा बनाया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ कह सकें : "यहाँ मंत्र भी गूंजते हैं और मेडल भी।"काशी की मिट्टी ने सदियों से संत, शास्त्र और संस्कृति को जन्म दिया है, लेकिन इस बार इसी धरती ने सपनों को उड़ान दी। सिगरा स्टेडियम के इंडोर कोर्ट से उठती स्मैश की गूंज ने यह साफ कर दिया कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में अब केवल विरासत ही नहीं, भविष्य भी आकार ले रहा है।

क्या हूं मैं? हूं कहां का?

डॉ टी महादेव राव

गंगा मेरी मां का नाम। बाप का नाम हिमाला। अब तुम खुद ही फैसला कर लो मैं किस सूबे वाला। तुमसे अच्छा कौन है फिल्म का यह गाना हम सबने अपने बचपन में जरूर सुनी है। आजकल कमोबेश यही हो रहा है। पूरे भारत को जरूर हमने कई प्रांतों और भाषाओं में बांटा जरूर है और अपनी अपनी सीमाएं और अपना संकीर्ण मानसिकता लिए विविध मनोविकारों के साथ जी रहे हैं, प्रदूषित जीवन रस पी रहे हैं।

स्तर हमारा दिनोदिन गिरता जा रहा है। पहले भी राजनीति में सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे को गालियां देते थे, लेकिन सौम्य और शालीन भाषा में। फिर उसमें विकास हुआ। पशु पक्षियों के नाम पर एक दूसरे को गरियाने लगे। तू उल्लू है, वो गधा है, ये भैंस है वो कुत्ता है जैसे शब्द जाल से घिरा रहता था गालियों का संसार। फिर हम और आगे बढ़े। व्यक्तिगत कमज़ोरियां, स्वार्थ, करतूतों पर गालियों को बुना जाने लगा। यह सिलसिला अब पाताल की ओर जाता हुआ मां, बहन, भाई, बेटा, बेटी पर गंदगी का पर्याय बनता जा रहा है। पहले हम खुद विपक्ष को गंदी गंदी गलियों से गौरवान्वित किए और भूल गए। अब जब उनकी बारी आई गरियाने की मां के नाम पर तो तिलमिलाहट से दुखी होने का कोरा अभिनय लिए हुए मतदाताओं से वोट बटोरने, विपक्ष के गलियों का भी इस्तेमाल करने लगे।

एक प्रश्न मेरे छोटे से दिमाग में कुलबुला रहा है। बड़े भैया ने एक चुनावी सभा में कहा तुम ने मेरी मां को गाली दी है जो अब इस दुनियां में नहीं है। मेरी मां का अपमान यानी पूरे बिहार का अपमान है।

सवाल यह उठता है कि बड़े भैया तो पूरे भारत के हैं। अगर अपमान होता है तो पूरे भारत का अपमान होगा। अगर ऐसा नहीं है तो वे गुजरात के निवासी हैं, गुजरात का अपमान होगा। और दूसरी दृष्टि यह हो सकती है कि काशी बनारस से वे सांसद है। अगर वे अपमानित हुए तो सारी काशी या और आगे बढ़ें तो।पूरे उत्तर प्रदेश का अपमान होगा लेकिन यह बिहार के अपमान होने का कोई भी तर्क मेरे दिल दिमाग के आकाश में दूर दूर तक नहीं लगता।

अब पुल प्लावित राज्य के मुख्यमंत्री को अपना जिगरी ही मान सकते हैं, वह बड़े भैया का सगा भाई हो ही नहीं सकता ताकि कहा जा सके कि हमारी मां के अपमान के कारण बिहार अपमानित हुआ। मेरा तो मानना है बिहार का अपमान कहकर वे अपनी करतूतों पर पर्दा डाल रहे हैं। विषय को विपरीत दिशा में मोड रहे हैं। वोट चोरी के इल्जाम पर लोग नजर न रखें इसलिए नए शगूफे छोड़ रहे हैं।

मुझे लगता है कि हम लोगों के खुश होने का वक्त आ गया। पूरे विश्व में सबसे बड़े भैया को मात देकर गृहमंत्री से चाणक्य का तमगा छीनकर बड़े भैया अपने अभिनय का ऑस्कर और नोबल का शांति पुरस्कार एक साथ प्राप्त करने के लिए नित्य प्रयासरत हैं। इससे दो बातें होंगी अमेरिका को ठेंगा दिखाकर नोबल शांति पुरस्कार पाना, अपनी सत्ता के लिए वोट पाने हेतु जो बिहार में अभिनय के अनंत आकाश के प्रदर्शन के लिए उन्हें उनका लिखा ₹नया इतिहास₹ हमेशा याद रखेगा।

लोहड़ी की आग में क्या-क्या डालना है जरूरी ?

कौन थे दुल्ला भट्टी ?

लोहड़ी का पावन पर्व दुल्ला भट्टी की कहानी सुने बिना अधूरा माना जाता है क्योंकि इनका इस पर्व से खास नाता है। दुल्ला भट्टी जिन्हें पंजाब का लोकनायक माना जाता है वो मुगल बादशाह अकबर के समय में एक वीर और न्यायप्रिय योद्धा थे। जिन्होंने मुगलों के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्हें 'पंजाब पुत्र' और 'उपकारी डाकू' के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि वे अमीरों से धन लेकर गरीबों में बांटते थे और महिलाओं की रक्षा करते थे। लोहड़ी पर्व के दौरान उन्हें याद किए जाने के पीछे एक दिलचस्प कहानी है।

लोहड़ी एक बेहद ही खूबसूरत पर्व है जो मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली में मनाया जाता है। ये त्योहार सर्दियों के अंत, नई फसल के आने की खुशी और सूर्य के उत्तरायण होने की शुरुआत के रूप में देखा जाता है। इस दिन लोग आग जलाकर अग्नि देव की पूजा करते हैं और इस पवित्र अग्नि में कई तरह की खास चीजें अर्पित करते हैं। यहां हम आपको बताएंगे लोहड़ी की अग्नि में क्या-क्या चीजें जरूर डालनी चाहिए और इसका महत्व क्या है।

लोहड़ी की आग में क्या-क्या चीजें डाली जाती हैं?

1. तिल – लोहड़ी की आग में तिल जरूर डाला जाता है। तिल को शुद्धता और शुभता का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि लोहड़ी की अग्नि में तिल डालने से अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। तो वहीं सर्दियों में तिल का सेवन शरीर को कई चमत्कारी लाभ पहुंचाता है। आप काले तिल, सफेद तिल या तिल से बनी गजक या लड्डू भी लोहड़ी की आग में डाल सकते हैं।

2. गुड़ – ज्योतिष अनुसार गुड़ मिठास, खुशहाली और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में लोहड़ी की आग में गुड़ डालने से रिश्तों में मधुरता बनी रहती है। आयुर्वेद के अनुसार गुड़ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। आप लोहड़ी की अग्नि में तिल और गुड़ की गजक या मूंगफली और गुड़ी की गजक डाल सकते हैं।

3. मूंगफली – लोहड़ी की अग्नि में मूंगफली जरूर डाली जाती है। मान्यता है कि इससे अन्नपूर्णा माता की विशेष कृपा प्राप्त होती है। मूंगफली प्रोटीन से भरपूर होती है और सर्दियों में शरीर को आवश्यक ऊर्जा प्रदान करती है। ऐसे में लोहड़ी की अग्नि के पास बैठकर मूंगफली खाने से शरीर को ढेर सारे लाभ मिलते हैं।

4. रेवड़ी – तिल और गुड़ से तैयार रेवड़ी लोहड़ी का प्रमुख व्यंजन है। कहते हैं इसे लोहड़ी की आग में अर्पित करने से रिश्तों में प्रेम और विश्वास बना रहता है और घर-परिवार को किसी की बुरी नजर नहीं लगती।

5. पॉपकॉर्न – लोहड़ी की अग्नि में पॉपकॉर्न भी जरूर अर्पित किया जाता है। कहते हैं ये चीज प्रकृति के प्रति कृतज्ञता जताने का प्रतीक है। कहते हैं लोहड़ी की आग में पॉपकॉर्न डालने से आर्थिक स्थिति बढ़िया होती है।

लोहड़ी की आग में और क्या-क्या चीजें डाली जा सकती हैं? तिल, मूंगफली, रेवड़ी, पॉपकॉर्न और गुड़ के अलावा लोहड़ी की अग्नि में खील, गन्ने के छोटे टुकड़े, नारियल, घी, जौ, गजक, चावल, चने, गेहूं, मूली के सूखे पत्ते, सूखा मेवा, बताशे, मखाने, शकरकंद, हल्दी और इलायची आदि चीजें भी अर्पित की जा सकती हैं। इससे जीवन में खुशियों का स्थायी वास होगा।

दुल्ला भट्टी और सुंदरी-मुंदरी की कहानी

लोहड़ी की कथा अनुसार, एक गांव में सुंदरदास नाम का एक गरीब किसान रहता था जिसकी सुंदरी और मुंदरी नाम की दो बेटियां थीं। ये दोनों लड़कियां मुगल सरदारों के अत्याचारों का शिकार बनने वाली थीं। गांव का नम्बरदार लड़कियों के पिता सुंदर दास को मजबूर कर रहा था कि वह अपनी बेटियों की शादी उससे कर दे। सुंदर दास ने ये बात जाकर दुल्ला भट्टी को बता दी। दुल्ला भट्टी ने नम्बरदार को सबक सिखाने के लिए उसके खेत जला दिए और इसके बाद उन्होंने सुंदरी-मुंदरी की शादी वहीं करवाई, जहां उनके पिता सुंदर दास कराना चाहते थे। जब लड़कियों की विदाई करने की बात आई तो उस समय दुल्ला भट्टी के पास कुछ नहीं था। ऐसे में उसने एक सेर शक्कर देकर दोनों को विदा कर दिया। लोहड़ी पर्व पर आज भी दुल्ला भट्टी की वीरता से जुड़ी इस कहानी को जरूर याद किया जाता है, खासकर 'सुंदर मुंदरिये' लोकगीत के माध्यम से।

सुंदर, मुंदरिये हो, तेरा कौन विचारा हो, दुल्ला भट्टी वाला हो, दुल्ले धी व्याही हो, सेर शक्कर पाई हो।

लोहड़ी से जुड़ी एक अन्य कथा के अनुसार लोहड़ी होलिका की बहन थी जो अच्छी प्रवृत्ति की थी। इसलिए हर साल लोहड़ी के दिन इनकी पूजा होती है। वहीं कुछ लोग ऐसा भी मानते हैं कि लोहड़ी की आग राजा दक्ष की पुत्री सती की याद दिलाती है जो अग्नि में जलकर भस्म हो गई थीं।

मेहनत के बाद भी नहीं मिल रहा फल?

7 शनिवार कर लें सूखा नारियल और काले तिल का खास उपाय

सूखा नारियल क्यों माना जाता है खास

नारियल को हमारे यहां हमेशा से पवित्र माना गया है। पूजा-पाठ से लेकर शुभ कामों तक इसका इस्तेमाल होता है। सूखा नारियल खास इसलिए माना जाता है क्योंकि यह लंबे समय तक खराब नहीं होता और स्थिरता का संकेत देता है। जब जीवन में चीजें बार-बार बिगड़ रही हों, तो सूखा नारियल उस अस्थिरता को बाहर निकालने का प्रतीक बनता है।

ध्यान रखने वाली बात यह है कि यहां पानी वाला नारियल नहीं, बल्कि पूरा सूखा नारियल लिया जाता है। पानी वाला नारियल भावनाओं और इच्छाओं से जुड़ा माना जाता है, जबकि सूखा नारियल पुराने अटके हुए असर और बोझ को हटाने में काम आता है।

काले तिल का महत्व क्या है

काले तिल को शनि से जुड़ा माना जाता है। शनिवार का दिन भी शनि से जुड़ा होता है। जब जीवन में बार-बार नुकसान, रुकावट या बिना वजह डर बना रहता है, तो माना जाता है कि शनि का असर ठीक नहीं चल रहा। काले तिल नकारात्मकता को सोखने का काम करते हैं। इसी वजह से शनि से जुड़े कई उपायों में काले तिल का जिक्र मिलता है। यह उपाय भी उसी पर आधारित है, जिसमें काले तिल और सूखा नारियल साथ में इस्तेमाल किए जाते हैं।

उपाय करने का सही तरीका

इस उपाय को करने के लिए ज्यादा सामान या तैयारी की जरूरत नहीं है, लेकिन तरीका सही होना बहुत जरूरी है।

-शनिवार के दिन सुबह नहा-धोकर साफ कपड़े पहन लें

-एक पूरा सूखा नारियल लें

-उसमें थोड़े से काले तिल रख लें

-मन में अपनी परेशानी और जीवन की अड़चनों को याद करें

-बिना किसी से बात किए एक शांत और सुनसान जगह पर जाएं

-वहां उस सूखे नारियल को जमीन में गाड़ दें

यह काम करते समय पीछे मुड़कर नहीं देखना है और न ही रास्ते में किसी से बातचीत करनी है। माना जाता है कि ऐसा करने से जो नकारात्मक असर नारियल में गया है, वह वहीं दब जाता है।

कितनी बार करना है यह उपाय

यह उपाय एक बार में पूरा नहीं होता। इसे लगातार सात शनिवार तक करना होता है। हर शनिवार नया सूखा नारियल और नए काले तिल लेने चाहिए। बीच में अगर एक शनिवार छूट जाए, तो फिर से शुरुआत करना बेहतर माना जाता है।

सात शनिवार पूरे होते-होते कई लोग महसूस करते हैं कि मन हल्का होने लगा है, काम बनने लगे हैं या परेशानी की तीव्रता कम हो गई है।

उपाय करते समय किन बातों का रखें ध्यान

-उपाय को मजाक या शक के साथ न करें

-किसी को बताकर या दिखावे के लिए न करें

-मन में गुस्सा या नकारात्मक सोच न रखें

-शराब या गलत आदतों से उस दिन दूरी रखें

-साफ जगह और शांत माहौल चुनें

यह उपाय डर या दबाव से नहीं, बल्कि भरोसे के साथ करना असरदार माना जाता है।

किन लोगों को यह उपाय करना चाहिए

-जिनके काम बनते-बनते बिगड़ जाते हों

-जिन पर बार-बार आर्थिक दबाव आ रहा हो

-जिनके जीवन में बिना वजह डर या बेचैनी रहती हो

-जिनके रिश्तों में अचानक कड़वाहट आ गई हो

-जो मेहनत के बाद भी आगे नहीं बढ़ पा रहे हों

ऐसे लोगों के लिए यह उपाय एक सहारा बन सकता है।

यह उपाय कैसे असर करता है

मान्यता है कि सूखा नारियल और काले तिल व्यक्ति के आसपास जमी नकारात्मकता को अपने अंदर खींच लेते हैं। जब उसे जमीन में गाड़ दिया जाता है, तो वह असर वहीं दब जाता है और व्यक्ति धीरे-धीरे हल्का महसूस करने लगता है। कई बार असर तुरंत नहीं दिखता, लेकिन भीतर बदलाव शुरू हो जाता है।

17 जनवरी को बनने वाला चतुर्ग्रही योग बदलेगा इन 3 राशियों का जीवन

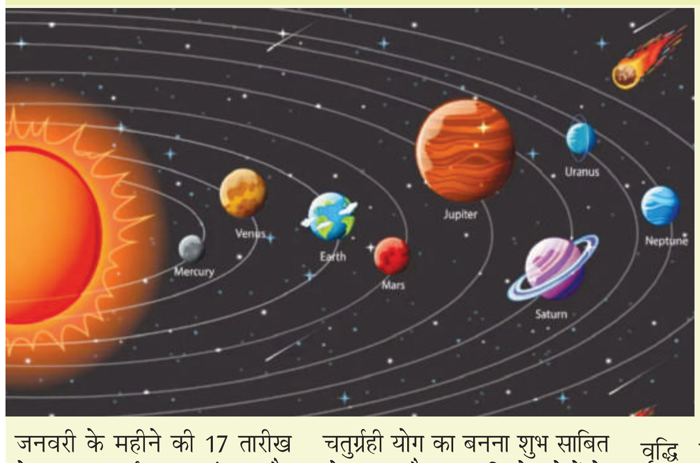

जनवरी के महीने की 17 तारीख को चार ग्रह सूर्य, शुक्र, मंगल और बुध मकर राशि में युति करेंगे। इस युति के चलते मकर राशि में चतुर्ग्रही योग बनेगा इस योग के बनने से कुछ राशियों के करियर और सामाजिक जीवन में बेहद सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। ये राशियां ऊच पद पा सकते हैं और साथ ही मान-सम्मान में भी वृद्धि हो सकती है। इसके साथ ही जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी अच्छे बदलाव इनको दिखेंगे, आइए जानते हैं इन राशियों के बारे में।

मेष राशि

चतुर्ग्रही योग आपके लिए बेहद शुभ साबित होगा। करियर क्षेत्र में तरक्की आपको मिलेगी कुछ लोगों को पदोन्नति इस योग के बनने के बाद मिल सकती है। जो लोग जॉब में परिवर्तन करने का विचार बना रहे हैं वो भी सफल हो सकते हैं। माता-पिता आपका सहयोग हर क्षेत्र में करेंगे। कारोबारियों को भी इस योग के बनने से लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपकी ख्यित भी चतुर्ग्रही योग के बनने से मिल सकती है।

तुला राशि

तुला राशि के लोगों के लिए भी चतुर्ग्रही योग का बनना शुभ साबित हो सकता है। इस राशि के लोगों के स्वामी ग्रह शुक्र भी चतुर्ग्रही योग में रहेंगे जिसके चलते सकारात्मक बदलाव इनके करियर में आ सकते हैं। आपको अपने कार्य के लिए वाहवाही मिल सकती है। खासकर कला, अभिनय और संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। चतुर्ग्रही योग के बनने से कुछ लोग अपना घर खरीद सकते हैं या फिर जमीन ले सकते हैं। सामाजिक स्तर पर आप सक्रिय नजर आएंगे।

मीन राशि

मीन राशि के लोगों के लाभ भाव में चतुर्ग्रही योग बनने वाला है। आपको अचानक से धन लाभ इस योग के बनने से मिल सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और इसके चलते कार्यक्षेत्र में आपकी छवि भी सुधरेगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है या फिर आमदनी में वृद्धि हो सकती है। आप नई ऊर्जा से भरे रहेंगे और कुछ नया सीखने का प्रयास भी कर सकते हैं। सामाजिक स्तर पर आप मान-सम्मान प्राप्त कर सकते हैं।

मनुष्य संतान से जुड़ता है तो ईश्वर के निकट हो जाता है

समाज में एक खतरनाक विचार पनप रहा है। इसके परिणाम आने वाले 15-20 साल में दिखेंगे। इसकी सबसे ज्यादा कीमत हमारे परिवार चुकाएंगे। इस विचार को आज की भाषा में कहते हैं डिंक्स- डबल इनकम, नो किड्स। ये ऐसा जोड़ा होता है, जिसमें पति-पत्नी माता-पिता बनने को तैयार नहीं है, लेकिन दोनों स्वतंत्र रूप से कमा रहे हैं। एक बड़ा कारण सामने ये निकलकर आया कि इन्हें अपने ऊपर खर्च करने का शौक है।

बच्चे होने के कारण उस पर नियंत्रण हो जाएगा। इसलिए जमकर अपने पर खर्च करते हैं। बच्चे पैदा नहीं करते और नतीजे में इनकी जिंदगी में फिजूलखर्ची उतर आती है। जिस मौज के लिए इन्होंने ऐसा किया, वो मस्ती भी इनको महंगी पड़ती है।

जबकि हमारे यहां हर धर्म की परंपरा में संतान की उत्पत्ति आध्यात्मिक उपलब्धि मानी गई है। बच्चे तो जानवर भी पैदा करते हैं, पर मनुष्य जब संतान से जुड़ता है तो ईश्वर के निकट हो जाता है। उसी विचार को खारिज किया जा रहा है। ये जीवनशैली परिवारों को बहुत आहत करेगी।

मकर संक्रांति पर सूर्य देव अपने पुत्र शनि की प्रिय राशियों पर रहेंगे मेहरबान

मकर संक्रांति का पर्व सूर्य-शनि के दिव्य मिलन का प्रतीक माना जाता है। दरअसल इस दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं। इस राशि में सूर्य के गोचर शुरू करते ही शुभ और मांगलिक कार्यों की फिर से शुरुआत हो जाती है। ज्योतिष अनुसार इस साल सूर्य का मकर में गोचर शनि की प्रिय राशियों के लिए बेहद खास होने वाला है। चलिए जान लेते हैं ये कौन सी राशियां हैं।

तुला राशि

तुला शनि की प्रिय राशि मानी जाती है और इस राशि में शनि उच्च के होते हैं। ज्योतिष अनुसार तुला राशि वालों की किस्मत मकर संक्रांति से चमकने वाली है। इस राशि के लोगों को सूर्य देव का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होने वाला है। जिससे इस राशि वालों की किस्मत चमक जाएगी। आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत हो जाएगी। जिस काम में हाथ डालेंगे सफलता मिलेगी। अचानक से बड़ा धन लाभ होने की उम्मीद है।

मकर राशि

मकर राशि वालों के लिए भी मकर संक्रांति खास रहेगी। ये भी शनि की प्रिय राशि मानी जाती है और सूर्य देव इसी राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। ऐसे में इस राशि वालों के अच्छे दिन शुरू हो जाएंगे। आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होगा। नौकरी-बिजनेस में खूब लाभ कमाएंगे। कमाई के संसाधनों में बढ़ोतरी होगी।

कुंभ राशि

कुंभ शनि की सबसे प्रिय राशि मानी जाती है और इस राशि वालों को सूर्य देव का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होने वाला है। सूर्य की कृपा पाते ही इस राशि वालों का गोल्डन समय शुरू हो जाएगा। धन लाभ के रास्ते खुलेंगे। कमाई के संसाधनों में बढ़ोतरी होगी। शिक्षा के क्षेत्र में खूब सफलता पाएंगे। विदेश में नौकरी प्राप्त करने का सपना पूरा हो सकता है। बिजनेस तेजी से आगे बढ़ेगा। पार्टनरशिप के कार्यों में खूब सफलता पाएंगे।

तवा गर्म होने पर पानी के छींटे क्यों मारे जाते हैं?

तवा गर्म होने पर पानी के छींटे क्यों मारे जाते हैं ?

ज्योतिष शास्त्र में इसका महत्व

ज्योतिष के अनुसार तवा अग्नि तत्व और मंगल ग्रह का प्रतीक माना जाता है। जब तवा अत्यधिक गर्म हो जाता है, तो यह मंगल की उग्र ऊर्जा को दर्शाता है। मंगल अधिक उग्र होने पर क्रोध कलह, मांगलिक दोष, वैवाहिक तनाव और दुर्घटना या चोट के योग बढ़ाता है।

गर्म तवे पर पानी के छींटे डालना मंगल की उग्रता को शांत करने का उपाय माना गया है। पानी चंद्र तत्व का प्रतीक है, जो मंगल की गर्मी को संतुलित करता है।

अस्थायी मांगलिक दोष से जुड़ा कारण

ज्योतिष में माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति की कुंडली या गोचर में मंगल 1, 4, 7, 8 या 12वें भाव में आता है, तो वह अस्थायी रूप से मांगलिक दोष उत्पन्न करता है।

ऐसे समय में तवे पर पानी के छींटे डालकर रोटी सेंकना

मंगल दोष की नकारात्मक ऊर्जा को कम करता है

गृह क्लेश और वैवाहिक तनाव से बचाव करता है

वास्तु शास्त्र के अनुसार महत्व

वास्तु में रसोई को अग्नि का स्थान माना गया है। अगर अग्नि अत्यधिक प्रबल हो जाए तो यह घर में झगड़े, मानसिक तनाव, स्वास्थ्य समस्याएं, आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकती है। तवे पर पानी डालना अग्नि तत्व को नियंत्रित करता है और रसोई में संतुलित ऊर्जा बनाए रखता है। मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक कारण यह प्रक्रिया व्यक्ति को धैर्य सिखाती है। जल्दबाजी और आक्रोश को कम करती है। भोजन बनाते समय मन को शांत रखती है। ज्योतिष में माना जाता है कि जिस मनःस्थिति में भोजन बनता है, वही ऊर्जा भोजन में प्रवेश करती है।

वैज्ञानिक कारण भी है। वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यधिक गर्म तवे पर रोटी डालने से रोटी जल सकती है। पोषक तत्व नष्ट होते हैं। पानी डालने से तवे का तापमान संतुलित होता है। रोटी समान रूप से पकती है।

इस तरह यह उपाय स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। तवा गर्म होने पर पानी के छींटे डालकर रोटी सेंकना मंगल ग्रह की उग्रता शांत करता है, मांगलिक दोष के प्रभाव को कम करता है, घर में कलह और तनाव से बचाता है, रसोई की नकारात्मक ऊर्जा दूर करता है और वैज्ञानिक रूप से भी लाभकारी है इसलिए यह परंपरा केवल अंधविश्वास नहीं, बल्कि ज्योतिष, वास्तु और विज्ञान का संतुलित मेल है।

'दिलबर गर्ल' नोरा फतेही को मिला 'सपनों का राजकुमार'
क्या करोड़पति फुटबॉलर को कर रहीं डेट?

अशरफ हकीमी

बॉलीवुड की डांसिंग डीवा और एक्ट्रेस नोरा फतेही अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं. ऐसी चर्चा है कि नोरा फतेही को उनके सपनों का राजकुमार मिल गया है. एक्ट्रेस मोरक्कन फुटबॉलर को डेट कर रही हैं. आखिर वो फुटबॉलर कौन है?

प्यार में हैं दिलबर गर्ल नोरा फतेही?

दरअसल, नोरा फतेही कुछ वक्त पहले अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस 2025 मैच देखने गई थीं. हाई-प्रोफाइल मैच में नोरा की मौजूदगी ने हर किसी का ध्यान खींचा था. स्टेडियम से उनके वीडियो-फोटो वायरल हुए थे, जिसके बाद से अटकलें शुरू हो गई थीं कि वो सिर्फ मोरक्को टीम को सपोर्ट करने नहीं, बल्कि अपने प्यार के लिए वहां पहुंची थीं. रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस मोरक्को के जिस फुटबॉलर को डेट कर रही हैं, वो अशरफ हकीमी हो सकते हैं.

सूत्रों के हवाले से बताया गया है- फुटबॉल मैच के लिए नोरा की मोरक्को ट्रिप ने पहले ही उनके फुटबॉलर को डेट करने की अफवाहों को हवा देनी शुरू कर दी थी. ऐसा लगता है कि नोरा जिस मोरक्कन फुटबॉलर को डेट कर रही हैं, वो अशरफ हकीमी हैं. हालांकि, नोरा या अशरफ हकीमी में से किसी ने भी अब तक डेटिंग की खबरों पर रिएक्ट नहीं किया है.

बता दें कि मोरक्को में नोरा फतेही और अशरफ हकीमी दोनों ही काफी पॉपुलर हैं. नोरा अपने किलर डांस को लेकर दुनियाभर में खास पहचान बना चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर अशरफ हकीमी भी दुनिया के टॉप फुटबॉलर्स में शुमार किए जाते हैं.

नोरा फतेही की बात करें तो उन्होंने सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस से अपने करियर की शुरुआत की थी. अब इंडस्ट्री में वो खास पहचान बना चुकी हैं. नोरा को उनके बेहतरीन डांस के लिए जाना जाता है. वो दिलबर, साकी-साकी, कुसू-कुसू जैसे सुपरहिट गानों में अपने किलर डांस मूव्ज से फैंस का दिल जीत चुकी हैं।

सुभाष घई ने की आदित्य धर के 'धुरंधर' की तारीफ, लिखा- 'आप सफलताओं के हकदार हैं'

बॉलीवुड में 'शोमैन' के नाम से मशहूर निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने हाल ही में आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' देखी। उन्होंने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म को लेकर और आदित्य धर के निर्देशन को एक एक खास पोस्ट शेयर किया है। सुभाष ने कहा कि उन्हें आदित्य पर गर्व है।

सुभाष घई का पोस्ट

सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर आदित्य धर की एक खास तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, 'नमस्ते आदित्य। हिंदी सिनेमा में इस खूबसूरत फिल्म को बड़े पर्दे पर लाने के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई। कल मैंने फिल्म देखी और आपकी कहानी कहने का तरीका, अध्यायों का ढांचा, किरदारों के संघर्ष, चुनौतियां, कास्टिंग, कैमरा का काम, असली लगने वाली एक्शन, सेट डिजाइन और छोटे-छोटे रोल वाले कलाकारों के शानदार अभिनय की तारीफ नहीं थक रही। यह फिल्म अपनी सारी सफलता की पूरी हकदार है। आपकी पूरी टीम पर बहुत गर्व है। आपको ढेर सारी शुभकामनाएं।'

'धुरंधर' का कलेक्शन

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' ने आज 39वें दिन सोमवार को अभी तक 32 लाख रुपये की कमाई की है, जो पूरे दिन में बदलेगी। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अभी तक कुल 805.97 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

करूर भगदड़ मामले में विजय से 6 घंटे हुई पूछताछ
आज फिर सीबीआई के सामने पेश होंगे

साउथ के एक्टर विजय अपनी अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच करूर भगदड़ मामले में उनकी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आज इसी मामले में पूछताछ के लिए वह सुबह लगभग 11:30 बजे सीबीआई हेडक्वार्टर पहुंचे। 6 घंटे पूछताछ के बाद वह

लगभग 06:15 बजे हेडक्वाटर से बाहर निकले। अधिकारियों के मुताबिक उन्हें पूछताछ के लिए फिर से बुलाया जाएगा।

सीबीआई ऑफिस पहुंचे थलापति विजय

एक रिपोर्ट के अनुसार 12 जनवरी को थलापति विजय दिल्ली स्थिति सीबीआई मुख्यालय में पेश हुए। उन्हें जांच टीम के पास ले जाया गया।

विजय से करूर भगदड़ मामले को लेकर पूछताछ की गई। यह मामला 27 सितंबर 2025 का है, जब तमिलनाडु के करूर में विजय की पार्टी टीवीके की एक जनसभा में भगदड़ मच गई थी।

इस भगदड़ में कई लोग मारे गए, कई लोग घायल हुए। भगदड़ में कम से कम 41 लोगों की जान गई और 110 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

अधिकारियों ने दिया मामले पर अपडेट

सीबीआई से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि करूर भगदड़ मामले में विजय की पार्टी टीवीके के कई पदाधिकारियों से भी पूछताछ की है। आज हुई पूछताछ के बाद एजेंसी इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने एक एआईटी बनाकर यह मामला अपने हाथ में लिया था। अभी जांच एजेंसी इस मामले में सबूत इकट्ठा कर रही है।

करूर भगदड़ मामले में डीएमके नेता ने उठाया बड़ा सवाल?

करूर भगदड़ मामले में विजय के सीबीआई के सामने पेश होने पर डीएमके नेता सरवनन अन्नादुरई ने कहा, 'यह घटना करूर में हुई थी। एफआईआर करूर में दर्ज हुई थी। तो लोगों को दिल्ली क्यों बुलाया जा रहा है। यह बात क्रिमिनल लॉ के खिलाफ है। जब चेन्नई में सीबीआई के ऑफिस हैं, तो किसी को दिल्ली क्यों बुलाया जाए? वे यहां आकर जांच क्यों नहीं कर सकते?'

करूर भगदड़ के बाद विजय ने लोगों से माफी मांगी थी

करूर भगदड़ मामले के अगले दिन विजय ने सोशल मीडिया के जरिए माफी भी मांगी थी। भगदड़ में मारे गए लोगों के लिए संवेदनाएं प्रकट की थीं। लेकिन विजय की इस बात के लिए भी जमकर आलोचना की गई। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने उन्हें करूर भगदड़ का जिम्मेदार माना था।

दार्जिलिंग पहुंचा सिंगर प्रशांत तमांग का पार्थिव शरीर
पूरे सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

सिंगर-एक्टर प्रशांत तमांग के पार्थिव शरीर को सोमवार को दार्जिलिंग उनके घर लाया गया। रविवार को उनका दिल्ली में कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया था। वह 43 साल के थे। अधिकारियों ने बताया कि गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) के निर्देश के मुताबिक उनका अंतिम संस्कार दार्जिलिंग में पूरे सम्मान के साथ किया जाएगा।

आज दार्जिलिंग में प्रशांत तमांग के पार्थिव शरीर की यात्रा निकली । एक शोक सभा और सर्व धर्म पूजा का आयोजन हुआ। यहां पहाड़ों के कलाकार, राजनीतिक नेता और आम लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने आएंगे।

प्रशांत तमांग निधन पर शोक

जीटीए के ऑफिसर बी के घिसिंग ने कहा 'प्रशांत तमांग की मौत पहाड़ों के लिए एक ऐसा नुकसान है, जिसकी भरपाई नहीं

हो सकती। वह सिर्फ एक गायक नहीं थे। वह दार्जिलिंग की आवाज और पहचान बन गए।' तमांग की म्यूजिकल सफलता ने पूरे देश का ध्यान खींचा था। 2007 में 'इंडियन आइडल' में उनकी जीत ने पहाड़ों के सामाजिक-राजनीतिक इतिहास पर एक गहरी छाप छोड़ी।

दार्जिलिंग के अलावा बाहर से भी मिला सपोर्ट

प्रशांत तमांग ने 'इंडियन आइडल' का खिताब दार्जिलिंग की पहाड़ियों और उसके बाहर के लाखों वोटों से जीता था। तमांग उस समय गोरखा गौरव और आकांक्षा का एक प्रतीक बनकर उभरे। जो चीज एक लोकल लड़के को नेशनल स्टेज पर सपोर्ट करने के लिए एक कैंपेन के तौर पर शुरू हुई थी, वह जल्द ही राजनीतिक दायरे तक फैल गई।

फैन क्लब राजनीतिक यूनिट्स में बदल गए

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि तमांग के 'इंडियन आइडल' में हिस्सा लेने के दौरान जो माहौल बना, वह पहाड़ी राजनीति में एक टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। इस कैंपेन के दौरान जो नेटवर्क और फैन क्लब बने, वे धीरे-धीरे संगठित राजनीतिक यूनिट्स में बदल गए।

अलग गोरखालैंड राज्य की मांग उठी

बिमल गुरुंग, जो तमांग के लिए लोगों का समर्थन जुटाने में सबसे आगे थे, उन्होंने लोगों की भावनाओं के इस उभार को एक राजनीतिक ताकत में बदल दिया। इसी गति ने आखिरकार अनुभवी नेता और जीएनएलएफ सुप्रीमो सुभाष घीसिंग को सत्ता के केंद्र से हटा दिया और दार्जिलिंग की पहाड़ियों में एक नई राजनीतिक व्यवस्था की शुरुआत की। उस वक्त दार्जिलिंग और सिलीगुड़ी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। इसी दौरान अलग गोरखालैंड राज्य की पुरानी मांग उठी।

बीजेपी के सांसद ने तारीफ की

बीजेपी के दार्जिलिंग सांसद राजू बिस्टा ने तमांग की मौत को पूरे देश के लिए एक झटका बताया। उन्होंने कहा 'पुलिस कांस्टेबल के तौर पर काम करने और लोकल ऑर्केस्ट्रा में गाने से लेकर इंडियन आइडल जीतने तक, प्रशांत तमांग ने दिखाया कि हिम्मत और खुद पर भरोसा कैसे किस्मत बदल सकते हैं। उन्होंने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और गोरखा पहचान को राष्ट्रीय चेतना में लाए।'

अनन्या पांडे और सुहाना खान के साथ काम करने पर बोले मनीष मल्होत्रा
'ये न जताएं कि आप बहुत जानते हैं'

डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हिंदी सिनेमा की तीन पीढ़ियों के साथ काम किया है। उनका मानना है कि इंडस्ट्री में लंबे समय तक टिके रहने के लिए चीजों को अपनाना और सहयोग करना

जरूरी है। मनीष ने जाने माने सितारों के साथ-साथ उनके बच्चों के साथ भी काम किया है। डिजाइनर से प्रोड्यूसर बने मनीष ने फिल्म इंडस्ट्री में नई पीढ़ी पर अपने विचार साझा किए हैं।

बातचीत होनी चाहिए अधिकार नहीं

मनीष मल्होत्रा कहते हैं, 'मैंने चंकी पांडे और अब अनन्या पांडे के साथ काम किया है। श्रीदेवी से लेकर जाह्नवी कपूर तक, शाहरुख खान से लेकर सुहाना खान तक काम किया है। उनका मानना है कि यह सफर तभी मुमकिन है जब आप काम को यह सोचकर न करें कि आप बेहतर जानते हैं क्योंकि आपने पिछली पीढ़ी के साथ काम किया है।' मनीष ने इस बात पर जोर दिया कि अनुभव से बातचीत होनी चाहिए, अधिकार नहीं।

मिलकर काम करना जरूरी

जेन जी एक्टर्स और स्टार किड्स के साथ काम करने पर अपना नजरिया शेयर करते हुए, मल्होत्रा ने कहा 'जिस पल आप मिलकर काम करना बंद कर देते हैं, प्रोसेस टूट जाता है। आज की पीढ़ी निर्देशों पर नहीं, बातचीत पर प्रतिक्रिया देती है।'

युवा पीढ़ी कैसे जुड़ती है?

वह आगे कहते हैं, 'नई पीढ़ी अपने काम में बहुत ज्यादा लगी रहती है और सीखने के लिए उत्सुक रहते हैं। मैं उनमें खुद पर भरोसा और क्रिएटिव प्रोसेस का हिस्सा बनने की इच्छा देखता हूं। मैं अपनी भूमिका एक पुल की तरह देखता हूं। मैं एक ऐसे इंसान की तरह हूं जो हिंदी सिनेमा की भाषा को समझता है। साथ ही आज की, विजुअल और कल्चरल भाषा भी बोल सकता है। इससे यह युवा पीढ़ी जुड़ती है।'

मार्शल आर्ट्स के टाइगर बने पवन कल्याण, जापान के बाहर समुराई समुदाय में शामिल होने वाले बने पहले व्यक्ति

मनीष मल्होत्रा की फिल्में

काम की बात करें तो मनीष मल्होत्रा एक डिजाइनर के अलावा फिल्म प्रोड्यूसर हैं। हाल ही में उन्होंने 'गुस्ताख इश्क' और 'साली मोहब्बत' को प्रोड्यूस किया है।

'यह सच नहीं लगता' रानी मुखर्जी ने करियर जर्नी को किया याद, बॉलीवुड में पूरे किए 30 साल

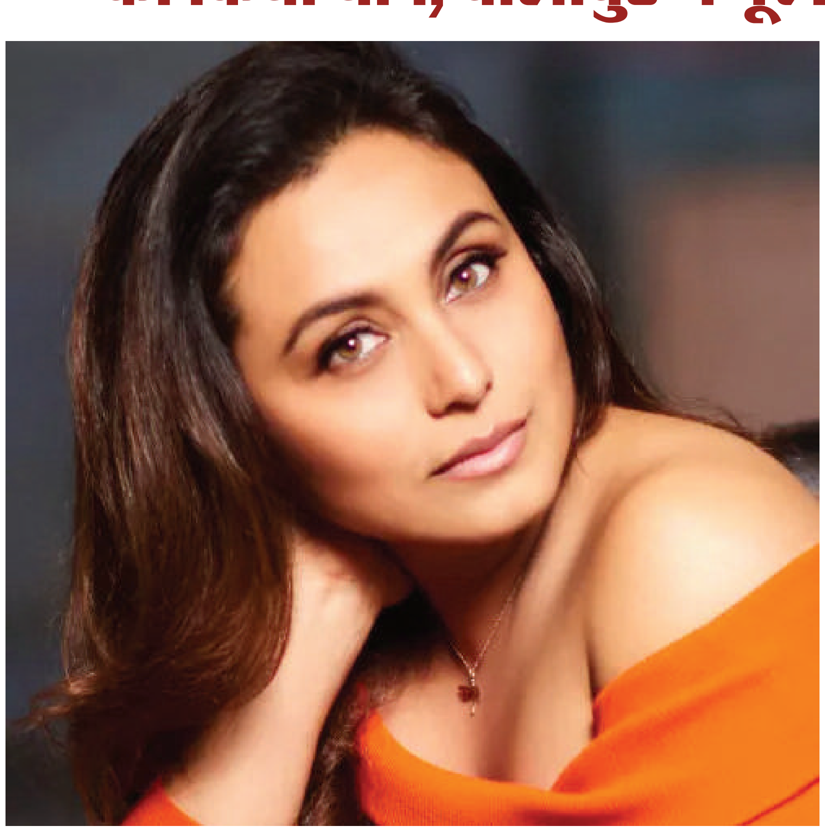

रानी मुखर्जी के बॉलीवुड करियर को तीस साल हो चुके हैं। उन्होंने इस सफर के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखे और एक एक्ट्रेस के तौर पर खुद को निखारा। इस दौरान उन्होंने जो कुछ अनुभव किया, उसका जिक्र अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया है। यशराज फिल्म्स के सोशल मीडिया अकाउंट पर रानी मुखर्जी की यह पोस्ट शेयर की गई है। जानिए, अपनी करियर जर्नी को लेकर रानी मुखर्जी ने क्या कहा?

रानी मुखर्जी ने बताया कैसे सिनेमा की दुनिया में आईं?

रानी मुखर्जी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'तीस साल, जब मैं यह बात जोर से कहती हूं तो यह सच नहीं लगता है। लेकिन यह बात मुझे बताती है कि अगर आप दिल से कोई ऐसा काम करते हैं जिससे आप प्यार करते हैं, तो समय पंख लगाकर उड़ जाता है। आप और ज्यादा काम करना चाहते हैं। तीस साल पहले मैंने एक्ट्रेस बनने के किसी बड़े प्लान के बिना एक फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक यंग लड़की लगभग इत्तेफाक से सिनेमा की दुनिया में आई। लेकिन मुझे इस काम से प्यार हो गया।'

टीवी पर किया ऐसा सीन, मच गया हंगामा
निजी जिंदगी को रखा सीक्रेट, साक्षी तंवर से जुड़े अनसुने किस्से

राजस्थान के अलवर में जन्मी साक्षी तंवर (12 जनवरी 1973) ने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान आईएएस बनने का सपना देखा था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। एक दोस्त के कहने पर साक्षी ने यूं ही दूरदर्शन के एक शो 'अलबेला सुर मेला' के लिए ऑडिशन दिया। उन्होंने सोचा भी नहीं था कि वह इस शो के लिए सेलेक्ट होंगी, लेकिन ऐसा हुआ। यही से साक्षी तंवर ने मनोरंजन जगत में कदम रखा। आगे चलकर वह टीवी की दुनिया की मशहूर बहू बनीं। हिंदी फिल्मों में अभिनय के रंग जमाए। जानिए, साक्षी तंवर के करियर, जिंदगी से जुड़े अनसुने किस्से।

सीरियल 'कहानी घर घर की' से हुईं मशहूर

साल 2000 में साक्षी तंवर ने एकता कपूर का सीरियल 'कहानी घर घर की' किया। इस सीरियल में उन्होंने पार्वती नाम की संस्कारी बहू का रोल किया। यह सीरियल लगभग आठ साल तक दर्शकों का मनोरंजन करता रहा। इस सीरियल के कारण साक्षी को घर-घर पहचान मिली। वह टीवी की सबसे चर्चित एक्ट्रेस बनीं। इसके बाद भी वह कुछ चर्चित सीरियल में नजर आईं। लेकिन साल 2011 में फिर से साक्षी तंवर ने एकता कपूर प्रोड्यूस सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' किया। इस सीरियल से एक बार फिर वह छोटे पर्दे पर छा गईं।

टीवी पर किसिंग सीन देकर मचा दिया हंगामा

सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' में साक्षी तंवर ने एक्टर राम कपूर के साथ लगभग 17 मिनट लंबा इंटीमेट सीन दिया। इसमें एक किसिंग सीन भी शामिल था। इस सीन को देखकर फैंस दंग रह गए। साथ ही कई लोगों ने इस तरह के सीन टीवी पर दिखाए जाने पर एक्टर्स की खूब

आलोचना की। खुद साक्षी तंवर भी इस सीन को करने के बाद बहुत रोई थीं।

2000 करोड़ी फिल्म का बनीं हिस्सा

साक्षी तंवर ने टीवी पर धाक जमाने के बाद फिल्मों की दुनिया में कदम रखा। कुछ फिल्मों में छोटे-छोटे किरदार किए। फिर साल 2016 में आमिर खान की फिल्म 'दंगल' में काम किया। इस फिल्म में वह आमिर खान के किरदार की पत्नी के रोल में दिखीं। इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 2000 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था।

कई फिल्मों-सीरीज में जमाया अभिनय का रंग

साक्षी ने सनी देओल के साथ फिल्म 'मोहल्ला अस्सी' में काम किया, इस फिल्म में उन्होंने खूब गालियां दीं। यह फिल्म भी उनके करियर को अलग मोड़ देने वाली साबित हुई। साल 2024 में उन्होंने 'शर्मा जी की बेटियां' नाम की एक फिल्म की थी, जिसमें उनके अभिनय को खूब सराहा गया। कुछ वेब सीरीज का भी वह हिस्सा रही हैं। साल 2025 में साक्षी तंवर, ईशान खट्टर स्टारर सीरीज 'द रॉयल्स' में अलग ही अंदाज में नजर आईं।

शादी नहीं की, एक बेटी को लिया गोद

साक्षी तंवर की चर्चा हमेशा उनके काम को लेकर रही है। उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में फैंस या मीडिया को कभी कुछ पता नहीं चला। आज तक उनका किसी के साथ नाम भी नहीं जुड़ा है। साक्षी अपनी पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखती हैं। साक्षी 53 साल की हो चुकी हैं लेकिन उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। साल 2018 में उन्होंने एक 9 महीने की बच्ची को गोद लिया, जिसका नाम दित्या है। साक्षी अपनी गोद ली हुई बेटी की परवरिश कर रही हैं।

साक्षी तंवर से जुड़ी कुछ खास बातें

एक्टिंग में आने से पहले पढ़ाई के दौरान साक्षी ने एक ज्वेलरी शॉप पर काम किया, जहां उन्हें एक महीने में सिर्फ 900 रुपये स्टेपेंड मिलता था।

मास कम्यूनिकेशन के इंट्रेंस एग्जाम में साक्षी तंवर पास नहीं हो सकी थीं।

साल 2022 की फोर्ब्स इंडिया लिस्ट में साक्षी तंवर शामिल हुईं। टीवी से जुड़े कम ही सेलिब्रिटी को ऐसी अचीवमेंट मिली है।

साक्षी के नाम दो इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड किए हैं।

पराठे खाते ही होने लगती है गैस एसिडिटी, आटा गूंथने में मिला लें अजवाइन, नहीं होगी परेशानी

सर्दियों में भरवां पराठे खाने में बहुत टेस्टी लगते हैं। लेकिन कई बार गोभी और आलू के पराठे खाने के बाद गैस एसिडिटी परेशान करती है। अगर आप इस समस्या से बचना चाहते हैं तो आटा गूंथने में ये एक चीज मिला लें। गैस एसिडिटी की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा।

ठंड में गरमागरम आलू के पराठे, गोभी के पराठे और मूली के पराठे बहुत स्वादिष्ट लगते हैं, लेकिन भरवां पराठे खाकर कई बार गैस एसिसिडी की समस्या होने लगती है। खासतौर से फूलगोभी और मूली के पराठे गैस का कारण बन जाते हैं। अगर आपको भी पराठे खाने के बाद गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग होने लगती है तो आटा गूंथने में कुछ खास मसाले मिला लें। इस आटे के पराठे बनाकर खाएंगे तो गैस एसिडिटी कभी परेशान नहीं करेगी।

गैस एसिडिटी से छुटकारा पाने के लिए आटे में मिलाएं अजवाइन

अजवाइन आसानी से सभी के घरों में मिल जाती है। अजवाइन में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो गैस एसिडिटी की समस्या को दूर करते हैं। अब जब भी आटा गूंथें उसमें 1 चम्मच अजवाइन पीसकर मिला लें। अजवाइन से पराठे का स्वाद बढ़ जाएगा और खाने में ज्यादा टेस्टी लगेगा। अजवाइन वाले आटे से बने पराठे गैस एसिडिटी की समस्या को भी दूर कर देंगे।

गैस में अजवाइन खाने के फायदे

अजवाइन आंतों में फंसी गैस को बाहर निकालने में मदद करती है।

1 चम्मच अजवाइन 1 गिलास पानी में डालकर उबाल लें। इस पानी को छानकर पी लें, गैस, ब्लोटिंग और पेट फूलने की समस्या दूर होगी।

गैस में आराम पाने के लिए अजवाइन के पानी में नींबू का रस मिलाकर पी लें। इस पानी को दिन में 2 बार पी लें गैस में तुरंत राहत मिल जाएगी।

अजवाइन को रोटी, पराठा या पूरी के आटे में डालकर बनाने से खाना सुपाच्य हो जाता है। इससे खाने के बाद गैस एसिडिटी कम होती है।

अजवाइन को भूनकर खाने पर भी पेट को राहत मिलती है, इसके लिए 1 चम्मच अजवाइन भूनकर गर्म पानी के साथ खा लें।

आप अजवाइन के पाउडर में अदरक का पाउडर मिलाकर भी खा सकते हैं। इससे गैस की समस्या का तुरंत समाधान हो जाएगा।

पिसी हुई अजवाइन के पाउडर को गर्म पानी में घोलकर पी लें। इससे गैस से राहत महसूस हो सकती है। अजवाइन की चाय ब्लोटिंग से राहत दिलाने में असरदार साबित होती है।

आप अजवाइन और हींग भी साथ ले सकते हैं। अजवाइन और काला नमक भी गैस से राहत पाने का असरदार नुस्खा है।

ठंड में होने वाला दर्द कहीं यूरिक एसिड तो नहीं है

सर्दियों में ठंड की वजह से शरीर में दर्द, जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या बढ़ जाती है। गठिया के मरीज सर्दियों में सबसे ज्यादा परेशान रहते हैं। कई बार जोड़ों में दर्द के साथ सूजन भी आने लगती है। ये सिर्फ ठंड का असर नहीं बल्कि हाई यूरिक एसिड का भी लक्षण हो सकता है। जानें यूरिक एसिड बढ़ने पर शरीर में क्या लक्षण नजर आते हैं और इसे कैसे कम करें?

यूरिक एसिड शरीर में बनने वाला नेचुरल अपशिष्ट पदार्थ है। ये शरीर में प्यूरीन को तोड़ने पर बनता है। अब खाने में कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो प्यूरीन ज्यादा बनाती हैं जिससे यूरिक एसिड बढ़ने लगता है। जैसे रेड मीट, सी फूड और शराब में पाए जाने वाले पदार्। आम तौर पर यूरिक एसिड खून में घुल जाता है और किडनी इसे फिल्टर करके टॉयलेट के जरिए निकाल देती है। इसके अलावा अतिरिक्त बिल्डअप हाइपरयूरिसीमिया का कारण बन सकता है, जो गाउट , गुर्दे की पथरी और सूजन का खतरा बढ़ाता है।

यूरिक एसिड के लक्षण

जोड़ों में दर्द और सूजन- यूरिक एसिड बढ़ने पर शरीर में यूरिक एसिड क्रिस्टल बन सकते हैं, जो जोड़ों में जमा हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में तेज दर्द, लालिमा और सूजन आ जाती है। अंगूठा, घुटनों, टखनों और उंगलियों को ये प्रभावित कर सकता है।

जोड़ों में अकड़न- अगर सुबह जगने के बाद जोड़ों में अकड़न या बेचैनी रहती है तो इसे शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने का भी लक्षण माना जा सकता है।

यूरिक एसिड क्रिस्टल- अगर यूरिक एसिड बढ़कर गंभीर स्थिति में पहुंच जाता है तो इसे क्रोनिक कंडीशन कहते हैं। ऐसी स्थिति में जोड़ों, कानों या उंगलियों के आसपास की त्वचा के नीचे गांठें बन जाती हैं। ये यूरिक एसिड के जमाव होते हैं और दर्दनाक हो सकते हैं।

गुर्दे की पथरी- कई बार यूरिक एसिड बढ़ने पर क्रिस्टल के रूप में गुर्दे में जमा होने लगता है, जिससे किडनी में पथरी बन सकती है। इससे तेज दर्द, मतली और पेशाब करने में परेशानी हो सकती है।

बार-बार पेशाब जाने की इच्छा- हाई यूरिक एसिड का एक ये भी लक्षण हैं कि आपको बार-बार पेशाब जाने की इच्छा होती है। इसका कारण ये है कि आपकी किडनी का फंक्शन प्रभावित होता है। जिससे रात में खासतौर से पेशाब जाने की इच्छा बढ़ जाती है।

जोड़ों की त्वचा लाल होना- अगर जोड़ों में दर्द और सूजन आ रही है। आसपास की त्वचा लाल दिख रही है और हल्की गर्माहट महसूस हो रही है तो ऐसा यूरिक एसिड के जमा होने की वजह से हो सकता है।

यूरिक एसिड को कम करने के उपाय

इसके लिए लाल मांस खाना छोड़ दें। सी फूड्स का सेवन न करें। खाने में हाई प्यूरीन वाली दालें जैसे उड़द, राजमा, चना और अरहर की दाल खाना कम कर दें। दिनभर में भरपूर मात्रा में पानी पीएं। मीठे पेय पदार्थ, मिठाई या किसी भी तरह के मीठे के सेवन से दूर रहें। फर्मेंटेड फूड भी कम खाएं। जंक फूड से एकदम दूर रहें।

युवा हो जाएं सावधान! वजन शरीर ही नहीं दिमाग को भी बना रहा है बीमार

भारत में बढ़ता मोटापा न सिर्फ शारीरिक रूप से बीमार कर रहा है बल्कि इससे मानसिक बीमारियां भी बढ़ रहे हैं। ज्यादा मोटे और पतले लोगों में स्ट्रेस और एंग्जाइटी का खतरा पैदा हो रहा है। एम्स और आईसीएमआर की स्टडी में ये बात सामने आई है।

सऊदी अरब का खालिद मोहसिन 610 किलो का दुनिया का सबसे मोटा आदमी था, जो अब 63 किलो का हो गया है। ये जर्नी उन लोगों के लिए बहुत इंस्पायरिंग हो सकती है जो ये सोचते है कि एक बार वेट बढ़ गया तो कम नहीं हो सकता। जो हर वक्त अपने वज़न को लेकर शर्मिंदगी महसूस करते हैं। लेकिन खालिद मोहसिन जब मोटे थे तब भी खुश थे और अब भी खुश है। इसलिए ये स्माइलिंग मैन के नाम से भी मशहूर हैं। क्योंकि मोटापा घटाने के लिए चेहरे की स्माइल नहीं बल्कि शरीर से फैट कम करने की जरूरत होती है। देश के युवा ये बात नहीं समझ रहे हैं तभी तो हर दूसरा अडल्ट बॉडी इमेज को लेकर परेशान है। बॉडी इमेज डिस्ट्रेस कोई बीमारी नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है जिसमें आप अपने शरीर को लेकर तनाव में रहते हैं।

स्टडी में पता चला है कि बहुत ज़्यादा मोटे और बहुत ज़्यादा पतले, दोनों ही तरह के युवा अपनी बॉडी टाइप को लेकर मानसिक तनाव में है। स्टडी के मुताबिक मोटापे से जूझ रहे 49 प्रतिशत और कम वजन वाले 47 प्रतिशत युवाओं ने वजन को लेकर हर वक्त एंग्ज़ाइटी में रहने की बात कही। इस रिसर्च में यह भी सामने आया कि मोटापे से जूझ रहे युवाओं में कॉन्फिडेंस की कमी और झिझक ज्यादा थी। वहीं कम वजन वाले युवाओं में स्ट्रेस, अकेलापन और शर्मिंदगी ज्यादा देखने को मिली। असल में हर चौथा युवा खुद को जज किए जाने का एहसास करता है। इसी वजह से उनकी मेंटल हेल्थ बिगड़ रही है। इस रिसर्च में चेतावनी भी दी गई है कि भारत की हेल्थ पॉलिसी में मोटापे पर तो फोकस है, लेकिन अंडरवेट युवाओं की प्रॉब्लम पर उतना ध्यान ध्यान नहीं दिया जा रहा। इसलिए हम आज परफेक्ट वज़न की बात करेंगे। स्वामी रामदेव से जानते हैं कि योग से एक एट्रैक्टिव और हेल्दी बॉडी कैसे पा सकते हैं।

मोटापे से बढ़ा मानसिक तनाव

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट में हर 4 में 1 शख्स को ओबेसिटी का शिकार बताया गया है। मोटे लोगों की संख्या 15 साल में दोगुनी हो गई है। खासतौर से पेट पर मोटापा बढ़ना भारत में लोगों की सबसे बड़ी चिंता है। ये वजन सिर्फ शरीर पर बाहरी रूप से नहीं बल्कि अंदरूनी अंगों पर भी असर डाल रहा है। इंटरनल ऑर्गन्स पर फैट से दिल, लिवर, पैंक्रियाज और किडनी पर खतरा बढ़ रहा है।

मोटापा घटाने का स्वामी रामदेव का उपाय

वजन घटाने के लिए सुबह नींबू-पानी पीएं। रोजाना लौकी का सूप-जूस लें। खाने से पहले सलाद खाएं। रात में रोटी-चावल खाने से बचें और डिनर 7 बजे से पहले कर लें। खाने के 1 घंटे बाद पानी पीएं। अदरक-नींबू की चाय भी वजन कम करने में मदद करती है।

अदरक फैट कंट्रोल करती है। रात में 1 चम्मच त्रिफला गर्म पानी से लें। त्रिफला डायजेशन को बेहतर बनाने का काम करता है। मोटापा घटाने के लिए 3-6 ग्राम दालचीनी लें और उसे 200 ग्राम पानी में उबाल लें। 1 चम्मच शहद मिलाकर इसे पी लें।

हाई ब्लड प्रेशर या फिर लो ब्लड प्रेशर कौन सा हो सकता है ज्यादा खतरनाक?

दिल से जुड़ी बीमारियां अच्छी खासी तादाद के लोगों को अपना शिकार बना रही हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है, खराब लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट प्लान।

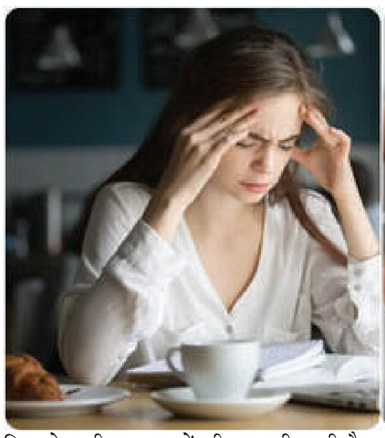

दिल से जुड़ी समस्याओं की बात की जाती है, तो ज्यादातर लोगों के दिमाग में हाई ब्लड प्रेशर और लो ब्लड प्रेशर जरूर आता है। क्या आप जानते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप और लो ब्लड प्रेशर यानी निम्न रक्तचार में से कौन सा आपके दिल की सेहत के लिए ज्यादा घातक साबित हो सकता है? आइए पहले दोनों के लक्षणों के बारे में जानकारी हासिल कर लेते हैं।

हाई ब्लड प्रेशर- लगातार सिर में दर्द, धुंधला दिखाई देना, चक्कर आना, कमजोरी या सुन्नता, इस तरह के मामूली नजर आने वाले लक्षण हाई ब्लड प्रेशर की तरफ इशारा कर सकते हैं। इसके अलावा हाई ब्लड प्रेशर के दौरान सांस लेने में तकलीफ, छाती में दर्द या फिर दिल की धड़कन तेज होना, इस तरह के लक्षण भी महसूस हो सकते हैं। कभी-कभी हाई ब्लड प्रेशर की वजह से नाक से खून भी आ सकता है।

लो ब्लड प्रेशर- अगर आपका ब्लड प्रेशर लो है, तो आपको सिर हल्का महसूस होना, ठंडी-चिपचिपी त्वचा, बेहोशी, इस तरह के लक्षणों का सामना करना पड़ सकता है। लो ब्लड प्रेशर की वजह से भ्रम या फिर ध्यान केंद्रित करने में भी दिक्कत महसूस हो सकती है। मतली और उल्टी जैसे लक्षण भी लो ब्लड प्रेशर की तरफ इशारा कर सकते हैं। ब्लर विजन, थकान, उथली सांसें भी लो बीपी का संकेत साबित हो सकती हैं।

क्या ज्यादा खतरनाक- हाई ब्लड प्रेशर हो या फिर लो ब्लड प्रेशर, दोनों समस्याएं सेहत को अलग-अलग तरीके से नुकसान पहुंचा सकती हैं। लेकिन अगर दोनों के बीच में तुलना की जाए, तो हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हाई ब्लड प्रेशर लो ब्लड प्रेशर की तुलना में दिल की सेहत के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। हालांकि, आपको जब भी हाई बीपी या फिर लो बीपी, दोनों में से किसी भी समस्या के लक्षण महसूस हों, तो आपको तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट कर लेना चाहिए वरना बाद में आपको पछताना पड़ सकता है।

गोभी खाते ही बनने लगती है गैस, तो इस तरह करें सेवन

सर्दियों के मौसम में बाजारों में फूलगोभी की भरमार रहती है। इसका सेवन हर घर में ही किया जाता है। स्वाद के शौकीन लोग इससे अलग अलग तरह की डिशेज बनाते हैं। सर्दियों में अमुमन हर दूसरे दिन ही आलू गोभी की सब्जी बनती है। लेकिन गोभी खाने के बाद कुछ लोगों को गैस और ब्लोटिंग की समस्या होने लगती है। क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों होता है। दरअसल गोभी में रैफिनोज नामक कॉम्प्लेक्स शुगर और हाई फाइबर होता है जो गैस का कारण बनता है।

पकाने का सही तरीका

नमक के पानी का इस्तेमालः गोभी को काटने के बाद उसे 10-15 मिनट के लिए गुनगुने पानी में थोड़ा नमक डालकर भिगो दें। इससे यह थोड़ी नर्म हो जाती है और पचने में आसान होती है। उबालकर पानी छान लें: सब्जी बनाने से पहले गोभी को हल्का सा उबाल लें और उस पानी को फेंक दें। इससे गैस बनाने वाले तत्व काफी हद तक निकल जाते हैं। पूरी तरह पकाएं: कच्ची या आधी पकी गोभी सबसे ज्यादा गैस बनाती है। इसलिए इसे अच्छी तरह से पकाकर ही खाएं।

इन 'पाचक' मसालों का करें प्रयोग

हींग और अजवाइनः ये दोनों गैस को रोकने के लिए सबसे कारगर हैं। इनका तड़का जरूर लगाएं। अदरक और लहसुनः अदरक का पेस्ट या बारीक कटा हुआ अदरक गोभी के भारीपन को कम करता है।

जीरा और सरसों के दानेः ये मसाले भी पाचन एंजाइम्स को सक्रिय करने में मदद करते हैं।

खाने का समय और मात्रा

दोपहर में खाएंः गोभी को रात के खाने के बजाय लंच में खाना बेहतर है। दिन के समय हमारा मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जिससे इसे पचाना आसान होता है। पोर्शन कंट्रोलः एक ही बार में बहुत ज्यादा गोभी न खाएं। छोटी कटोरी भर ही इसका सेवन करें।

भोजन के बाद के उपाय

गुनगुना पानीः गोभी खाने के बाद हल्का गुनगुना पानी पिएं। सौंफ का सेवनः भोजन के बाद 1 चम्मच सौंफ चबाने से भी पेट नहीं फूलता।

अगर है डायबिटीज, तो सर्दियों में कैसे रखें अपना ध्यान

बीते कुछ सालों में डायबिटीज ने अच्छी खासी तादाद के लोगों को अपना शिकार बनाया है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भारत को अक्सर डायबिटीज कैपिटल ऑफ इंडिया यानी दुनिया की मधुमेह राजधानी भी कहा जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि अगर आप डायबिटिक हैं, तो सर्दियों के मौसम में आपको कैसे अपनी देखभाल करनी चाहिए। स्वामी रामदेव द्वारा बताई गई कुछ टिप्स डायबिटीज से जूझ रहे मरीजों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

डेली रूटीन में क्या करें- डायबिटीज के मरीजों को सर्दियों के मौसम में अपनी डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा खुद को गर्म रखने की कोशिश कीजिए, इसके लिए आप गर्म तासीर वाली चीजों का सेवन कर सकते हैं। अगर आपको डायबिटीज है, तो आपको अपने डाइट प्लान में हाई कैलोरी फूड्स को शामिल करने से बचना चाहिए। डायबिटीज पेशेंट्स को 30 मिनट यानी आधा घंटा धूप में बैठने की सलाह भी दी जाती है।

अपनाएं कुछ घरेलू उपाय- शुगर कंट्रोल करने के आयुर्वेदिक उपायों की बात की जाए, तो आप खीरा-करेला-टमाटर का जूस पी सकते हैं। इसके अलावा औषधीय गुणों से भरपूर गिलोय का काढ़ा भी डायबिटीज से जूझ रहे मरीजों की सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। डायबिटीज पेशेंट्स मंडूकासन-योगमुद्रासन को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। 15 मिनट कपालभाति करने से भी सेहत पर पॉजिटिव असर पड़ सकता है।

ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद- इस तरह की छोटी-छोटी टिप्स को रेगुलरली फॉलो करना, न केवल डायबिटीज के मरीजों के लिए बल्कि सभी लोगों की सेहत को सुधारने में असरदार साबित हो सकती हैं। डाइट प्लान को हेल्दी और बैलेंस्ड बनाएं और हर रोज फिजिकल एक्टिविटी करें, सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का खतरा कम हो जाएगा। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए इन टिप्स को हर रोज फॉलो करना बेहद जरूरी है।

सुबह खा लीजिए भीगे हुए चने, बढ़ जाएगा स्टैमिना

भीगे हुए चने, आपकी सेहत को चौतरफा लाभ पहुंचा सकते हैं। अगर आपने सही मात्रा में और सही तरीके से भीगे हुए चनों को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना लिया, तो आपकी सेहत को काफी हद तक मजबूत बनाया जा सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने में प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, फोलेट, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम और जिंक जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है।

रोज खाएं भीगे हुए चने- हर रोज नियम से सुबह भीगे हुए चने खाएं। क्या आप जानते हैं कि चने को पानी में भिगोने के बाद खाने से इन्हें पचाना आसान हो जाता है। इसके अलावा चने को भिगोने के बाद कंज्यूम करने से पोषक तत्वों का अवशोषण भी बेहतर होता है। ऊर्जा और ताकत को बढ़ाने के लिए प्रोटीन से भरपूर भीगे हुए चने खाने की सलाह दी जाती है। भीगे हुए चने गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

दूर होंगी ये समस्याएं- ब्लड शुगर लेवल की समस्या पर काबू पाने के लिए भीगे हुए चने का सेवन किया जा सकता है। भीगे हुए चने, खून की कमी को दूर करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। भीगे हुए चने में मौजूद तत्व कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं यानी भीगे हुए चने दिल की सेहत को सुधारने में असरदार साबित हो सकते हैं। भीगे हुए चने दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि फाइबर से भरपूर भीगे हुए चने खाकर वेट लॉस जर्नी को काफी हद तक आसान बनाया जा सकता है। अगर आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो भी भीगे हुए चने को अपने डाइट प्लान में शामिल कर सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको रात भर चने को पानी में भिगोकर रखना चाहिए।

सियाटीका का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। पिछले 2 महीनों से सियाटीका से परेशान हूं। अंग्रेजी दवाओं से जरा भी लाभ नहीं मिल पा रहा है, कृपा कर आयुर्वेदिक दवा बताएं।

- वेंकट सुब्बाराव, सिकंदराबाद

उत्तर : सियाटीका को आयुर्वेद में गृध्रसीवात कहते हैं। यह गृध्रसी नाड़ी के शोथ से उत्पन्न बड़ी कष्टदाई स्थिति है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। कुछ सरल घरेलू उपाय बता रहा हूं जिसका प्रयोग कर आप आसानी से इससे मुक्ति पा सकते हैं।

* वज्रासन में बैठना आराम देता है ।

*सुबह -शाम ऊंझा महानारायण तेल या ऊंझा महाविषगर्भ तेल की मालिश करने से आराम मिलता है।

* 5 ग्राम लहसुन और 5 ग्राम प्याज का रस पानी के साथ सेवन करने से सियाटीका का दर्द शांत होता है।

* शुद्ध गुग्गुलुऔर रास्ना चूर्ण में शुद्ध घी मिलाकर सेवन करने से सियाटीका रोग ठीक होता है। *एक पोती वाले लहसुन को एक गिलास दूध में उबालकर रबड़ी की तरह बना कर 21 दिन सेवन करने से इस रोग से मुक्ति मिलती है।

*अश्वगंधा चूर्ण को 10 ग्राम की मात्रा में लेकर एक गिलास दूध में डालकर सेवन करने से लाभ होता है।

* 3 ग्राम पिपली का चूर्ण के साथ 15 ग्राम एरंड के तेल के साथ सेवन करने से लाभ मिलता है।

शास्त्रीय औषधियों में ऊंझा बृहत योगराज गुग्गुलु एवं ऊंझा समीरपन्नग रस का सेवन करने से लाभ मिलता है। ऊंझा त्रयोदशांग गुग्गुलु , ऊंझा वात विध्वंसन रस एवं औरा अश्वगंधा घनवटी का सुबह-शाम सेवन करने से इस रोग में आराम मिलता है। भोजन के बाद ऊंझा महारास्नादि काढ़ा 20-20 मिलीलीटर आधे का गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करने से इस कष्ट दाई रोग से मुक्ति मिलती है।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है । पिछले कई दिनों से खाया हुआ हजम नहीं होता । अजीर्ण हो जाता है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- प्रेमनाथ शर्मा , सिकंदराबाद

उत्तर : अजीर्ण का अर्थ है- खाना पीना ठीक से न पचना। इसे अग्निमांद्य या मंदाग्नि भी कहते हैं। यह रोग चिकने पदार्थ खाने, अधिक पानी पीने, दिन में सोने और रात में जगने के कारण हो सकता है। इसके अलावा समय- कुसमय भोजन करने, खाद्य पदार्थों को अच्छी तरह चबाए बगैर ही निकल जाने, तंबाकू खाने, चाय- शराब का अधिक सेवन करने, खटाई, अचार, खट्टी चीज खाने, दूषित वातावरण में रहने, कमर में कसकर वस्त्र बांधने से एवं शरीर के अंदर खून की कमी के कारण , ईर्ष्या - द्वेष,

भय, क्रोध आदि के कारण अजीर्ण तीव्र गति से होता है।

घरेलू चिकित्सा मेंः-

* नींबू के रस में जायफल घिसकर चाटने से लाभ होता है।

*

दा ल ची नी ,सोंठ तथा लाल इलायची - तीनों को बराबर की मात्रा में लेकर चूर्ण बना लें।इसे भोजन से पहले 2 ग्राम की मात्रा में ले।

* सेंधा नमक, सोंठ तथा हरड़े - तीनों चीजों को बराबर की मात्रा में लेकर चूर्ण बना ले दोनों समय तीन-तीन ग्राम चूर्ण ताजा पानी के साथ लेवें।अवश्य आराम मिलेगा।

* पिप्पली का चरण 3 ग्राम प्रति दिवस शहद के साथ मिलाकर सेवन करें । अवश्य आरंभ मिलेगा।

* आधा चम्मच पपीते के रस में जरा सी चीनी मिलाकर लेने से अजीर्ण खत्म हो जाता है।

* तीन दाने काली मिर्च, तीन लौंग और 30 नीम की कलियां - तीनों को पीसकर जरा सी शक्कर मिलाकर सुबह-शाम 15 दिनों तक सेवन करने से अजीर्ण ठीक हो जाता है।

* अदरक के रस में दो चुटकी पिसा जीरा और शहद मिलाकर पिएं। अजीर्ण में आराम मिलेगा।

आयुर्वेदिक चिकित्सा में त्रिफला चूर्ण का सेवन लाभप्रद है। भोजन के बाद ऊंझा पंचासव का सेवन करने से अजीर्ण ठीक हो जाता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है पहले अम्लपित्त की शिकायत थी। अब मल के साथ सफेद चिकना पदार्थ जाता है । कृपया इसका इलाज बताए ।

- अदनान अली, संगारेड्डी

उत्तर : आमाशय में पाचन क्रिया हाइड्रोक्लोरिक एसिड के माध्यम में होती है । प्रकृति ने जीवाणु संक्रमण को रोकने और पाचन क्रिया में सहयोग देने के लिए ही अम्ल बनाया । लेकिन जब यह अम्ल खाद्य पदार्थों द्वारा बढ़ जाता है तो आमाशय की सुरक्षा झिल्ली नष्ट होकर एवं कोशिकाओं के द्वारा जब बड़ा वहां छाला (अल्सर) बन जाता है। मानसिक तनाव और आहार संबंधी अनियमिताएं धूम्रपान, कुछ तेज अंग्रेजी दवाओं का सेवन व संक्रमण इत्यादि इसके प्रमुख कारण है। इसको रोकने के लिए पथ्य आवश्यक है। धूम्रपान , मद्य सेवन, मिर्च - मसाले, तीखे- खट्टे पदार्थ, तले खाद्य पदार्थ का सेवन बंद कर देने देना चाहिए। मल के साथ जो चिकना पदार्थ आता है - वह म्यूकस या आँव है। यह अधिकतर एक परजीवी प्रोटोजोन ' अमीबा ' के संक्रमण के कारण होता है। औरा ट्रायोगोन टिकिया या ऊंझा डायरेंड टिकिया ऊंझा कुटजघन वटी, पंचामृत पर्पटी का प्रयोग तुरंत लाभ करता है। भोजन के बाद ऊंझा बिल्वासव या ऊंझा कुटजारिष्ट का १५ से २० मिलीलीटर को दुगुने पानी में मिलाकर लेना आंव दूर कर देता है। बेल का मुरब्बा या बेल घनवटी, गंगाधर रस से भी इसमें आराम मिलता है।

भोजन सुपाच्य, ताजा और संतुलित हो। दही और छांछ विशेष रूप से हितकारी है। किसी भी प्रकार गरिष्ठ भोजन से बचना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

पहली बार रविवार के दिन पेश होगा बजट

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2026-27 का केंद्रीय आम बजट इस बार रविवार को पेश किया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को औपचारिक घोषणा में बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार, 1 फरवरी के दिन संसद में बजट पेश करेंगी। यह पहली बार होगा जब देश का आम बजट रविवार के दिन सदन पटल पर रखा जाएगा। आइए जानते हैं बजट 2026-27 का पूरा कार्यक्रम।

मोरारजी देसाई के रिकॉर्ड के करीब पहुंचीं सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए यह बजट व्यक्तिगत तौर पर एक बड़ी उपलब्धि होगा। यह उनका लगातार नौवां बजट होगा। इसके साथ ही, वह पूर्व वित्त मंत्री मोरारजी देसाई द्वारा स्थापित सर्वाधिक बजट पेश करने के रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंच जाएंगी। मोरारजी देसाई ने अपने कार्यकाल में कुल 10 बजट पेश किए थे, और निर्मला सीतारमण अब उस ऐतिहासिक आंकड़े से महज एक कदम दूर हैं।

28 जनवरी से होगी बजट सत्र की शुरुआत

संसद के बजट सत्र का पूरा शेड्यूल भी सामने आ गया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के अनुसार, सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को होगी और यह 2 अप्रैल तक चलेगा।

राष्ट्रपति का अभिभाषण: सत्र का आगाज 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन से होगा। वह लोकसभा कक्ष में दोनों सदनों के सदस्यों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी।

आर्थिक सर्वेक्षण: राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद, वित्त मंत्री द्वारा संसद के दोनों सदनों में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किए जाने की संभावना है।

13 फरवरी से 9 मार्च तक रहेगा अवकाश

संसदीय प्रक्रियाओं और बजट प्रस्तावों की बारीकी से जांच सुनिश्चित करने के लिए सत्र को दो चरणों में विभाजित किया गया है-**पहला चरण:** 28 जनवरी से शुरू होकर 13 फरवरी तक चलेगा।

अवकाश: 13 फरवरी के बाद सत्र स्थगित रहेगा और 9 मार्च को दोबारा शुरू होगा। इस अंतराल का उपयोग संसदीय समितियों द्वारा बजट प्रस्तावों की जांच के लिए किया जाएगा। **दूसरा चरण:** 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलने की उम्मीद है। सरकार ने 1 फरवरी को आधिकारिक तौर पर 'बजट दिवस' के रूप में नामित किया है। रविवार को बजट पेश करने का निर्णय और निर्मला सीतारमण का नौवां बजट, आगामी सत्र को राजनीतिक और आर्थिक दोनों ही लिहाज से महत्वपूर्ण बनाता है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी होंगी कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार क्या आर्थिक रोडमैप पेश करती है।

पांच दिन के बाद शेयर बाजार में राहत

हरे निशान पर बंद हुए सेंसेक्स–निफ्टी

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में भारी गिरावट झेलने के बाद सोमवार को ऊर्जा, बैंकिंग और धातु शेयरों में खरीदारी के चलते इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूती देखने को मिली। हालांकि, व्यापारियों का कहना है कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी ने तेज बढ़त को सीमित कर दिया। कमजोर अमेरिकी मुद्रा और कच्चे तेल की गिरती कीमतों के कारण रुपया निचले स्तर से उबरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2 पैसे बढ़कर 90.16 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 301.93 अंक या 0.36 प्रतिशत चढ़कर 84,878.17 पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार के दौरान, यह 715.17 अंक या 0.85 प्रतिशत गिरकर 82,861.07 पर आ गया था, जिससे 83,000 का स्तर टूट गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 106.95 अंक या 0.42 प्रतिशत बढ़कर 25,790.25 पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में बेंचमार्क 209.9 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 25,473.40 पर आ गया था। पिछले पांच कारोबारी दिनों में, बीएसई बेंचमार्क 2,185.77 अंक या 2.54 प्रतिशत गिर गया, और निफ्टी 645.25 अंक या 2.45 प्रतिशत लुढ़क गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। दूसरी ओर, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो और एचडीएफसी बैंक पिछड़ गए।

अमेरिका ने दिखाई आंख तो भारत को मिला चीन का साथ, ट्रेड में निभाया पड़ोसी वाला फर्ज

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका भारत समेत चीन और बीजिंग पर 500 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा है। भारत पर पहले से ही 50 फीसदी टैरिफ लगा हुआ है। ऐसे में भारत व्यापारियों को अमेरिका सामान भेजने में काफी परेशानी हो रही है। उन्हें इसकी ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। इसका असर व्यापार पर दिखाई दे रहा है। अमेरिका ने जहां टैरिफ के जरिए भारत का व्यापार रोकने की कोशिश की है, वहीं ऐसे समय में पड़ोसी देश चीन ने भारत का साथ दिया है। अमेरिका को होने वाले एक्सपोर्ट में जहां कुछ कमी आई है तो वहीं चीन को भारत का एक्सपोर्ट बढ़ गया है। कॉमर्स मिनिस्ट्री के आंकड़ों के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी चीजों की भी चीन को होने वाली सप्लाई में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अप्रैल से नवंबर के बीच भारत की कुल निर्यात वृद्धि में अकेले चीन का योगदान 40% रहा। यह बढ़ोतरी कई तरह के प्रोडक्ट की वजह से हुई है।

एक्सपोर्ट में कितनी आई तेजी

फाइनेंशियल एक्सप्रेस के मुताबिक अप्रैल से नवंबर के दौरान चीन को भारत का कुल एक्सपोर्ट पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 32.8% बढ़कर 12.22 अरब डॉलर हो गया। वहीं इसी अवधि में भारत का कुल निर्यात सिर्फ 2.6% ही बढ़ा। अप्रैल-नवंबर में चीन का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा बढ़कर 5.8% हो गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1 फीसदी ज्यादा है। अकेले नवंबर 2025 में चीन को निर्यात 90% बढ़कर 2.2 अरब डॉलर हो गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में भी बड़ा उछाल

इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के निर्यात में भी काफी इजाफा हुआ। फ्लैट पैनल डिस्प्ले मॉड्यूल का निर्यात इस साल चीन के लिए शुरू हुआ। अप्रैल-अक्टूबर में, पिछले साल जहां इस आइटम का निर्यात शून्य था, वहीं इस साल यह 246.3 मिलियन डॉलर रहा। पॉपुलेटेड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड का निर्यात अप्रैल-अक्टूबर में 898% बढ़कर 922.4 मिलियन डॉलर हो गया। यह पिछले साल 23.9 मिलियन डॉलर था। टेलीफोनी के लिए अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरणों के निर्यात में 189.5 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई।

इन चीजों के निर्यात में भी तेजी

कृषि उत्पादों के निर्यात में भी तेजी आई। अप्रैल-अक्टूबर में सूखी मिर्च का निर्यात 105.4 मिलियन डॉलर बढ़ा, हरी मूंग 77.2 मिलियन डॉलर बढ़ी और तेल-खली के अवशेष 102.8 मिलियन डॉलर ज्यादा रहे। बेस मेटल निर्यात में भी बढ़ोतरी हुई। एल्यूमीनियम निर्यात 121.2 मिलियन डॉलर बढ़ा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर कल होगा कुछ बड़ा! शेयर मार्केट ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)। सोमवार सुबह शेयर मार्केट में आई बड़ी गिरावट दोपहर 1 बजते-बजते खत्म हो गई। एक समय बीएसई सेंसेक्स जहां 700 अंक से ज्यादा गिर गया था, 1:10 बजे यह 30 अंक से ज्यादा ऊपर चढ़ गया। निफ्टी 50 ने भी 35 अंकों से ज्यादा की बढ़त बना ली। मार्केट में तेजी अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बात कही। सर्जियो गोर ने सोमवार को दिल्ली में अपना पदभार संभालने के बाद उन्होंने संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर बातचीत जारी रहेगी। गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका व्यापारिक मुद्दों पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बातचीत का अगला दौर कल यानी 13 जनवरी को होने की उम्मीद है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टैरिफ और बाजार पहुंच को लेकर मतभेद होने के बावजूद दोनों पक्ष लगातार संपर्क में हैं।

भारत को मिलेगा निमंत्रण

एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए गोर ने कहा कि भारत को अगले महीने अमेरिका के नेतृत्व वाले पैक्ससिलिका ग्रुप में पूर्ण सदस्य

के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। यह कदम वैश्विक प्रौद्योगिकी और इनोवेशन के क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। पैक्ससिलिका एक अमेरिकी नेतृत्व वाली रणनीतिक पहल है जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा इनपुट से लेकर एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, एआई और लॉजिस्टिक्स तक एक सुरक्षित, समृद्ध और इनोवेशन संचालित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है।

ट्रेड डील को लेकर क्या बोले?

भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापारिक बातचीत पर भी गोर ने बात की। उन्होंने माना कि यह एक मुश्किल काम है, लेकिन वे इसे पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, 'आप में से कई लोग व्यापार समझौते के बारे में जानना चाहते हैं। दोनों पक्ष लगातार बातचीत कर रहे हैं।

भारत ने अचानक पलट दी बाजी?

अमेरिका और यूरोप के साथ डील पर आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। निराशा के बीच अचानक आशा की किरण फूट पड़ी है। संकेत मिलते ही शेयर बाजार ने सोमवार को इस पर अपना रिएक्शन दिया। अब भारत की तरफ से बड़ा अपडेट सामने आया है। यह सिर्फ अमेरिका के साथ ट्रेड डील तक सीमित नहीं है। अलबत्ता, यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) तक जाता है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया है कि भारत और ईयू के बीच व्यापार समझौते की बातचीत अंतिम चरण में है। वहीं, अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत जारी है। उन्होंने यह बात गुजरात के राजकोट में क्षेत्रीय एमएसएमई कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के तौर पर कही। यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ दिन पहले ही भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपनी व्यापार वार्ताओं में 'अच्छी प्रगति' की बात कही थी। इस महीने की शुरुआत में ब्रसेल्स में गोयल और यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक की मुलाकात के बाद यह प्रगति हुई थी। दोनों पक्षों ने कहा था कि अनसुलझे मुद्दे कम हो गए हैं। उन्होंने जल्द से जल्द एक निष्पक्ष और संतुलित समझौते

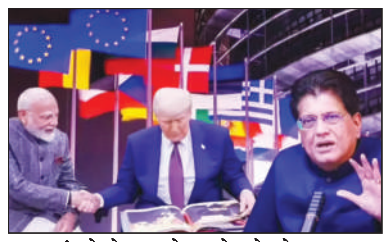

पर पहुंचने के अपने इरादे को दोहराया था। ब्रसेल्स में हुई इस बैठक के दौरान गोयल और सेफकोविक ने अपनी बातचीत टीमों को चर्चा में तेजी लाने और लंबित मामलों को सुलझाने का निर्देश दिया था। पिछले कुछ सालों में कई दौर की बातचीत हुई है। समझौते का टारगेट इस महीने के अंत में नई दिल्ली में होने वाली अगली भारत-यूरोपीय संघ शिखर बैठक से पहले इसे अंतिम रूप देना है। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। साल 2024-25 में दोनों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 136 अरब डॉलर से ज्यादा था।गोयल का बयान भारत और अमेरिका के बीच व्यापार मुद्दों पर चल रही बातचीत के बीच आया है। सोमवार को अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भी बातचीत को लेकर उम्मीद जताई। भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर कई दौर की बातचीत की है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		
सुर्य	धनु	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	धनु	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मकर	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
धनु.....	04-52	बजे
मकर...	06-58	बजे
कुंभ....	08-48	बजे
मीन....	10-27	बजे
मेष.....	12-03	बजे
वृष....	13-47	बजे
मिथुन..	15-49	बजे
कर्क...	18-00	बजे
सिंह---	20-13	बजे
कन्या--	22-19	बजे
तुला---	00-24	बजे
वृश्चिक..	02-34	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **06-52**
भोग्य कलि वर्ष. - **426874** सूर्यास्त. **17-56**
कलियुग संवत् - **5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- **1955885126**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - माघ कृष्ण पक्ष मंगलवार **13 January 2026**
तिथि - दशमीं **15-18** तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - विशाखा **00-06** रात्रि तक उप अनुराधा
योग - शूल **19-04** तक उप. गण्ड
करण - विष्टी (भद्रा) **15-18** तक उप. बव

लोहड़ी पर्व पंजाब
कल संक्रांति पर्व

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
15-12
16-36

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-52 - 08-14	अशुभ
उत्पात	08-14 - 09-38	अशुभ
चंचल	09-38 - 11-01	शुभ
लाभ	11-01 - 12-25	शुभ
अमृत	12-25 - 13-49	शुभ
काल	13-49 - 15-12	अशुभ
शुभ	15-12 - 16-36	शुभ
रोग	16-36 - 17-56	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	18-56 - 19-36	शुभ
लाभ	19-36 - 21-12	शुभ
उत्पात	21-12 - 22-49	अशुभ
शुभ	22-49 - 00-25	अशुभ
अमृत	00-25 - 02-01	शुभ
चंचल	02-01 - 03-38	अशुभ
रोग	03-38 - 05-14	शुभ
काल	05-14 - 06-52	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपका करियर चमकने वाला है, काम पर आपकी अंतर्ज्ञान और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलेगा। आप आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव करेंगे, जिससे आप साहसिक कदम उठा सकेंगे। मान्यता और उपलब्धि की अपेक्षा करें। लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें, सफल परिणाम सुनिश्चित करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आप महत्वाकांक्षा और भावनाओं के बीच खींचतान महसूस कर सकते हैं। संघर्ष या टकराव आपके सामान्य दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन नए विचार सफलता दिला सकते हैं। आत्म-जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करें और पेशेवर तनावों को विकास के अवसरों में बदलें। इन पलों को अपने दृष्टिकोण को निखारने दें और काम और पढ़ाई में सफलता की ओर ले जाएँ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज नेतृत्व स्वाभाविक लगता है, लेकिन सटीकता सफलता की कुंजी है। कार्यस्थल पर सामंजस्य चुनौतियों का सामना कर सकता है, खासकर शैली या राय में मतभेदों के कारण। अनकही अंतर्दृष्टि आपके पेशेवर मार्ग का मार्गदर्शन कर सकती है, जो अप्रत्याशित दिशा प्रदान करती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपकी रचनात्मकता और नए विचार आपको काम पर अलग पहचान दिलाने में मदद करते हैं। अपने पेशेवर रिश्तों में सामंजस्य पर ध्यान दें, क्योंकि यह विकास और सफलता का समर्थन करता है। किसी भी तनाव को शांत और विचारशील संचार का उपयोग करके सावधानी से संभालें। एक संतुलित, निष्पक्ष दृष्टिकोण आपको आज पढ़ाई और काम दोनों को सुचारू रूप से प्रबंधित करने में मदद करेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपकी रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। नए विचार आपके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं, और स्पष्ट संचार आपकी प्रगति को बढ़ावा देता है। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध टीमवर्क को आसान बनाते हैं। अपने विचारों को खुलकर साझा करने से संबंध मजबूत होते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज आप अपने काम से भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास आपको चमकने में मदद करता है, लेकिन विचारों या कार्यों के साथ अति करने से सावधान रहें। रिश्तों को अच्छी तरह से संभालने के लिए विचारशील संचार महत्वपूर्ण है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन के मेल से आपका कार्य जीवन सुचारू रूप से चलता रहेगा। आप केंद्रित और स्पष्ट सोच महसूस करेंगे, जिससे कार्यों को निपटाना और समस्याओं का समाधान करना आसान हो जाएगा। यह आंतरिक सामंजस्य उत्पादक सहयोग और निर्णय लेने में सहायक होता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपका करियर दिग्गजों से प्रभावित होगा। आपमें कर्तव्य की भावना बढ़ सकती है। धैर्य रखना ज़रूरी होगा, संभवतः इससे आंतरिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी भी बाधा से निपटने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है। संकोच और बीमारी के प्रति सतर्क रहें, और अपने काम की ज़िम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपका करियर गतिशील रहेगा। आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, जिससे आप विभिन्न परिस्थितियों में काम कर सकेंगे। हालाँकि, संभावित असहिष्णुता और बेहद ईमानदार संचार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहें। अपने काम और पढ़ाई के दौरान अपने कार्यों की कीमत के प्रति भी सावधान रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दिसंबर में सांस एलर्जी और अस्थमा की दवा 1,950 करोड़ बिकी! टूट गए बिक्री के सारे रेकॉर्ड

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)। देश के शहरों में बढ़ रही प्रदूषण का असर सीधे-सीधे मेडिकल बिलों में नजर आ रहे है। दिसंबर 2025 में सांस से जुड़ी दवाइयों जैसे एलर्जी और अस्थमा की दवाओं की बिक्री 1,950 करोड़ रुपये के पार चली गई। यह अब तक का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है जो प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते खतरे का संकेत दे रहा है। मार्केट रिसर्च फर्म फार्मारैक के आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2025 में इन दवाओं की बिक्री दिसंबर 2024 की तुलना में 10% और दिसंबर 2023 की तुलना में 18% ज्यादा रही। इससे साफ है कि सांस से जुड़ी बीमारियों का प्रकोप हर साल बढ़ रहा है। अक्टूबर से दिसंबर के दौरान प्रदूषण सबसे ज्यादा होता है। इस तिमाही के

दौरान दवाओं की बिक्री 2024 की तुलना में 14% और 2023 की तुलना में 8% ज्यादा रही। इस तिमाही में सांस से जुड़ी बीमारियों की दवाओं की कुल बिक्री 5,620 करोड़ रुपये से ज्यादा रही। यह पिछली तिमाही से 17% ज्यादा है। इसमें से करीब 3,500 करोड़ रुपये सिर्फ अस्थमा और सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) की दवाओं से आए। सीओपीडी एक ऐसी बीमारी है जिसमें सांस लेने में बहुत दिक्कत होती है।

सबसे ज्यादा बिकने वाली दवा

सर्दी के महीनों में अस्थमा और सांस की दूसरी समस्याओं के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा फोराकोर्ट भी सबसे ज्यादा बिकने वाली दवाओं में से एक रही। दिसंबर में यह दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली दवा थी। इसकी बिक्री 90 करोड़ रुपये रही। सबसे ज्यादा बिकने वाली दवा वजन घटाने वाली 'मौनजारो' थी। कुल मिलाकर भारत में दवाओं का बाजार सालाना 2.4 लाख करोड़ रुपये का है।

प्रदूषण की समस्या

इन महीनों में इस्तेमाल होने वाली दूसरी आम दवाएं ऑगमेंटिन और पैरासिटामोल हैं। जीएसके फार्मा इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर से फरवरी का समय आमतौर पर सांस की बीमारियों के मौसम से जुड़ा होता है। इस वजह से इन महीनों में इन दवाओं की मांग बढ़ जाती है। यह ट्रेंड देश के अलग-अलग हिस्सों में भी देखा जा रहा है। उत्तर और दक्षिण भारत में बिक्री लगभग बराबर है।

फामरैक ने अपनी नवंबर की रिपोर्ट में कहा कि कई इलाकों में महीने-दर-महीने डबल-डिजिट ग्रोथ देखी गई है। इससे पता चलता है कि सर्दियों में होने वाली बीमारियां अब सिर्फ मौसमी नहीं हैं, बल्कि सर्दियों में बढ़ता प्रदूषण एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन गया है।

सब्जियों-दालों के दाम बढ़ने से दिसंबर में महंगाई बढ़ी

3 महीने में सबसे ज्यादा, 1.33% पर पहुंची, नवंबर में 0 .71% थी

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। दिसंबर में रिटेल महंगाई पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 1.33% के स्तर पर पहुंच गई है। ये तीन महीनों का हाई लेवल है। इससे पहले नवंबर में ये 0.71% पर थी, जो 14 साल में सबसे कम स्तर रहा था। वहीं अक्टूबर में ये 0.25% पर थी, जो 14 साल में सबसे कम स्तर था। दिसंबर में महंगाई में बढ़ोतरी दाल, सब्जियों, मांस-मछली, अंडे और बिजली के दाम बढ़ने से हुई है। सरकार ने सोमवार, 12 जनवरी को महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।महंगाई के बास्केट में लगभग 50% योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई माइनस माइनस 3.91% से बढ़कर माइनस 2.71% हो गई है। नवंबर महीने में ग्रामीण महंगाई दर 0.10% से बढ़कर 0.76% हो गई है। वहीं शहरी महंगाई 1.40% से बढ़कर 2.03% पर हो गई है।

अक्टूबर में 14 साल के निचले स्तर पर थी रिटेल महंगाई

अक्टूबर में रिटेल महंगाई 0.25% के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई थी। इसका कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों में कमी थी। ये वर्तमान सीपीआई सीरीज में अब तक की सबसे कम महंगाई थी। यानी, ये करीब 14 साल का निचला स्तर रहा था। इससे पहले सितंबर में ये 1.44% पर थी। भारत में सीपीआई की मौजूदा सीरीज 2012 के बेस ईयर पर बेस्ड है। मतलब, 2012 की कीमतों को 100 मानकर तुलना की जाती है। पहले 2010 या 1993-94 वाली सीरीज थीं, लेकिन समय के साथ अपडेट होती रहती है ताकि आंकड़े सही रहें। हर नई सीपीआई सीरीज में बेस ईयर चेंज होता है। सीपीआई सीरीज यानी कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स सीरीज। ये महंगाई मापने का सरकार का सिंपल तरीका है। आसान शब्दों में कहे तो, ये बताता है कि रोजमर्रा की चीजें जैसे दूध, सब्जी, पेट्रोल कितनी महंगी या सस्ती हो रही हैं। बेस ईयर से तुलना करके % में आंकड़ा आता है। बेस ईयर वो साल होता है जिसकी कीमतों को आधार (बेस) माना जाता है। यानी, उसी साल की चीजों की औसत कीमत को 100 का मान देते हैं। फिर, दूसरे सालों की कीमतों की तुलना इसी बेस ईयर से की जाती है। इससे पता चलता है कि महंगाई कितनी बढ़ी या घटी है।उदाहरणः मान लीजिए 2020 बेस ईयर है। उस साल एक किलो टमाटर 50 का था। अब 2025 में वो 80 का हो गया। तो महंगाई = (80 - 50) / 50 × 100 = 60% बढ़ी। यही फॉर्मूला सीपीआई में यूज होता है, लेकिन ये पूरे बाजार की चीजों पर लागू होता है।

चांदी की कीमत एक दिन में 14 हजार बढ़ी

सोना 2,883 बढ़कर 1.40 लाख 10 ग्राम बिक रहा; दोनों ऑल टाइम हाई पर

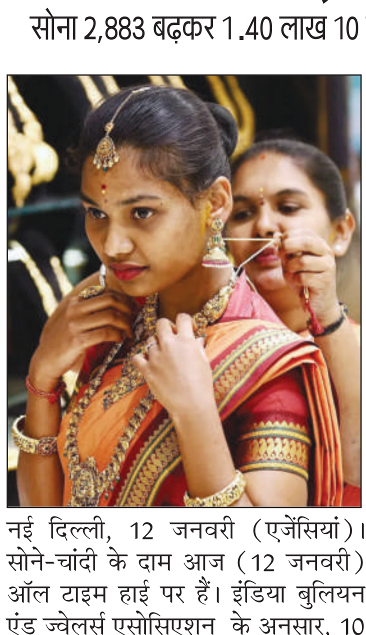

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज (12 जनवरी) ऑल टाइम हाई पर हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 2,883 रुपए बढ़कर 1,40,005 रुपए पहुंच गया है। कल यह 1,37,122 रुपए/10g पर था। इससे पहले 29 दिसंबर 2025 को सोने की कीमत 1,38,161 रुपए प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर थी।

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 14,475 रुपए बढ़कर 2,57,283 रुपए पर आ गई है। कल इसकी कीमत 2,42,808 रुपए किलो थी। इससे पहले 7 जनवरी को चांदी की कीमत 2,48,000 रुपए प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई पर थी।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता।

इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं।

इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

चाइनीज मांझे पर सख्ती

दुकानों से प्रतिबंधित मांझा जब्त, 10 हजार लगा जुर्माना निगम और पर्यावरण संरक्षण मंडल ने की संयुक्त कार्रवाई

रायपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर नगर निगम ने चाइनीज मांझे से हो रहे हादसों के बीच कार्रवाई की है। निगम के जोन-1 और जोन-5 की टीम ने छत्तीसगढ़ राज्य पर्यावरण संरक्षण मंडल के साथ मिलकर पतंग दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिबंधित चाइनीज मांझा मिलने पर उसे तुरंत जब्त किया गया। दुकानदारों पर जुर्माना भी लगाया गया।

जोन-1 इलाके के बाल गंगाधर तिलक वार्ड (क्रमांक-18) में प्रयास हॉस्टल गुढियारी के पास दो पतंग दुकानों की जांच की गई। निरीक्षण वार्ड पार्षद सोहन साहू और जोन स्वास्थ्य अधिकारी खेमराज देवांगन की मौजूदगी में हुआ।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बरामद

दोनों दुकानदारों पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना

कुल जुर्माना: 10 हजार रुपए

भविष्य में सख्त कार्रवाई की चेतावनी

गोगांव में जब्त किया गया प्रतिबंधित मांझा

गोगांव में जब्त किया गया प्रतिबंधित मांझा

जोन 5 में सड़क किनारे लगी दुकानें हटाई गईं

जोन 5 क्षेत्र में घासीदास प्लाजा, आमापारा मार्ग पर सड़क किनारे लगी पतंग दुकानों की जांच की गई। यहां भी प्रतिबंधित चाइनीज मांझा मिलने पर तत्काल जब्ती की गई। दुकानों को सड़क से हटाया गया। व्यवस्था सुधार के निर्देश देने के साथ ही नियम उल्लंघन पर आगे कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

नगर निगम ने सभी पतंग दुकान संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि आगे कहीं भी चाइनीज मांझा मिला तो नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लाखेनगर इलाके में रविवार शाम करीब 5 बजे प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला पैदल मंदिर जा रही थी, तभी उड़ता हुआ मांझा उनके चेहरे में फंस गया। मांझा हटाने की कोशिश में होंठ और अंगूठे में गहरे कट लग गए। महिला लहूलुहान हो गई, बाद में अस्पताल में 10 टांके लगे।

स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद कर मांझा हटाया और महिला को अस्पताल पहुंचाया। आशंका जताई जा रही है कि यह प्रतिबंधित चाइनीज मांझा था। इलाज के बाद महिला को छुट्टी दे दी गई। नगर निगम का दावा है कि शहर में चाइनीज मांझा नहीं बिक रहा और लगातार छापेमारी की जा रही है।

27 दिसंबर को नगर निगम की टीम ने शहर की कई दुकानों में छापेमारी की थी।

छात्र की चाकू घोंपकर हत्या, 2 घायल

दो गुटों में झड़प-मारपीट और चाकूबाजी, छोटी सी बात पर शुरू हुआ था विवाद

पटना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पटना सिटी में सोमवार को छात्रों के 2 गुटों में जमकर चाकूबाजी हुई है। इसमें एक 25 साल के छात्र की हत्या कर दी गई जबकि 2 घायल हैं। घटना सिटी के भगत सिंह चौक इलाके की है।

मृतक की पहचान भगत सिंह चौक निवासी बिट्टू कुमार (25) के रूप में हुई है। वहीं, राकेश कुमार और अंकित कुमार घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही चौक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

चौक थाना प्रभारी राजकिशोर कुमार ने बताया कि छात्रों के दो गुटों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद यह चाकूबाजी की घटना हुई। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोमवार दोपहर भगत सिंह चौक पर किसी बात को लेकर कुछ छात्र आपस में उलझ गए।

दंतैल हाथी का आतंक, 22 लोगों की मौत

तीन दिन से ड्रोन भी ट्रैक नहीं कर पा रहा ग्रामीण रात में जाग पहरेदारी करने को मजबूर

चाईबासा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले और ओडिशा सीमा से सटे इलाकों में एक दंतैल हाथी (दो दांत वाला हाथी) का आतंक पिछले 11 दिनों से जारी है। इस हाथी के हमलों में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई ग्रामीण घायल हुए हैं।

झारखंड और ओडिशा की संयुक्त वन विभाग टीम, विशेषज्ञों और ड्रोन कैमरों के बावजूद सोमवार को तीसरे दिन भी हाथी की सटीक लोकेशन का पता नहीं चल पाया है।

वन विभाग के अनुसार, शुक्रवार को मझगांव प्रखंड के बेनीसागर इलाके में दंतैल हाथी लगभग 12 घंटे तक एक ही स्थान पर रहा था। इसके बाद से उनका लोकेशन ट्रैक नहीं हो पा रहा है।

शुक्रवार को उसे ट्रैंकुलाइज कर पकड़ने की पूरी तैयारी की गई थी, लेकिन घने जंगल और तकनीकी बाधाओं के कारण यह ऑपरेशन सफल नहीं हो सका। इसके बाद हाथी ओडिशा सीमा की ओर स्थित काजू बागानों में चला गया, जिससे उसका मूवमेंट ट्रैक करना और भी मुश्किल हो गया है। हाथी के लगातार आतंक से बेनीसागर, खड़पोस और आसपास के गांवों में ग्रामीणों में भारी दहशत है। लोग रात में अपने घरों में अकेले सोने से डर रहे हैं। कई गांवों में महिलाएं और बच्चे सुरक्षित पक्के मकानों में शरण ले रहे हैं, जहां 15 से 20 लोग एक साथ रात गुजार रहे हैं। वहीं, गांव के पुरुष मशाल और टॉर्च लेकर पूरी रात पहरेदारी कर रहे हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना से समय रहते बचाव किया जा सके। चाईबासा के डीएफओ आदित्य नारायण ने बताया कि बेनीसागर और खड़पोस क्षेत्र में वन विभाग की तीन टीमें और SOS की विशेषज्ञ टीम लगातार निगरानी कर रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि अलग-अलग स्थानों से हाथी देखे जाने की सूचनाएं मिल रही हैं, लेकिन जांच के बाद कई सूचनाएं अफवाह साबित हो रही हैं, जिससे सर्च ऑपरेशन में बाधा आ रही है।

हर दिन पेट भर भोजन मिलेगा

हिन्दू महिलाओं को लालच देकर करा रहा था धर्मांतरण, प्रार्थना सभा में पहुंच गई पुलिस

बिलासपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक बार फिर से धर्मांतरण का मामला सामने आया है। यहां लोगों को लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। पुलिस ने रविवार को प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण कराने वाले पास्टर को गिरफ्तार कर लिया है। पास्टर अपने घर पर बड़ी संख्या में महिलाओं और युवतियों को बुलाया था और प्रार्थना सभा कर रहा था।

मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र के मल्हार चौकी का है। यहां के डबहापारा इलाके के एक मकान में रविवार को प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी। इस प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां मौजूद थीं। यहां पास्टर रामकुमार केवट महिलाओं को धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रलोभन दे रहा था। वह दावा कर रहा था कि बीमारियों को ठीक कर देगा।

मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी लालचंद मोहिले ने बताया कि एक मकान में रविवार को प्रार्थना सभा आयोजित होने की जानकारी मिली थी। वहां रहने वाला रामकुमार केवट अपने घर की छत पर बने हाल में मोहल्ले और आसपास की महिलाओं-युवतियों को बुलाकर प्रार्थना सभा कर रहा था। इस सभा में बड़ी संख्या में हिन्दू लोग शामिल हुए थे।

पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ की। जांच में पता चला कि सभा में आसपास के हिंदू लोगों को बड़ी संख्या में बुलाया गया था। रामकुमार केवट लोगों को यह भरोसा दिला रहा था कि विशेष प्रार्थना से वर्षों पुरानी बीमारियां ठीक हो जाती हैं। इसके साथ ही वह कह रहा था कि ईसाई धर्म को अपनाने से उन्हें रोज पेट भर भोजन के साथ-साथ भौतिक लाभ भी मिलेगा।

कांग्रेस सरकार में 540 करोड़ की अवैध वसूली

रिश्वत देने और चुनाव में खर्च किए पैसे, ईडी का कोल घोटाले में बड़ा दावा

रायपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कोयला लेवी घोटाले को लेकर बड़ा दावा किया है। ईडी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान हुई अवैध कोयला लेवी घोटाले से 540 करोड़ रुपये की वसूली की गई थी। इस वसूली का एक हिस्सा चुनाव संबंधी खर्चों को पूरा करने और राजनीतिक दलों के नेताओं और नौकरशाहों को रिश्वत देने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

जांच एजेंसी ने अपने बयान में कहा कि उसने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में उप सचिव के पद पर कार्यरत रहीं निलंबित राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सौम्या चौरसिया और एक अन्य व्यक्ति की कुल 2.66 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। यह कार्रवाई मनी लॉड्रिंग के जांच के तहत की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि सौम्या चौरसिया की कुल आठ अचल संपत्तियों, भूमि भूखंडों और आवासीय फ्लैटों को अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। इन संपत्तियों को सौम्या चौरसिया और निखिल चंद्राकर ने कोयला लेवी की अवैध वसूली और अन्य जबरन वसूली गतिविधियों से पाई गई रकम से अपने रिश्तेदारों के नाम से खरीदा था। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 2.66 करोड़ रुपये है।

ईडी का दावा है कि छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेताओं और नौकरशाहों की मिलीभगत से निजी व्यक्तियों के एक समूह ने जुलाई 2020 से जून 2022 के दौरान कोयला ट्रांसपोर्टरों से 25 रुपये प्रति टन की दर से वसूली करने के लिए एक गिरोह बनाया था। एजेंसी का आरोप है कि इस गिरोह द्वारा 540 करोड़ रुपये अवैध रूप से एकत्र किए गए थे। कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए अपनी सरकार के खिलाफ लगाए गए इन इल्जामों में राजनीतिक साजिश का दावा किया था। ईडी ने आरोप लगाया गया है, 'जबरन वसूली गई नकदी का इस्तेमाल सरकारी अधिकारियों और नेताओं को रिश्वत देने, चुनाव संबंधी खर्चों को पूरा करने और चल एवं अचल संपत्तियों को खरीदने के लिए किया गया था।'

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार में एक प्रभावशाली नौकरशाह के रूप में जानी जाने वाली चौरसिया और दस अन्य लोगों को इस मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। बाद में चौरसिया को उच्चतम न्यायालय से जमानत मिल गई।

इस मामले में एजेंसी ने अब तक 35 व्यक्तियों और कंपनियों के नाम पर पांच आरोपपत्र दाखिल किए हैं।

मौसम विभाग ने झारखंड के कुछ हिस्सों के लिए जारी किया शीतलहर का अलर्ट

रांची, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने झारखंड के कुछ हिस्सों में 13 से 16 जनवरी के बीच शीत लहर की आशंका के मद्देनजर 'येलो अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी के बुलेटिन के अनुसार, गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा और गुमला जिलों के लिए 13 से 16 जनवरी तक 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। वहीं, हजारीबाग जिले में 14 से 16 जनवरी के बीच शीत लहर की चेतावनी दी गई है। आईएमडी ने बताया कि रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक झारखंड के कई हिस्सों में शीत लहर की स्थिति दर्ज की गई, जहां राज्य के आठ जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया।

बुलेटिन के अनुसार, राज्य में सबसे कम तापमान गुमला में 2.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पलामू में 4.9 डिग्री और खूंटी में 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। आईएमडी के रांची केंद्र के उपनिदेशक अभिषेक आनंद ने कहा कि झारखंड के ऊपर वायुमंडल की ऊपरी सतहों में उत्तर-पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जिसके कारण राज्य के कई जिलों में शीत लहर की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने बताया कि अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है, जबकि इसके बाद अगले तीन दिनों में तापमान में धीरे-धीरे दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। रांची में शनिवार को न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि चाईबासा में यह 10.2 डिग्री और जमशेदपुर में 11.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

आरसीपी सिंह की जेडीयू में हो सकती है वापसी

पूर्व केंद्रीय मंत्री बोले- मेरा नीतीश कुमार के साथ 25 साल का रिश्ता, उन्हें भारत रत्न मिले

पटना, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय आरसीपी सिंह की जदयू में वापसी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। ये कयास लगाए जा रहे हैं कि खरमास बाद जदयू से निकाले गए आरसीपी सिंह एक बार फिर से नीतीश कुमार के साथ दिख सकते हैं।

दरअसल, रविवार को पटेल सेवा संघ की तरफ से दही-चूड़ा भोज का कार्यक्रम था। इसमें सीएम नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह दोनों पहुंचे। दोनों के पहुंचने की टाइमिंग में थोड़ा सा ही फर्क था। मंच पर भी दोनों एक साथ नहीं दिखे। लेकिन कार्यक्रम से निकलने के बाद आरसीपी सिंह ने जो बयान दिया वो चर्चा में है।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में आरसीपी सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना अभिभावक बताया। उन्होंने कहा कि उनका रिश्ता किसी एक मौके या पद से जुड़ा नहीं है।

जब आरसीपी सिंह से सवाल किया गया कि, नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह साथ आ सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि, खरमास के बाद आपकी जेडीयू में वापसी होगी? इस पर उन्होंने कहा कि, यह आपको जल्द ही पता चल जाएगा। आरसीपी सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने की मांग का भी समर्थन किया।

63 वर्षीय सिंह आरसीपी मूल रूप से नालंदा के रहने वाले हैं, यहीं से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी हैं। दोनों कुर्मी समाज से आते हैं।

राजनीति में आने से पहले आरसीपी सिंह उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी रह चुके हैं। बताया जाता है कि 1996 में जब नीतीश कुमार केंद्र में अटल सरकार में मंत्री थे तो उसी दौरान उनकी नजर आरसीपी सिंह पर पड़ी।

इस दौरान आरसीपी सिंह केंद्रीय मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा के निजी सचिव थे। इसके बाद नीतीश कुमार जब रेल मंत्री बने तो उन्होंने अपना विशेष सचिव बनाया। 2005 में जब बिहार विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने आरसीपी सिंह को दिल्ली से बिहार बुला लिया। 2005 से 2010 के बीच आरसीपी सिंह नीतीश कुमार के प्रधान सचिव रहे। इस दौरान पार्टी में आरसीपी सिंह की पकड़ मजबूत होने लगी।

धीरे-धीरे पार्टी में उनका कद बढ़ता गया और वे नीतीश के बाद नंबर-2 के नेता बने गए थे।

कोयला घोटाला: सौम्या-निखिल की 2.66 करोड़ की संपत्ति कुर्क

ईडी ने जमीन-फ्लैट समेत 8 प्रॉपर्टी अटैच की, रिश्तेदारों के नाम पर किया था इन्वेस्ट

रायपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कोयला लेवी घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सौम्या चौरसिया और निखिल चंद्राकर की 8 संपत्तियों को अटैच किया है। ईडी के रायपुर जोनल ऑफिस ने बताया कि कोल लेवी मामले में 2.66 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है। इन संपत्तियों में जमीन और आवासीय फ्लैट शामिल हैं।

ईडी के अनुसार, ये संपत्तियां आरोपी सौम्या चौरसिया और निखिल चंद्राकर ने अपने रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी थी। जांच में सामने आया है कि, इन संपत्तियों की खरीदी अवैध कोयला लेवी और अन्य उगाही गतिविधियों से अर्जित आय से की गई थी। इस केस में ईडी अब तक कुल 273 करोड़ की संपत्ति अटैच कर चुकी है।

जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने अवैध कोयला परिवहन और व्यापार से जुड़ी गतिविधियों पर लेवी वसूली और जबरन वसूली के जरिए भारी रकम जुटाई।

इसी अवैध धन को बाद में रियल एस्टेट में निवेश किया गया। ईडी ने इन संपत्तियों को 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' मानते हुए कुर्क किया है। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि, कारोबारियों के साथ मिलकर कांग्रेस सरकार के दौरान नेता और अधिकारियों की मिलीभगत से जुलाई 2020 से जून 2022 के बीच कोयला परिवहन करने वालों से प्रति टन 25 रुपए के हिसाब से अवैध वसूली की गई। इस अवधि में करीब 540 करोड़ रुपए की अवैध राशि वसूली गई।

ईडी के मुताबिक, इस नकदी का इस्तेमाल सरकारी अधिकारियों और नेताओं को रिश्वत देने, चुनावी खर्चों की फंडिंग और चल-अचल संपत्तियों की खरीद में किया गया। ईडी अब तक कोयला घोटाले मामले में 273 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियों की पहचान कर उन्हें अटैच कर चुकी है। जांच के दौरान 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि 35 आरोपियों के खिलाफ 5 चार्जशीट स्पेशल कोर्ट में दायर की जा चुकी हैं। ईडी ने यह जांच बेंगलुरु पुलिस की एफआईआर, आयकर विभाग की शिकायत और छत्तीसगढ़ ईओडब्ल्यू/एसीबी रायपुर की एफआईआर के आधार पर शुरू की थी।

धान का टोकन न मिलने पर किसान ने पिया कीटनाशक

सांसद पहुंची अस्पताल, जाना हाल

कोरबा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। धान बिक्री के लिए टोकन न मिलने की समस्या से जूझ रहे 40 वर्षीय किसान सुमेर सिंह गोड़ ने कीटनाशक का सेवन कर लिया। उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

किसान ने तीन एकड़ 75 डिसमिल जमीन पर 68 क्विंटल से अधिक धान उगाई थी, लेकिन टोकन प्राप्त करने में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। फोन न होने के कारण उनकी समस्या और बढ़ गई थी।

कोरबी निवासी संजय श्रीवास्तव ने बताया कि सुमेर सिंह गोड़ को टोकन कटवाने के लिए कई दुकानों, पटवारी और तहसीलदार के पास चक्कर लगाने पड़े। पीए को आवेदन देने के बावजूद उन्हें मदद नहीं मिली। डेढ़ महीने तक समाधान न होने पर जनदर्शन में शिकायत के बाद भी समस्या का निस्तारण नहीं हुआ।

किसान की पत्नी मुकुंद बाई ने बताया कि देर रात करीब एक बजे उन्होंने कीटनाशक का सेवन कर लिया।

पड़ोसियों की मदद से उन्हें हरदी बाजार स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया।

सांसद ने सरकार पर साधा निशाना

घटना की जानकारी मिलते ही सांसद ज्योत्सना महंत मौके पर पहुंचीं। उन्होंने इसे बेहद दुखद बताते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। सांसद ने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में किसानों को ऐसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता था।

उन्होंने बताया कि उनके दौरे के दौरान भी कई किसानों के टोकन न कटने और रकबा न मिलने जैसी समस्याएं सामने आईं।

सांसद महंत ने कहा, जहां आदिवासी मुख्यमंत्री हैं, वहां आदिवासी किसान जहर खाने को मजबूर हो रहा है। गरीब आदमी जहर खाने को मजबूर है, और जब हमारे अन्नदाता खतरे में हैं, तो हम सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने भाजपा सरकार के दावों को कागजी और धरातलीय रूप से विफल बताते हुए शासन को पूरी तरह फेल बताया।

धनबाद में 'गैंग ऑफ वासेपुर' पर पुलिस का कड़ा एक्शन

नेटवर्क को उखाड़ फेंकने के लिए छापेमारी

धनबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के अपराध जगत में वासेपुर के कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान का नेटवर्क ध्वस्त करने के लिए धनबाद पुलिस ने सोमवार को तड़के जोरदार कार्रवाई की। सुबह करीब पांच बजे शहर के वासेपुर, पांडरपाला, भूली समेत कई संवेदनशील इलाकों में एक साथ छापेमारी शुरू की गई। यह अभियान प्रिंस के गुर्गों, उसे आर्थिक मदद देने वालों और सफेदपोश समर्थकों के खिलाफ था।

यह लोग लंबे समय से पुलिस की नजरों में थे। पुलिस के इस सघन अभियान का नेतृत्व सिटी एसपी और ग्रामीण एसपी ने संभाला। इसमे डीएसपी स्तर के कई वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस बल के साथ खुफिया इकाइयों की टीमें शामिल रहीं।

सूत्रों के अनुसार, दर्जन भर से अधिक ठिकानों पर दबिश दी गई। इन स्थानों से महत्वपूर्ण सुराग और सामग्री बरामद होने की उम्मीद है। यह कार्रवाई प्रिंस खान के गुर्गों और उसके पुराने नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए की जा रही है। प्रिंस के गुर्गे वासेपुर की सड़कों पर दहशत का पर्याय बने हुए हैं। वे प्रिंस खान के इशारे पर व्यवसायियों से रंगदारी वसूलतें हैं और प्रिंस खान तक पहुंचाते हैं।

53 की उम्र में गजब का जज्बा साइकिल रेसिंग में जीता गोल्ड मेडल

कोरबा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। एसईसीएल गेवरा स्टेडियम में आयोजित इंटर एरिया एथलेटिक्स प्रतियोगिता उस समय खास बन गई, जब गेवरा परियोजना में पदस्थ ओवरमैन यू.डी. (उमेशधर) दीवान ने 25 वर्षों बाद साइकिल रेसिंग में दमदार वापसी करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। जीत के बाद उन्होंने दोनों हाथ उठाकर दर्शकों का अभिवादन किया, जिस पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने तालियों और सीटियों से उनका जोरदार स्वागत किया।

प्रतियोगिता में साइकिल रेसिंग के लिए यू.डी दीवान का चयन गेवरा एरिया से हुआ था। उन्होंने बताया कि वे वर्ष 1994 से 2000 तक लगातार साइकिलिंग स्पर्धाओं में हिस्सा लेते रहे हैं और कंपनी स्तर पर कई बार सेकंड पोजीशन हासिल किया। उस दौर में उन्होंने गेवरा एरिया की ओर से खेलते हुए एसईसीएल का नाम रोशन किया था।

दीवान ने बताया कि वर्ष 2000 में विवाह के बाद पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते वे खेल से दूर हो गए। बच्चों की पढ़ाई और धर्मपत्नी की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में पूरा समय लगने के कारण वे साइक्लिंग को पर्याप्त समय नहीं दे पाए। बाद में उनकी पत्नी ने यूपीएससी में सफलता प्राप्त की और सेल टैक्स ऑफिसर के पद पर चयनित हुईं।

ट्रम्प ने खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति बताया

सोशल मीडिया ट्रुथ पर पोस्ट किया जनवरी 2026 से पद संभालने का जिक्र

वॉशिंगटन, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने खुद को वेनेजुएला का एक्टिंग प्रेसिडेंट बताया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट की है। इसमें ट्रम्प की तस्वीर के साथ एक्टिंग प्रेसिडेंट ऑफ वेनेजुएला (वेनेजुएला का अंतरिम राष्ट्रपति) लिखा है। पोस्ट में जनवरी 2026 से पद संभालने का जिक्र है।

इसके अलावा ट्रम्प ने खुद को अमेरिका के 45वें और 47वें राष्ट्रपति के तौर पर भी दिखाया है। पोस्ट को लेकर व्हाइट हाउस या अमेरिकी प्रशासन की ओर से कोई औपचारिक बयान नहीं आया है। इससे पहले 3 जनवरी को अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को हिरासत में लेकर न्यूयॉर्क लाया गया।

वेनेजुएला का प्रशासन अमेरिका ही चलाएगा

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वेनेजुएला का प्रशासन अमेरिका ही चलाएगा। यह तब तक चलेगा, जब तक वहां सुरक्षित सत्ता परिवर्तन नहीं हो जाता। ट्रम्प का कहना है कि वे यह जोखिम नहीं चाहते कि कोई ऐसा व्यक्ति सत्ता में आए जो वेनेजुएला के लोगों के हितों का ध्यान न रखे।

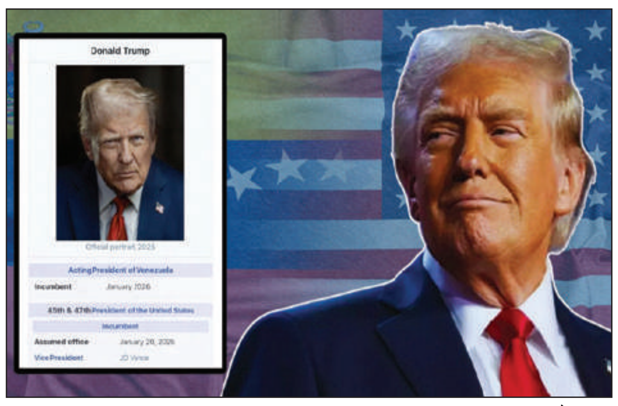

मादुरो के सत्ता से हटने के बाद वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को पिछले हफ्ते देश की अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई गई थी। ट्रम्प के मुताबिक, अंतरिम सरकार अमेरिका को 3 से 5 करोड़ बैरल हाई क्वालिटी वाला, प्रतिबंधित तेल सौंपेगी, जिसे मार्केट प्राइज पर बेचा जाएगा।

ट्रम्प ने कहा कि तेल बिक्री से मिलने वाली राशि अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में उनके कंट्रोल में रहेगी, ताकि इसका इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों के हित में किया जा सके। उन्होंने एनर्जी सेक्रेटरी क्रिस राइट को इस योजना को तुरंत लागू करने के निर्देश देने की बात भी कही है।

ट्रम्प ने एक्सॉन मोबिल, कोनोकोफिलिप्स, शेवरॉन जैसी बड़ी अमेरिकी कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि अमेरिका तय करेगा कि कौन सी कंपनियां वेनेजुएला में जाएंगी और निवेश करेंगी।

शेवरॉन के वाइस चेयरमैन मार्क नेल्सन ने कहा कि उनकी कंपनी वेनेजुएला में निवेश के लिए प्रतिबद्ध है और वह अभी भी वहां काम कर रही है। कई छोटी कंपनियां और निवेशक भी बैठक में शामिल हुए, जिन्होंने ट्रम्प की नीतियों की सराहना की और निवेश की इच्छा जताई।

व्हाइट हाउस की ओर से इस बात पर कोई रिस्पांस नहीं दिया गया कि प्रेस सेक्रेटरी की तरफ से शेयर इस पोस्ट को सरकारी पुष्टि माना जाए या नहीं। वहीं, वेनेजुएला के गृह मंत्रालय ने कहा है कि 3 जनवरी को हुई इस कार्रवाई में करीब 100 सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई थी, हालांकि यह साफ नहीं है कि इनमें से कितनी मौतें इस सीक्रेट हथियार से हुईं थीं।

अपहृत बच्चा 14 घंटे में बरामद

आरोपी महिला गिरफ्तार, बेटी की सूनी गोद भरने के लिए चार माह के बच्चे को चुराया था

जमशेदपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के कोवाली थाना क्षेत्र में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ढेगाम हाट बाजार से अगवा किए गए चार माह के बच्चे को मात्र 14 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में एक महिला आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने सोमवार को बताया कि आरोपी महिला झुमारानी मंडल (40) की बेटी की कोई संतान नहीं है। इस वजह से आरोपी महिला ने बच्चे की चोरी की और उसे अपनी बेटी को दे दिया।

यह घटना 11 जनवरी 2026 को हुई थी। रंगामटिया गांव की निवासी प्रतिमा सरदार अपने तीन छोटे बच्चों के साथ ढेगाम हाट बाजार में मुर्गी बेचने आई थीं। बाजार में अत्यधिक भीड़ होने के कारण, प्रतिमा सरदार ने अपने चार माह के बेटे इंद्रदेव सरदार को कुछ देर के लिए अपनी छह वर्षीय बेटी ममता सरदार की गोद में दे दिया था।

ट्रम्प ने ग्रीनलैंड की सुरक्षा व्यवस्था का मजाक उड़ाया

कुत्तों से खींची जाने वाली गाड़ी से तुलना की

वॉशिंगटन, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड की सुरक्षा व्यवस्था का मजाक उड़ाया है। ट्रम्प ने ग्रीनलैंड के डिफेंस की तुलना 'डॉग स्लेज' से की है। कुत्तों से खींची जाने वाली बिना पहियों की गाड़ी को डॉग स्लेज कहा जाता है।

ट्रम्प से मीडिया ने 11 दिसंबर को सवाल किया कि क्या अमेरिका ने डेनमार्क को ग्रीनलैंड खरीदने का कोई प्रस्ताव दिया है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं दिया गया है, लेकिन ग्रीनलैंड को खुद यह सौदा करना चाहिए, क्योंकि वह नहीं चाहेंगे कि रूस या चीन वहां कब्जा करे।

दरअसल, ट्रम्प कहना चाहते थे कि ग्रीनलैंड की अपनी सैन्य ताकत न के बराबर है, इसलिए उसे अमेरिका के साथ जुड़ जाना चाहिए। ग्रीनलैंड डेनमार्क का एक स्वायत्त (सेल्फ-गवर्निंग) इलाका है। यह पूरी तरह आजाद देश नहीं है, लेकिन अपने ज्यादातर आंतरिक मामलों में खुद फैसले ले सकता है।

चीन के सिचुआन राज्य में एक अंडरग्राउंड चर्च चला रहे नेता ली यिंगकियांग समेत 8 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। ली के साथ उनकी पत्नी और पादरी दाई झीचाओ को भी पकड़ लिया गया है। अभी तक औपचारिक आरोप (चार्जशीट) सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

चीन में बिना सरकारी मंजूरी के किसी भी धार्मिक गतिविधि की इजाजत नहीं है। सरकारी मंजूरी के बिना चलने वाले चर्च घरों, फ्लैटों या निजी जगहों पर होते हैं, जहां लोग छोटे-छोटे समूहों में प्रार्थना करते हैं। इसलिए इन्हें अंडरग्राउंड चर्च कहा जाता है।

चीन में कोई भी चर्च, मस्जिद या मंदिर तभी खुले तौर पर चल सकता है, जब वह सरकार में रजिस्टर हो और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नियमों को माने। अंग्रेजी अखबार 'द गार्जियन' के मुताबिक, चीन ने सितंबर 2025 में बिना लाइसेंस वाले धार्मिक समूहों के ऑनलाइन प्रवचन देने पर रोक लगा दी थी।

अक्टूबर 2025 में भी चीन में एक चर्च के 18 सदस्यों की गिरफ्तारी हुई थी। चीन से जुड़े ह्यूमन राइट्स वॉच की दिसंबर में जारी रिपोर्ट में कहा गया कि अकेले झेजियांग राज्य से अंडरग्राउंड चर्च के करीब 100 मेंबर्स को अब तक हिरासत में लिया गया है।

बांग्लादेश में हिंदू सिंगर की इलाज न मिलने से मौत

ढाका, 12 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में जेल में बंद एक हिंदू सिंगर की पर्याप्त इलाज न मिलने से मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रोलय चाकी के रूप में हुई है। परिवार ने आरोप लगाया है कि जेल में रहते हुए उन्हें समय पर और पर्याप्त इलाज नहीं मिला।

चाकी ने रविवार रात (11 जनवरी) करीब 9 बजे राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दम तोड़ा। वह पाबना जिला जेल में बंद थे और शुक्रवार को तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए थे।

जेल प्रशासन के मुताबिक, शुक्रवार सुबह प्रोलय चाकी को दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद उन्हें पहले पाबना जनरल अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, जहां रविवार रात उनकी मौत हो गई।

पाबना जिला जेल के सुपरिटेंडेंट मोहम्मद ओमर फारुक ने बताया कि प्रोलय चाकी पहले से ही डायबिटीज समेत कई बीमारियों से पीड़ित थे। उनके मुताबिक, तबीयत बिगड़ते ही इलाज की प्रक्रिया शुरू की गई थी और किसी तरह की देरी नहीं हुई।

मृतक के बेटे और म्यूजिक डायरेक्टर सानी चाकी ने जेल प्रशासन के दावों को खारिज किया है। उनका कहना है कि उनके पिता को डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग और आंखों की गंभीर समस्या थी, इसके बावजूद जेल में ठीक से इलाज नहीं कराया गया। सानी चाकी का आरोप है कि जब उनके पिता को पाबना जनरल अस्पताल ले जाया गया, तब वहां हृदय रोग से जुड़े इलाज की सुविधाएं नहीं थीं। इसके बावजूद उन्हें वहीं रखा गया, फिर वापस जेल भेजा गया और बाद में राजशाही ले जाया गया, जिससे उनकी हालत और बिगड़ गई।

असीम मुनीर की बादशाहत को पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख कर रहे चैलेंज?

एक के बाद एक कर रहे विदेश दौरा

इस्लामाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व पिछले एक साल से कुछ ज्यादा ही ग्लोबलाइज हो रहा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दो बार मुलाकात की। अब पाकिस्तान के वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू पूरी दुनिया के वायुसेना प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकातें कर रहे हैं। इसे पाकिस्तान की सैन्य कूटनीति का असामान्य दौर बताया जा रहा है। पाकिस्तानी सेना और वायुसेना ऐसे समय में हाथ पैर चला रही है, जब उनका खुद का देश घरेलू उठापठक और आर्थिक संकट का सामना कर रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि वरिष्ठ अधिकारियों के ये विदेशी दौरे दिखाते हैं कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व ने सुरक्षा, आर्थिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर बाहरी साझेदारों के साथ सीधे जुड़ने की कोशिश कैसे की। इसमें अमेरिका

से लेकर चीन और सऊदी अरब-लीबिया से लेकर पूर्वी यूरोप के देश शामिल हैं। इन मुलाकातों के दौरान पाकिस्तान ने अलग-अलग देशों के साथ ट्रेनिंग इंटरऑपरेबिलिटी, रक्षा व्यापार और क्षेत्रीय स्थिति पर बातचीत की। ऐसे में जानें कि पाकिस्तान वायु सेना एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने किन-किन देशों का दौरा किया।

1 जुलाई 2025 को एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू अमेरिका पहुंचे थे। यह पिछले एक दशक में किसी पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख का पहला अमेरिका दौरा भी था। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी वायुसेना सचिव केली एल सेबोल्ट और अमेरिकी वायु सेना प्रमुख जनरल डेविड डब्ल्यू एल्विन से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने विदेश विभाग और कैपिटल हिल के अधिकारियों सहित वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठकें भी की। एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू 8 अप्रैल 2025 को चीन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून, PLA वायु सेना कमांडर जनरल चांग डिंगकिउ और मेजर जनरल काओ शियाओजियान सहित अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। बैठकें रणनीतिक सैन्य सहयोग को मजबूत करने और प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास और रणनीतिक संचार में व्यावहारिक सहयोग का विस्तार करने पर केंद्रित थीं। बातचीत में क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने 22-23 अक्टूबर 2025 को रोमानिया का दौरा किया था।

उन्होंने रोमानियाई वायु सेना मुख्यालय में रोमानियाई वायु सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल लियोनार्ड-गेब्रियल बारबोई और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान द्विपक्षीय रक्षा संबंध, ऑपरेशनल सहयोग, संयुक्त हवाई अभ्यास, एक्सचेंज कार्यक्रम और एयर और ग्राउंड क्रू की ट्रेनिंग पर बात हुई।

एक पत्रकार से डरा चीन

लगा दिया देशद्रोह का आरोप, सजा तय करने के लिए कोर्ट में बहस

हांगकांग, 12 जनवरी (एजेंसियां)। हांगकांग की कोर्ट में पत्रकार जिमी लाई और उनके सह-आरोपियों पर सजा तय करने के लिए बहस हुई। वह कभी मीडिया टाइकून और लोकतंत्र का समर्थन करने के लिए जाने जाते थे। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दोषी पाए जाने पर उन्हें उम्रकैद हो सकती है। 78 साल के लाई एप्पल डेली अखबार के संस्थापक थे। यह कंपनी अब बंद हो चुकी है। वह चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक हैं। उन्हें 2020 में बीजिंग द्वारा लागू किए गए कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। उन्हें बाहरी लोगों के साथ देश के खिलाफ साजिश रचने और लेख प्रकाशित करने का दोषी पाया गया है। उनका मामला बीजिंग के राजनयिक संबंधों पर भी काफी असर डाल सकता है। इसका कारण यह है कि अमेरिका और ब्रिटेन सहित विदेशी सरकारों ने उनकी गिरफ्तारी की आलोचना की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि लाई को दोषी ठहराए जाने पर उन्हें बुरा लगा। लाई को कोर्ट लाए जाने से पहले दर्जनों लोग पब्लिक गैलरी में जगह पाने के लिए कोर्ट के बाहर कतार में लग गए थे। लाई को विदेशी ताकतों के साथ मिलकर साजिश रचने के दो मामलों में और देशद्रोह किताबें बांटने की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया गया। लाई ने सभी आरोपों में खुद को निर्दोष बताया।

सुरक्षा कानून के तहत मिलीभगत के आरोप में दोषी पाए जाने पर तीन साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है, जो अपराध की प्रकृति और उसमें उसकी भूमिका पर निर्भर करता है। सरकार द्वारा चुने गए तीन जजों ने दिसंबर में अपने फैसले में लिखा कि लाई ने ही इन साजिशों का नेतृत्व किया था।

ईरान बोला- सेना पर प्लानिंग के साथ हमले हो रहे

यह प्रदर्शन नहीं देश के खिलाफ आतंकी जंग, हिंसा में अब तक 544 की मौत

तेहरान, 12 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मौजूदा हालात को आतंकी युद्ध बताया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि ईरान में इस समय जो कुछ हो रहा है, वो एक आतंकी युद्ध है।

अब्बास अराघची के मुताबिक, इस हिंसा में शामिल आतंकी तत्वों ने सरकारी इमारतों, पुलिस थानों और कारोबार से जुड़ी जगहों पर हमले किए हैं। ये घटनाएं प्लानिंग के साथ की गई हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरानी अधिकारियों के पास ऐसे ऑडियो रिकॉर्ड मौजूद हैं, जिनमें आतंकियों को आम नागरिकों और सुरक्षा बलों पर गोली चलाने के आदेश दिए गए हैं।

इससे पहले अराघची ने प्रदर्शनकारियों पर पुलिसवालों को मारने और जिंदा जलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने इसे इजराइली की खुफिया एजेंसी मोसाद की साजिश बताते हुए हमले का वीडियो भी शेयर किया था। हिंसा में अब तक 544 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें 8 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, 10,681 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अमेरिका में ईरान विरोधी रैली में ट्रक घुसा

कई लोगों को कुचला

अमेरिका में ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन के दौरान एक ट्रक रैली में घुस गया। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इसके बाद गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने ट्रक ड्राइवर पर हमला करने की कोशिश की। घटना रविवार दोपहर लॉस एंजिलिस में हुई, जहां सैकड़ों लोग ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में मार्च कर रहे थे। घटना में कितने लोग घायल हुए हैं, यह साफ नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान सरकार प्रदर्शनों को रोकने के लिए रेड लाइन पार कर रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका 'कड़े विकल्पों' पर विचार कर रहा है।

पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान में प्रदर्शनकारियों के साथ जो हो रहा है, उस पर अमेरिका की नजर है। जब उनसे पूछा गया कि क्या ईरान रेड लाइन पार कर चुका है, तो उन्होंने कहा, "ऐसा लग रहा है कि वे ऐसा करने लगे हैं।" ट्रम्प ने बताया कि-ईरान ने अमेरिका से संपर्क कर बातचीत का प्रस्ताव रखा है। बैठक तय करने को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि, हालात को देखते हुए उन्हें पहले कार्रवाई करनी पड़ सकती है, क्योंकि मौतों की संख्या बढ़ती जा रही है और गिरफ्तारियां जारी हैं।

ईरान में प्रदर्शनों के बीच भारतीय नागरिकों की गिरफ्तारी की खबरों को ईरान ने खारिज कर दिया है। भारत में ईरान के राजदूत ने साफ कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही यह जानकारी पूरी तरह गलत है। राजदूत मोहम्मद फथाली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बयान जारी कर कहा कि कुछ विदेशी अकाउंट्स द्वारा ईरान के हालात को लेकर फैलाई जा रही खबरें भ्रामक हैं।

जैश के पास हजारों फिदायीन, आतंकी मसूद अजहर का दावा

वायरल ऑडियो क्लिप में बोला- जैश की ताकत सामने आई तो शोर मच जाएगा

इस्लामाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मौलाना मसूद अजहर के नाम से एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस ऑडियो में मसूद अजहर कथित तौर पर दावा करता है कि जैश के पास हमले करने के लिए हजारों आत्मघाती हमलावर तैयार हैं।

हालांकि, इस ऑडियो की तारीख और इसकी सच्चाई की पुष्टि नहीं हो पाई है। ऑडियो में मसूद अजहर यह कहते हुए सुनाई देता है कि उसके संगठन में सिर्फ एक-दो, सौ या हजार लोग नहीं हैं।

वो दावा करता है कि अगर असली संख्या बता दी गई, तो शोर मच जाएगा। वो यह भी कहता है कि उसके लड़ाके किसी पैसे, वीजा या निजी फायदे के

लिए नहीं लड़ते, बल्कि सिर्फ शहादत चाहते हैं।

संसद हमले का मास्टरमाइंड है आतंकी अजहर

पाकिस्तानी आतंकी मसूद अजहर 2001 में भारत की संसद पर हुए हमले का मास्टरमाइंड है। इसके अलावा भी उसने भारत में कई आतंकी हमलों को अंजाम दिया है। मसूद 2016 में हुए पठानकोट हमले का भी मास्टरमाइंड है।

इस मामले में दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक, मसूद ने भारत पर हमलों के लिए जैश-ए-मोहम्मद के कैडर का इस्तेमाल किया था। उसने 2005 में अयोध्या में राम जन्मभूमि और 2019 में पुलवामा में CRPF के जवानों पर भी हमला करवाया था।

इसके अलावा मसूद 2016 में उरी हमले और अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ में भारतीय कॉन्सुलेट पर अटैक का भी जिम्मेदार है।

1994 में पहली बार भारत आया था मसूद अजहर

मसूद अजहर पहली बार 29 जनवरी, 1994 को बांग्लादेश से विमान में सवार होकर ढाका से दिल्ली पहुंचा था। 1994 में अजहर फर्जी पहचान बनाकर श्रीनगर में दाखिल हुआ था। उसका मकसद हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी और हरकत-उल-मुजाहिदीन गुटों के बीच तनाव कम करना था।

इस बीच भारत ने उसे आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के लिए अनंतनाग से गिरफ्तार कर लिया था। तब अजहर ने कहा था- कश्मीर को आजाद कराने के लिए 12 देशों से इस्लाम के सैनिक आए हैं। हम आपकी कार्बाइन का जवाब रॉकेट लॉन्चर से देंगे।

इसके 4 साल बाद जुलाई 1995 में जम्मू-कश्मीर में 6 विदेशी टूरिस्ट्स को अगवा कर लिया गया। किडनैपर्स ने टूरिस्ट के बदले समूद अजहर को रिहा करने की मांग की।

शक्सगाम घाटी को लेकर भारत की लताड़ से बौखलाया चीन

क्षेत्र पर अपना दावा दोहराया, अवैध परियोजनाओं का किया बचाव

बीजिंग, 12 जनवरी (एजेंसियां)। शक्सगाम घाटी में अवैध गतिविधियों को लेकर भारत से लताड़ लगने के बाद चीन को तीखी मिर्ची लगी है। इसके साथ ही उसकी विस्तारवादी सोच एक बार फिर उभरकर सामने आई है। भारत की ओर से कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद उसने शक्सगाम घाटी पर अपना क्षेत्रीय दावा दोहराया। उसने कहा कि इस क्षेत्र में चीन की बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं त्रुटियों से परे हैं।

पाकिस्तान ने 1963 में शक्सगाम घाटी के 5,180 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र को अवैध

माओ निंग

रूप से चीन को सौंप दिया था। यह क्षेत्र पहले भी पाकिस्तान के अवैध कब्जे में था। पहले यह जानते हैं कि भारत ने शक्सगाम घाटी में चीन की अवैध गतिविधियों पर कहा क्या था। भारत ने सख्त आलोचना करते हुए कहा था कि यह क्षेत्र भारतीय क्षेत्राधिकार में आता है और भारत जरूरी कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। बीते शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा था, 'शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है और हमने शक्सगाम घाटी की जमीनी हकीकत को बदलने के प्रयासों के खिलाफ चीनी पक्ष के सामने लगातार विरोध जताया है। जायसवाल ने कहा था, हमने कभी भी 1963 में हुए तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को स्वीकार नहीं किया है। हम हमेशा से कहते आए हैं कि यह समझौता अवैध और अमान्य है।

देवघर से अहमदाबाद के लिए सीधी उड़ान जल्द

देवघर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। देवघर से गुजरात के अहमदाबाद के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू होने की दिशा में बड़ी और निर्णायक प्रगति हुई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने देवघर-अहमदाबाद रूट पर उड़ान संचालन को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अब केवल नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की औपचारिक स्वीकृति बाकी है, जिसके बाद इस रूट पर नियमित उड़ानें शुरू होने का रास्ता साफ हो जाएगा। सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय स्तर पर प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया गया है। जल्द ही अंतिम अनुमति मिलने की संभावना है। जानकारी के अनुसार अकासा एयरलाइंस ने देवघर-अहमदाबाद रूट पर नियमित उड़ान सेवा शुरू करने का प्रस्ताव दिया है।

सऊदी अरब में अवैध प्रवासियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन

10000 विदेशियों को निकाला देश से बाहर

रियाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब में अवैध तरीके से रहने वाले लोगों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन चलाया गया है। सिर्फ जनवरी के पहले हफ्ते में ही सऊदी अरब में 18 हजार 836 अवैध निवासियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 10 हजार से ज्यादा लोगों को अभी तक देश से बाहर किया जा चुका है। सऊदी किंगडम के आदेश पर देश में अवैध तरीके से रहने वाले लोगों के खिलाफ पूरे देश में जांच अभियान चलाया जा रहा है और लेबर कानून के साथ साथ सीमा कानून का उल्लंघन करने वाले लोगों को देश से बाहर निकाला जा रहा है। सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय ने शनिवार

को एक रिपोर्ट में बताया है कि ये गिरफ्तारियां 1 से 7 जनवरी के बीच सुरक्षा बलों और सरकारी एजेंसियों के जॉइंट ऑपरेशन से चलाई गई थीं।

सऊदी आंतरिक मंत्रालय के मुताबिक, जिन लोगों को हिरासत में लिया गया है कि उनमें से 11,710 लोग रेजिडेंसी कानून का उल्लंघन करते पाए गए हैं, जबकि 4,239 ने बॉर्डर सिक्योरिटी नियमों का उल्लंघन किया था। वहीं, 2,887 लोग लेबर कानून का उल्लंघन कर रहे थे। जिनमें से ज्यादातर लोगों को देश से बाहर निकाल दिया गया है और बाकी बचे लोगों को भी सऊदी से बाहर करने की तैयारी चल रही है। सऊदी के आंतरिक मंत्रालय ने कहा है कि 10,195 लोगों को पहले ही डिपोर्ट किया जा चुका है। इसके अलावा 20,956 उल्लंघन करने वालों को ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स हासिल करने के लिए उनके डिप्लोमैटिक मिशन भेजा गया है। वहीं, 5,201 लोगों को देश से निकालने से पहले ट्रैवल अरेंजमेंट पूरे करने के लिए ट्रांसफर किया गया है, यानि इन्हें बहुत जल्द सऊदी से बाहर कर दिया जाएगा।

डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा का पलटवार

कांग्रेस ने भी बदला था मनरेगा का नाम, अब पहले से ज्यादा दिन मिलेगा रोजगार

दौसा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि कांग्रेस के वक्त मनरेगा का नाम जवाहर रोजगार योजना था, बाद में कांग्रेस ने ही उसे बदलकर महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना कर दिया था। जिसमें कई कमियां थी, उनमें और सुधार करते हुए नाम परिवर्तित किया गया है। इससे पहले से ज्यादा दिन रोजगार मिलेगा।

डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा दौसा में बैरवा समाज शिक्षा एवं सामाजिक विकास समिति की ओर से आयोजित स्नेह मिलन व प्रतिभा समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान समाज के 80 आजीवन सदस्यों, 20 विशिष्ट सहित 60 प्रतिभाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शिक्षा से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव

उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। शिक्षा के बिना मानव जीवन अधूरा है। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर कर बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का आह्वान किया। बैरवा ने कहा कि बाबा साहब ने शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो का मंत्र दिया था, जिसे हमें याद रखना चाहिए। डॉ. अम्बेडकर ने अपना पूरा जीवन शिक्षा के प्रसार, सामाजिक भेदभाव के अंत और वंचितों के सशक्तिकरण को समर्पित किया। यदि समाज के किसी व्यक्ति का कोई काम हो तो मेरे पास आइए, उसका समाधान करूंगा।

डॉ. अम्बेडकर का संपूर्ण जीवन समतामूलक समाज की स्थापना व लोक-कल्याण के लिए समर्पित रहा है। लोकतांत्रिक चेतना से दीप्त उनका महान जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी शिक्षा एवं जीवन के संघर्षों के बारे में बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्व में मानवता के प्रेरणास्रोत हैं। हम सभी को उनके आदर्शों, विचारों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

कार्यक्रम में ये भी रहे मौजूद

कार्यक्रम को सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल, दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा, कॉलेज शिक्षा आयुक्त ओमप्रकाश बैरवा, पूर्व विधायक नंदलाल बंशीवाल, बैरवा समाज शिक्षा एवं सामाजिक विकास समिति के अध्यक्ष बलवीर बंशीवाल, रोहित बंशीवाल, जिलाध्यक्ष बाबूलाल टोरडा, मंत्री हीरालाल, कोषाध्यक्ष धनसीराम बैरवा ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान डॉ. कल्याण सहाय बैरवा, एडवोकेट रवि सिकराय, हनुमान पांचोली समेत कई लोग मौजूद रहे।

तीसरे मोर्चे की आखिरी उम्मीद हैं हनुमान बेनीवाल ?

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति लंबे समय से कांग्रेस और भाजपा के इर्द-गिर्द घूमती रही है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने तीसरे मोर्चे की मजबूत आवाज बनने की कोशिश की है। खासकर जमीनी आंदोलनों और किसान मुद्दों को लेकर उनकी सक्रियता ने उन्हें एक अलग पहचान दी है। राजनीतिक गलियारों में अब उन्हें राजस्थान में तीसरे मोर्चे की 'आखिरी उम्मीद' के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि दो दिन से नागौर में धरने पर बैठे सांसद हनुमान बेनीवाल के सामने आने वाले पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव इस दिशा में बड़ा इम्तिहान माने जा रहे हैं।

हनुमान बेनीवाल की सबसे बड़ी राजनीतिक महत्वाकांक्षा राज्य में कांग्रेस और भाजपा के वर्चस्व को चुनौती देना है। वे खुद को दोनों राष्ट्रीय दलों की नीतियों से अलग बताते हुए क्षेत्रीय मुद्दों को प्राथमिकता देने की बात करते हैं। किसानों, युवाओं और बेरोजगारों से जुड़े सवालों पर वे लगातार मुखर रहे हैं, जिससे उन्हें पारंपरिक राजनीति से अलग पहचान मिली है। वो कई बार अपनी पार्टी यानी आरएलपी को भविष्य में बहुमत और प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने तक का दावा कर चुके हैं।

तीसरे मोर्चे का कद बढ़ाने की रणनीति

बेनीवाल केवल अपनी पार्टी तक सीमित नहीं रहना चाहते। उनका फोकस अन्य छोटे दलों और समान विचारधारा वाले संगठनों को साथ लाकर तीसरे मोर्चे को मजबूत करने पर है। वे कई मौकों पर यह संकेत दे चुके हैं कि आने वाले समय में क्षेत्रीय ताकतों और जाट समाज के बड़े नेताओं को एक मंच पर लाने की कोशिश तेज की जाएगी। हाल ही अंता विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा को समर्थन देकर भी वो इस दिशा में पूरजोर कोशिश कर चुके हैं।

जाट वोट बैंक के साथ नए सामाजिक समीकरण

राजस्थान की राजनीति में जाट वोट बैंक की अहम भूमिका रही है और हनुमान बेनीवाल इसी वर्ग से आते हैं। हालांकि, उनकी रणनीति सिर्फ जाट समाज तक सीमित रहने की नहीं है। दरअसल नागौर और जोधपुर इलाके में उनका अच्छा खासा वोट बैंक है लेकिन इस क्षेत्र में उनका मुकाबला भी जाट समाज के दिग्गज नेताओं से रहा है। ऐसे में वे अन्य पिछड़ा वर्ग, किसान समुदाय और ग्रामीण मतदाताओं को साथ जोड़कर अपने जनाधार को विस्तार देने का प्रयास कर रहे हैं।

परिवार का राजनीतिक और सामाजिक समर्थन

हनुमान बेनीवाल को अपने परिवार से भी मजबूत समर्थन मिलता रहा है। उनके करीबी परिजन राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं और जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने में योगदान दे रहे हैं। यह पारिवारिक सहयोग उनकी सियासी यात्रा में एक महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। उनके छोटे भाई और पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर आरएलपी की राजनीति आगे बढ़ा रहे हैं।

पंचायत चुनाव बनेंगे पहला बड़ा इम्तिहान

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, आगामी पंचायत चुनाव हनुमान बेनीवाल और उनके तीसरे मोर्चे के लिए पहला बड़ा घमासान साबित होंगे। इन चुनावों से यह तय होगा कि वे जमीनी स्तर पर कितनी पकड़ बना पाए हैं और क्या कांग्रेस-भाजपा के विकल्प के रूप में खुद को स्थापित कर सकते हैं।

आगे की राह पर टिकी निगाहें

हनुमान बेनीवाल की सक्रियता और आक्रामक राजनीति ने उन्हें चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब देखना होगा कि उनकी प्रमुख महत्वाकांक्षाएं राजस्थान की राजनीति में तीसरे मोर्चे को कितनी मजबूती दिला पाती हैं और वे किस हद तक पारंपरिक राजनीतिक ढांचे को चुनौती दे पाते हैं। इधर, धरने पर बैठे सांसद ने सरकार को 13 जनवरी तक का अल्टीमेटम दिया है। सरकार उनकी मांगों पर कितना सहमत होती है, यह देखने वाली बात होगी।

भाजपा नेता महेन्द्रजीत सिंह मालवीया के कांग्रेस वापसी पर झाबर सिंह खर्रा का बड़ा बयान

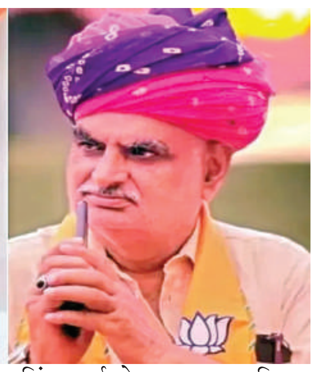

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा को बड़ा झटका लगा। वागड़ के वरिष्ठ आदिवासी नेता महेन्द्रजीत सिंह मालवीया भाजपा छोड़कर फिर कांग्रेस में लौट रहे हैं। कांग्रेस से एक बार सांसद, चार बार विधायक और दो बार मंत्री रह चुके मालवीया ने करीब 23 माह पहले कांग्रेस पार्टी और विधायक पद छोड़ भाजपा का दामन थामा था।

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से मुलाकात के बाद उन्होंने कांग्रेस में वापसी की घोषणा की। गोविंद सिंह डोटासरा ने भी पुष्टि करते हुए कहा कि मालवीया ने कांग्रेस छोड़ने को अपनी ऐतिहासिक भूल बताया है।

वहां जाकर ले सकते हैं आजादी की सांस

महेन्द्रजीत सिंह मालवीया के दोबारा कांग्रेस में जाने पर राजस्थान कैबिनेट के मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बड़ा बयान दिया। मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए झाबर सिंह खर्रा ने कहा यह उनका व्यक्तिगत मामला है। किसी को व्यक्तिगत टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। मालवीय के दम घुटने वाली बात पर उन्होंने कहा कि पहले मालवीय का कांग्रेस में दम घुट रहा था, तभी तो भाजपा में आए। अब हो सकता है कि यहां दम घुट रहा होगा। वापस कांग्रेस में जाकर आजादी की सांस ले लेंगे।

पुराने साथियों ने कुछ यादें दिलाई होगी

झाबर सिंह खर्रा ने आगे कहा कि उनको कुछ पुरानी यादें आई होगी। पुराने साथियों ने कुछ यादें दिलाई होगी, इसलिए वह अपने पुराने घर लौट गए होंगे।

इसलिए इस पर कुछ ज्यादा टिप्पणी याद करने की आवश्यकता नहीं है। स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा भीलवाड़ा में भील राजा भलराज की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम आए थे।

बम जैसी संदिग्ध वस्तु मिलने से हड़कंप

जयसमंद बांध में ले जाकर किया नष्ट

अलवर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर शहर अफरा-तफरी मच गई, जब एक मकान के पास बम जैसी संदिग्ध वस्तु मिलने की सूचना सामने आई। यह मामला अरावली विहार थाना क्षेत्र के विवेकानंद नगर सेक्टर-4 का है, जहां स्थानीय लोगों ने एक टाइमर लगी वस्तु देखी और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध वस्तु को सुरक्षा के लिहाज से शहर से दूर जयसमंद बांध ले जाया गया।

वहां बांध के आसपास के पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया, ताकि किसी तरह की अनहोनी न हो। इसके बाद जयपुर से एंटी बम स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची और आधुनिक उपकरणों की मदद से वस्तु की गहन जांच की। बम निरोधक दस्ते के एएसआई रमेश चंद ने बताया कि जांच के दौरान यह स्पष्ट हो गया कि उस वस्तु में कोई एक्सप्लोसिव सामग्री नहीं थी।

उसमें केवल एक पेस्ट और टाइमर लगाया गया था, जिससे पहली नजर में यह बम जैसा प्रतीत हो रहा था। सभी एंगल से जांच के बाद भी कोई संदिग्ध या विस्फोटक तत्व नहीं पाया गया। हालांकि सुरक्षा प्रक्रिया के तहत टीम ने नियंत्रित तरीके से एक छोटा सा धमाका कर उस वस्तु को न्यूट्रलाइज किया, जिसमें पटाखे जैसी आवाज सुनाई दी।

इसके बाद राहत की सांस ली गई। एएसआई रमेश चंद ने स्पष्ट किया कि यह बम की अफवाह थी और लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं थी। इस घटना के बाद पुलिस यह पता लगाने में जुट गई है कि बम जैसी वस्तु किसने और किस उद्देश्य से वहां रखी, ताकि भविष्य में इस तरह की अफवाहों से कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो।

दिल्ली से विजयवाड़ा जा रही फ्लाइट में यात्री की तबीयत बिगड़ी

जयपुर में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी से विजयवाड़ा जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई2517 को एक मेडिकल इमरजेंसी के कारण जयपुर में डायवर्ट कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, फ्लाइट में सवार एक वरिष्ठ यात्री को अचानक तबीयत खराब हो गई। इसके बाद फ्लाइट को जयपुर में उतारा गया, जहाँ यात्री को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

फ्लाइट में कुल यात्रियों की संख्या के बारे में फिलहाल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। एयर इंडिया की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। यह फ्लाइट ए320 एयरक्राफ्ट से संचालित की जा रही थी।

एनडीपीएस केस में फंसाने की धमकी देकर करते थे वसूली

नारकोटिक्स इंस्पेक्टर सहित दलाल पर केस दर्ज

झालावाड़, 12 जनवरी (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले के भवानीमंडी में एनडीपीएस एक्ट के मामलों में लोगों को फंसाने की धमकी देकर अवैध वसूली करने के गंभीर मामले का खुलासा हुआ है। 9 नवंबर 2025 को एसीबी कोटा की ओर से नारकोटिक्स ब्यूरो भवानीमंडी में दलाल अकरम हुसैन के खिलाफ ट्रैप कार्रवाई की गई।

पुलिस ने दर्ज किया केस

इस दौरान यह सामने आया कि आरोपी भवानीमंडी थाने के ड्राइवर का नाम अपने आप में इस्तेमाल करके लोगों को धमकाता था और लोगों को परेशान करता था। भवानीमंडी पुलिस को इस मामले की जानकारी मिलने पर जांच शुरू की गई। जांच में पुष्टि होने के बाद प्रकरण दर्ज किया गया।

नारकोटिक्स इंस्पेक्टर सहयोगियों के साथ करता था अवैध वसूली

भवानीमंडी के डिप्टी एसपी प्रेम कुमार चौधरी द्वारा की गई जांच में यह साबित हुआ कि नारकोटिक्स इंस्पेक्टर हितेश रोहिला, दलाल अकरम हुसैन और उनके अन्य सहयोगी मिलकर आम लोगों को एनडीपीएस एक्ट में फंसाने का डर दिखाकर उनसे और उनके परिजनों से अवैध वसूली करते थे।

पीड़ितों को कई दिनों तक अवैध हिरासत में रखा जाता था

जांच में यह भी सामने आया कि पीड़ितों को कई दिनों तक अवैध हिरासत में रखा जाता था और उनसे भवानीमंडी पुलिस थाने के ड्राइवर दिनेश गुर्जर का नाम लेकर धोखाधड़ी से पैसे वसूले जाते थे। आरोपी पीड़ितों को थाने आने का दबाव भी डालते थे।

जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद डिप्टी एसपी प्रेम कुमार चौधरी ने थाना भवानीमंडी में मामला दर्ज कराया है। यह मामला को पंजीकृत किया गया है। फिलहाल प्रकरण की जांच थाना प्रभारी प्रमोद कुमार कर रहे हैं। मौके पर यह भी सामने आया कि एसीबी की कार्रवाई में पकड़े जाने के बाद यह तथ्य उजागर हुआ कि आरोपी दलाल खुद को फर्जी तौर पर ड्राइवर दिनेश गुर्जर बताकर लोगों से पैसे वसूलता था और उनके परिजनों पर भी दबाव डालता था। एसीपी की ओर से की गई ट्रैप कार्रवाई आरोपीयों के खिलाफ लंबित है। मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

कर्नल सोफिया कुरैशी का जलवा

सेल्फी और ऑटोग्राफ लेने की उमड़ रहे लोग

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना की ओर से इन दिनों जयपुर के भवानी निकेतन कॉलेज परिसर में 'अपनी सेना को जानें' एग्जीबिशन लगाई गई है। इस एग्जीबिशन में भारतीय सेना के सभी वाहन, टैंक, तोप, मिसाइलें और विभिन्न प्रकार के हथियारों की प्रदर्शनी लगाई गई है। 8 से 12 जनवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में शामिल होने सेना के कई वरिष्ठ अधिकारी जयपुर पहुंचे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी भी इन दिनों जयपुर में हैं। वे नियमित रूप से 'अपनी सेना को जानें' मेले में मौजूद रहती हैं। प्रदर्शनी देखने आने वाले लोगों में कर्नल सोफिया कुरैशी से मिलने की होड़ लगी रहती है। लोग उनके साथ फोटो खिंचवा रहे हैं और ऑटोग्राफ भी ले रहे हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी का कहना है कि वे कई वर्षों से सेना में सेवाएं दे रही हैं, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद लोग उन्हें जानने और पहचानने लगे हैं। यह देखकर उन्हें गर्व महसूस होता है और अच्छा भी लगता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद वे जहां भी जाती हैं, लोग उनसे ऑटोग्राफ लेने लगते हैं। साथ ही फोटो खिंचवाने की भी होड़ लगी रहती है। सबसे अच्छी बात यह है कि लोग उन्हें बहुत सम्मान दे रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में बेटे को हर महीने 5 लाख सैलरी की नौकरी का झांसा, ज्यूस सेंटर संचालक से 25 लाख ठगे

सीकर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में ज्यूस की दुकान चलाने वाले एक शख्स के बेटे को ऑस्ट्रेलिया में हर माह अच्छी सैलरी पर नौकरी लगवाने का झांसा देकर 25 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने श्रीगंगानगर निवासी पति-पत्नी और उनके साथियों के खिलाफ ठगी करने का मामला दर्ज करवाया है। आरोपियों ने न तो पीड़ित के बेटे को विदेश भेजा और ना ही पैसे लौटा रहा है।कई बार पैसे वापस मांगने पर आरोपी दंपत्ती व उसके भांजे ने अब अपने मोबाइल फोन तक बंद कर लिए हैं।

सदर पुलिस थाना में कोर्ट इस्तगासे से रामसिंह निवासी पुरोहितजी की ढाणी ने मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि उनकी सीकर में सांवली सर्किल के पास एक ज्यूस की दुकान है। जिसे वह और उनका बेटा तोलवीर चलाते हैं। अप्रैल 2024 में उनकी दुकान पर मनदीप सिंह निवासी श्रीगंगानगर और उनकी पत्नी नीतू जयपुर जाते समय रुके। ज्यूस पीते वक्त दोनों ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं। जो रामसिंह के बेटे तोलवीर को भी वहां पर नौकरी लगवा देंगे।

कई बार दोनों पति-पत्नी ज्यूस की दुकान पर आए। फरवरी 2025 में दोनों पति-पत्नी और उनका भांजा जसनूर, इसताज सिंह ज्यूस की दुकान पर आए। नौकरी करने के बदले इसको हर महीने 4 से 5 लाख रुपए दिलवाने की बात कही। आरोपियों ने कहा कि इस समय फ्री में वीजा नहीं मिल रहा, इसलिए 25 लाख रुपए का खर्चा आएगा। वहां जाकर तोलवीर 5 से 6 महीने में इसकी भरपाई कर लेगा।ॉ

फरवरी 2025 से लेकर सितंबर 2025 के बीच पीड़ित रामसिंह ने आरोपी मनदीप और उसके साथ के लोगों को 25 लाख 10 हजार 820 रुपए दे दिए। लेकिन अब वह लोग फोन नहीं उठा रहे और ना ही आरोपियों ने तोलवीर को विदेश भेजा। पीड़ित रामसिंह ने श्रीगंगानगर जाकर इन लोगों से मुलाकात की, तो उन्होंने पैसे लौटाने से भी मना कर दिया।

जालौर की आकांक्षा कुमावत बनीं 'स्ट्रॉन्ग वीमन ऑफ इंडिया'

रिकॉर्ड-गोल्ड मेडल के साथ बढ़ाया मान

जालौर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। जालौर जिले के लिए गौरव का क्षण तब आया जब आहोर उपखंड के बावड़ी गांव निवासी आकांक्षा कुमावत ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। दिल्ली के फरीदाबाद में 7 से 11 जनवरी तक आयोजित 34वीं राष्ट्रीय सीनियर, जूनियर, सब जूनियर एवं मास्टर्स इक्विप्ड और क्लासिक बेंच प्रेस प्रतियोगिता 2025-26 में आकांक्षा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किए और दो स्वर्ण पदक जीतकर 'स्ट्रॉन्ग वीमन ऑफ इंडिया' का खिताब अपने नाम किया।

प्रतियोगिता में आकांक्षा ने पावर लिफ्टिंग और इक्विप्ड बेंच प्रेस दोनों वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राजस्थान राज्य पावर लिफ्टिंग संघ के सचिव विनोद साहू ने बताया कि सब जूनियर गर्ल्स टीम का नेतृत्व कर रही आकांक्षा कुमावत ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में 77.5 किलोग्राम वजन उठाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले इस वर्ग में 72.5 किलोग्राम वजन उठाने का रिकॉर्ड था।

इसके साथ ही आकांक्षा ने इक्विप्ड बेंच प्रेस स्पर्धा में भी 57 किलोग्राम भार वर्ग में 95 किलोग्राम वजन उठाकर एक और राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस श्रेणी में पहले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 87.5 किलोग्राम का था। दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही आकांक्षा को 'स्ट्रॉन्ग वीमन ऑफ इंडिया' का खिताब प्रदान किया गया।

अपनी इस उपलब्धि पर आकांक्षा ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल जालोर ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान का नाम रोशन करना है। वे आगे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर देश का मान बढ़ाना चाहती हैं। आकांक्षा ने इस सफलता का श्रेय अपने कोच लोकेश कुमार और पूनम पूनिया को दिया।

आकांक्षा ने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने करीब पांच वर्षों तक लगातार कड़ी मेहनत की है। इस दौरान उन्हें परिवार का पूरा सहयोग मिला, जिसने हर चुनौती में आगे बढ़ने का हौसला दिया। आकांक्षा की इस ऐतिहासिक सफलता से जिलेभर में खुशी की लहर है और खेल जगत में उन्हें नई प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है।

पुलिस और अपराधियों के बीच फिल्मी स्टाइल में चली गोलियां

दबोचा गया हिस्ट्रीशीटर

कोटा, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में पुलिस पर फायरिंग कर फरार हुए हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा और पुलिस के बीच एक बार फिर मुठभेड़ हो गई। दबिश देने पहुंची पुलिस पर आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की ओर से की गई फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर के पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने उसे डिटेन कर लिया।

घटनाक्रम को रखा गया गोपनीय

हालांकि पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर गोपनीय रखी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा के पैर में गोली लगी है और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने पहले पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। फिलहाल आरोपी को डिटेन किया गया है और औपचारिक गिरफ्तारी नियमानुसार की जाएगी।

मोडक थाना क्षेत्र में हुई कार्रवाई

यह कार्रवाई कोटा ग्रामीण के मोडक थाना क्षेत्र में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि आदिल मिर्जा वहां छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने इलाके को चारों ओर से घेर लिया और आरोपी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया।

दो दिन पहले भी हुई थी मुठभेड़

जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले भी आरोपी आदिल मिर्जा ने कोटा ग्रामीण के सांगोद क्षेत्र में कैथूनीपोल थाना पुलिस पर फायरिंग की थी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान आरोपी अपनी कार छोड़कर मौके से फरार हो गया था। इससे पहले उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर पुलिस पर उसे झूठे मामले में फंसाने के आरोप भी लगाए थे।

सूरजपोल फायरिंग मामले में था वांछित

पुलिस के अनुसार करीब एक माह पहले हिस्ट्रीशीटर आदिल मिर्जा और उसके साथियों ने सूरजपोल क्षेत्र में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था। जांच में आदिल मिर्जा गैंग का नाम सामने आने के बाद से ही पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

सड़क दुर्घटनाएं समाज के लिए अत्यंत गंभीर समस्या बनी : मुख्यमंत्री

सीएम ने 'अराइव अलाइव' अभियान के लिए पुलिस को किया सम्मानित

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को यूसुफगुड़ी में आयोजित 'अराइव अलाइव- ए कैंपेन फॉर सेफर रोड्स इन तेलंगाना' कार्यक्रम का उद्घाटन किया और सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में पुलिस विभाग की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं समाज के लिए अत्यंत गंभीर समस्या बन चुकी हैं और राज्य सरकार इसे रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि देश में हर मिनट सड़क दुर्घटना हो रही है और युद्धों में सिपाहियों की तुलना में सड़क पर अधिक लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि कई प्रमुख व्यक्तियों ने अपने बच्चों को सड़क हादसों में खोया है। उन्होंने छात्रों के स्तर से ही ट्रैफिक नियमों पर जागरूकता पैदा करने का महत्व बताया। रेवंत रेड्डी ने कहा कि समाज में अपराध के स्वरूप बदलने के साथ पुलिस व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष प्रणाली बनाई गई है और ड्रग्स की समस्या को समय रहते पहचानने के लिए 'ईगल फोर्स' का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पुलिस ने गांजा और अन्य मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि तालाबों, नालों और जल निकासी संरचनाओं की सुरक्षा के लिए 'हाइड्रा' इकाई बनाई गई है और इनकी पुनरुद्धार गतिविधियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ट्रैफिक व्यवस्था अराजक है और इसे तकनीकी दक्षता के साथ सुदृढ़ बनाया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों से चालान सीधे उनके खातों से कटे, ऐसी व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अपराध, ड्रग्स और हत्या की तुलना में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन अब सबसे बड़ी समस्या बन गई है और इसे प्राथमिकता के साथ नियंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि रोड सेफ्टी सप्ताह के तहत विभिन्न गतिविधियां चल रही हैं। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि 'अराइव अलाइव' सिर्फ जागरूकता कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह जनता द्वारा आगे बढ़ाया जाने वाला अभियान है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में लगभग 30,000 किलोमीटर सड़क नेटवर्क है, जहां हर साल करीब 27,000 सड़क हादसे होते हैं और लगभग 7,500 लोग अपनी जान गंवाते हैं। उन्होंने चेताया कि 2025 में हत्याओं की संख्या 800 थी, जबकि सड़क हादसों में 7,500 लोग मरे, यानी सड़क हादसे हत्याओं की तुलना में 9-10 गुना ज्यादा जान ले रहे हैं। डीजीपी ने बताया कि 'गोल्डन अवर' में पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाने की ट्रेनिंग की वजह से पिछले साल मृत्यु दर में कमी आई है। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे दुकानों, होटलों और रेस्तरां के कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार की ट्रेनिंग दी जा रही है। फिर भी, मृतकों में 75-80 प्रतिशत मोटरसाइकिल चालक और पैदल यात्री हैं, जो चिंता का विषय है। अधिकतर 20-40 वर्ष के लोग अपनी जान खो रहे हैं, जो देश की विकास क्षमता पर असर डालता है।

मंत्री सीतक्का ने ट्राइबल पुलिस बटालियन की समस्याओं पर डीजीपी से की चर्चा

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायती राज मंत्री सीतक्का ने सोमवार को अपने कार्यालय में ट्राइबल पुलिस बटालियन से संबंधित मामलों पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी के साथ बैठक की। इस अवसर पर विधायक कोरम कनकय्या, तेल्लम वेंकट राव और जारे आदि नारायण भी उपस्थित रहे। बैठक में सत्तुपल्ली में स्थित ट्राइबल पुलिस बटालियन के कर्मचारियों द्वारा सामना की जा रही विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। मंत्री और विधायक दल ने नए नियुक्तियों, पदोन्नति, स्थानीयता और तबादलों से जुड़ी समस्याओं को डीजीपी के सामने रखा।

उन्होंने कहा कि इन मुद्दों के कारण आदिवासी युवाओं के साथ-साथ पुलिस कर्मचारियों को भी परेशानी हो रही है। मंत्री सीतक्का ने स्पष्ट किया कि ट्राइबल पुलिस बटालियन को सशक्त बनाने के लिए कर्मचारियों को नियुक्ति, पदोन्नति, स्थानांतरण और नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने बैठक में सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि ट्राइबल पुलिस बटालियन से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के साथ देखा जाएगा और आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। इसके अलावा, मंत्री सीतक्का ने जल्द ही होने वाले मेडारम महा जातरा के लिए सुरक्षा इंतजामों पर भी डीजीपी से चर्चा की। उन्होंने कहा कि लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जानी चाहिए। बैठक के अंत में मंत्री सीतक्का ने डीजीपी को मेडारम महा जातरा का आमंत्रण पत्र सौंपा और पुलिस परिवारों सहित सभी को महा जातरा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आदिवासी परंपराओं और तेलंगाना संस्कृति का प्रतीक होने के नाते इस महा जातरा में हर व्यक्ति को भाग लेना चाहिए।

गांव से लेकर जिला स्तर तक ट्रैफिक सुरक्षा समितियां बनाई जाएंगी : डीजीपी

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि गांव से लेकर जिला स्तर तक ट्रैफिक सुरक्षा समितियाँ बनाई जाएंगी, जिसमें सरपंच, वार्ड सदस्य, शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, युवा, ऑटो चालक और ट्रैक्टर मालिक शामिल होंगे। 13 से 24 जनवरी तक दस कार्य दिवसों के लिए अभियान चलाया जाएगा, जिसमें हर दिन को अलग विषय को समर्पित किया गया है। इसमें ग्राम स्तर की बैठकें, स्कूलों में जागरूकता, ऑटो-बस-कैब चालक प्रशिक्षण, पतंग उत्सव, रंगोली प्रतियोगिता, ब्लॉक स्पॉट्स पर विशेष प्रचार और शराब पीकर ड्राइविंग की जांच शामिल हैं। कार्यक्रम में एमपी अनिल कुमार यादव, विधायक नवीन यादव, मक्कन सिंह ठाकुर, होम डिपार्टमेंट के विशेष मुख्य सचिव सी.वी. आनंद, हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन में सुरक्षा की समीक्षा की

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में जोन में ट्रेन संचालन और त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ प्रबंधन पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस बैठक में सत्य प्रकाश, अतिरिक्त महाप्रबंधक और विभागाध्यक्ष प्रमुख शामिल थे। सभी छह डिवीजनों- सेकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुन्टकाल और नांदेड़ के डिविजनल रेलवे मैनेजर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया। संक्रांति पर्व के मद्देनज़र महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में सख्त भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने फील्ड सुपरवाइजर्स और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे टिकट काउंटर और बोर्डिंग के दौरान सतर्क रहें, यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त आरपीएफ तैनाती सुनिश्चित करें। उन्होंने नियमित अंतराल पर समय पर घोषणाओं और सामान्य एवं विशेष ट्रेनों की स्पष्ट जानकारी प्रदर्शित करने के महत्व को भी रेखांकित किया, ताकि त्योहारों के दौरान सुरक्षित और सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित हो सके। महाप्रबंधक ने रेलवे परिसरों में अग्नि सुरक्षा की भी समीक्षा की और उपकरण रखरखाव, नियमित निरीक्षण और कड़े प्रोटोकॉल का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेन एस्कॉर्टिंग स्टाफ को भी यात्री और ट्रेन सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसी भी चूक के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। श्रीवास्तव ने रेलवे परिसरों में सुरक्षा अभियान और महत्वपूर्ण संचालन पहलुओं की स्थिति का जायजा लिया और सभी कर्मचारियों एवं यात्रियों से त्योहारों के दौरान सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया, ताकि यात्रियों की यात्रा सुरक्षित और सुखद हो।

झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम त्रिशक्ति महोत्सव 25 को

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बाबा गंगाराम सेवा समिति, हैदराबाद की महत्वपूर्ण बैठक लोअर टैंकबंड स्थित केशव शर्मा के निवास पर सम्पन्न हुई। इस बैठक में आगामी 25 जनवरी को आयोजित होने वाले झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी के त्रिशक्ति महोत्सव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। समिति के सभी सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं, ताकि महोत्सव का आयोजन भव्य और सुव्यवस्थित रूप से किया जा सके।

बैठक में यह भी बताया गया कि इस महोत्सव में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। उनके ठहरने और भोजन की व्यवस्था समिति द्वारा की जाएगी। साथ ही, महोत्सव के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न भाषाओं में तैयार किए गए आकर्षक बैनरों का विमोचन भी किया गया।

महोत्सव का आयोजन सिकंदराबाद स्थित हरियाणा भवन में किया जाएगा। इस अवसर पर कोलकाता से पधारे भजन गायक केशव मधुकर अपनी प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे तथा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त, इंडिया गॉट टैलेंट एवं एशिया गॉट टैलेंट फेम, विश्वविख्यात सैंड आर्टिस्ट नितीश भारती बाबा गंगाराम जी की लीलाओं पर आधारित सैंड आर्ट की विशेष प्रस्तुति देंगे। विशेष उल्लेखनीय है कि हैदराबाद में पहली बार वे अपनी अनुपम कला का प्रदर्शन बाबा गंगाराम जी की लीलाएं दर्शाने के लिए करने जा रहे हैं, जो भक्तों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

बैठक की अध्यक्षता अशोक केजरीवाल ने की तथा हरिनारायण व्यास, केशव शर्मा, श्याम गोयनका, संजय जालान, विशाल सराफ, संतोष टाटियां, विनोद अग्रवाल, शरद संघवी, विशाल डीडवानिया, अमित मोदी, संतोष केजरीवाल, कुसुम सराफ, शिल्पा गोयनका, अनुराधा शर्मा, मीना मोदी, सुप्रिया डीडवानिया, मधु अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

158वें मेडिकल कैंप संतोषनगर में 288 लोगों ने लाभ उठाया

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के सहयोग से 158वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप संतोषनगर इंद्राप्रस्थ कॉलोनी स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट द्वारा जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी गई। कार्डियोलॉजी डॉ. प्रणय गोरे, ऑर्थो डॉ. गायत्री, डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ शुभांकर, संगीता, मल्लेश्वरी, बीएमडी तकनीक मोहन और अनिल, 2डी इको टेक अलकेंदु, विपणन उदय कुमार ने सहयोग दिया।

शिविर में रेनबो चिल्ड्रन्स हार्ट के विशेषज्ञ अपनी सेवाएं प्रदान की। साथ ही इंस्टीट्यूट अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा 161 रोगियों के नेत्रों की जांच कर 69 लोगों को निशुल्क चश्मे तथा 12 रोगियों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव, के भास्कर ने सेवा प्रदान की। सामान्य जांच डॉ. अखिल क्लिनिक के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी और डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी द्वारा दिया गया। दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. तेजस्वी नवनीत राज द्वारा की गई। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज ने की।

शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा.. रोगी को कृत्रिम अंग व रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सेवा की गई।

अग्रवाल सेवा दल एवं शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, अजीत गुप्ता, निखिल रानासरिया, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के पंकज संघी, सत्यनारायण मोदी, गोविंद नारायण मोदी, अशोक कुमार अग्रवाल, प्रदीप बंसल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, सुरेश पटवारी, शैलेश अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल,पंकज पटवारी, चंद्र मोहन अग्रवाल, विवेक केडिया, निश्चिंत अग्रवाल, रोहन अग्रवाल, शीतल रूंगटा, रेखा अग्रवाल, मीता बजाज,नीता मोदी, मीरा अग्रवाल, साक्षी अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, सतीश गोयल, दिल्ली पब्लिक स्कूल के कर्मचारी,नागालक्ष्मी मुड़ीसेटी, राबिया जावेद, अजीत कुमार, तिरुमलेश, निखिल, महेश, वेंकटेश, चोटों विजया लक्ष्मी, स्वयंसेवक अजय तुलस्यान, सतीश गर्ग, राधेश्याम बियानी, सुनैना नरसरिया, अरुणा तुलस्यान, समाज सेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव,पित्ती लेमिनेशन सदस्य उपस्थित थे। शिविर का 288 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

ऑनलाइन गेमिंग की वजह से मजदूर ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी आर्थिक तंगी के चलते बिहार के 20 वर्षीय प्रवासी मजदूर गुड्डू कुमार यादव ने कथित तौर पर केशमपेट में आत्महत्या कर ली। खबरों के अनुसार, वह चंपारण जिले के बरकिया गांव के रहने वाले थे और लगभग दो महीने पहले काम की तलाश में केशमपेट आए थे। वह दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहे थे। समय के साथ उन्हें ऑनलाइन गेमिंग की लत लग गई और उन्होंने पैसे गंवा दिए, जिससे आर्थिक कठिनाई बढ़ गई। परिवार ने उन्हें गेमिंग छोड़ने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने नहीं मानी। 7 जनवरी को उन्होंने केशमपेट के बाहरी इलाके में एक पेड़ से तौलिये का इस्तेमाल करके फांसी लगाई। शव चार दिन बाद स्थानीय चरवाहों ने दुर्गंध महसूस करने पर पुलिस को सूचित करने पर बरामद किया। केशमपेट पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस पर उस्मानिया हॉस्पिटल भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुआ बीजेपी लीडर गोविंद नारायण राठी एवं अन्य।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय को मिले नये उपनिदेशक

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी निदेशालय नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद के उपनिदेशक के रूप में हुकम चंद मीणा ने आज नियमित रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया। निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद के अधीन गोवा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों में कार्यरत सभी स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं को सशक्त और सक्रिय बनाना उनकी प्रमुख प्राथमिकता होगी।

उनका मानना है कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा, आपसी संवाद और राष्ट्रीय एकता का सशक्त माध्यम है। हिंदी के माध्यम से देश की विविधता को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। यह भाषा सरल, सहज और भावनाओं को अभिव्यक्त करने में अत्यंत सक्षम है, इसी कारण यह आज देश के कोने-कोने में लोगों को जोड़ने का कार्य कर रही है।

क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद के अंतर्गत आने वाले राज्यों में नवलेखक शिविर, राष्ट्रीय संगोष्ठी, छात्र अध्ययन यात्रा, प्राध्यापक व्याख्यान माला, छात्र अनुदान योजना, पीसीपी कार्यक्रम आदि योजनाओं का प्रभावी, सुव्यवस्थित और व्यापक क्रियान्वयन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों, लेखकों, शिक्षकों और आम नागरिकों को हिंदी से जोड़ना तथा उनमें भाषा के प्रति रुचि और सम्मान विकसित करना है।

निदेशालय की ओर से हिंदी के प्रचार-प्रसार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी जाएगी। संविधान के अनुच्छेद 351 के अंतर्गत हिंदी के विकास और विस्तार को नई दिशा दी जाएगी।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए भाजपा के जिलाध्यक्ष उमा महेंद्र तथा वरिष्ठ नेता अमर सिंह राजपुरोहित व अन्य।

अग्रणी महिला मंच ने स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर टैंक बंड स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, स्मिता शाह, संतोष अग्रवाल, बृंदा पटेल, अंजना मेहता, सुनयना नर्सरियों, बीना पारेख एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

विश्व इलेक्ट्रोपैथी दिवस मनाया गया, कानूनी मान्यता पर जोर

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इलेक्ट्रोपैथी प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन एवं एशियन इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रोपैथी मेडिकल साइंस के संयुक्त तत्वावधान में नामपल्ली के निकट एक निजी होटल में 'विश्व इलेक्ट्रोपैथी दिवस' का आयोजन किया गया। यह दिवस इलेक्ट्रोपैथी के जनक डॉ. काउंट सेज़ारे माटेई की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान एशियन इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रोपैथी के सिद्धांतों एवं इसके चिकित्सीय महत्व को दर्शाते हुए एक सशक्त लाइव प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। सभा को संबोधित करते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता एम.ए. रहीम खान ने तेलंगाना में इलेक्ट्रोपैथी की कानूनी स्थिति पर प्रकाश डाला तथा हाल ही में आए उच्च न्यायालय के एक निर्णय की जानकारी दी, जो इलेक्ट्रोपैथी के पक्ष में बताया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.एम.ए. करीम ने इलेक्ट्रोपैथी पद्धति को सशक्त बनाने के लिए अनुसंधान एवं विकास पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. राधा ने विद्यार्थियों को इलेक्ट्रोपैथी के माध्यम से जन-जागरूकता फैलाने और सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस हर्बल चिकित्सा पद्धति के प्रचार-प्रसार में जागरूकता, कौशल और ज्ञान के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ.एम.ए. रकीब खान ने अतिथियों एवं कलाकारों को सम्मानित किया। आयोजन में चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों, प्रैक्टिशनर्स, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने भाग लिया और इलेक्ट्रोपैथी को एक सुरक्षित एवं प्रभावी हर्बल चिकित्सा पद्धति के रूप में व्यापक मान्यता दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की मेजबानी एशियन इंस्टिट्यूट के निदेशक डॉ. मुक्तार अहमद और सैयद रियाज अहमद ने की।

शहर की संस्कृति के उत्सव में ट्रेजर हंट आयोजित

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद रनर्स सोसाइटी ने हैदराबाद लिटरेरी फेस्टिवल के सहयोग से 'ट्रेज़र हंट 2026' का सफल आयोजन किया। यह अनूठा शहर आधारित अनुभवात्मक कार्यक्रम था, जिसमें फिटनेस, संस्कृति, सीखने और टीमवर्क का अद्भुत मिश्रण देखने को मिला। कार्यक्रम में 30 टीमों के 120 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। हर टीम में कम से कम एक महिला और 14 से 18 वर्ष की उम्र का एक बच्चा शामिल होना अनिवार्य था, जिससे समावेशिता और पीढ़ियों के बीच संबंध को बढ़ावा मिला। प्रतिभागियों ने शहर के दिल में 4.5 किलोमीटर की मार्गदर्शित यात्रा में पांच रचनात्मक सुरागों का पालन किया। टीमों को प्रत्येक स्थान की पहचान करनी थी, सेल्फी के माध्यम से पुष्टि करनी थी और 90 मिनट के भीतर फिनिश पॉइंट पर लौटना था। सुरागों के माध्यम से हैदराबाद की सांस्कृतिक धरोहर को सिनेमा, भोजन, मुद्रा, शिक्षा और राजनीति जैसे विषयों के जरिए उजागर किया गया। तीन विजेता टीमों को क्रमशः 5,000, 4,000 और 3,000 रुपये के पुस्तक वाउचर्स से सम्मानित किया गया, जिससे हैदराबाद लिटरेरी फेस्टिवल के साहित्यिक आदर्शों को रेखांकित किया गया।

महिला पीजी डॉक्टरों के मातृत्व अवकाश के बाद शुल्क समाप्त

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) ने मातृत्व अवकाश से लौटने वाली महिला पीजी डॉक्टरों के लिए विवादास्पद 15,000 रुपये के पुनः ज्वाइनिंग शुल्क को आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया है। विश्वविद्यालय ने सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों को नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि मातृत्व अवकाश अब 'अनधिकृत अनुपस्थिति' में नहीं गिना जाएगा। 91 दिनों से अधिक के मातृत्व अवकाश पर अब कोई शुल्क नहीं लगेगा।

महिला डॉक्टरों को अवकाश के बाद कक्षाओं में तुरंत शामिल होने की अनुमति दी जाएगी और पाठ्यक्रम अवधि में ली गई छुट्टियों का समय जोड़ा जाएगा। टीएसआरडीए ने इस कदम का स्वागत किया है और राज्य सरकार से आग्रह किया है कि स्नातकोत्तर छात्रों को छात्रवृत्ति समय पर जारी की जाए। इससे पहले, कई महिला डॉक्टरों को छात्रवृत्ति में 6-7 महीने की देरी का सामना करना पड़ता था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सुंदर वनडे सीरीज से बाहर, बडोनी को मौका

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में चोटिल हुए थे सुंदर

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। वाशिंगटन सुंदर को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में पसली की चोट लगने के कारण सीरीज से बाहर होना पड़ाआयुष बडोनी को वाशिंगटन सुंदर की जगह भारतीय टीम में दूसरे वनडे मैच के लिए शामिल किया गया हैआयुष बडोनी ने 21 फर्स्ट क्लास मैचों में चार शतक और सात अर्धशतक बनाकर कुल 1681 रन बनाए हैं

भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर वडोदरा में खेले गए पहले वनडे मैच में पसली में चोट लगने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गए हैं. इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 5 ओवर में 27 रन दिए और न्यूजीलैंड की पारी के बीच में ही मैदान से बाहर चले गए. इसके बाद वह क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान पर नहीं उतरे. वह बाद में आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। भारत ने यह मैच चार विकेट से जीता था. अब उनकी जगह आयुष बडोनी को रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है. बीसीसीआई ने पोस्ट शेयर कर इस बात की जानदारी दी है. बडोनी दूसरे वनडे के वेन्यू राजकोट में टीम के साथ जुड़ेंगे

आयुष बडोनी ने अबतक 21 फर्स्ट क्लास मैच में 1681 रन बनाए हैं. उनके नाम 4 शतक और 7 अर्धशतक दर्ज है. लिस्ट ए में उनके नाम 693 रन दर्ज हैं, जहां उन्होंने एक शतक और 5 अर्धशतक ठोके हैं.

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए भारत की अपडेट टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आयुष बडोनी

बता दें कि वाशिंगटन चोटिल होने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं. विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पिछले हफ्ते साइड स्ट्रेन के कारण मौजूदा सीरीज से बाहर हो गए थे, जबकि तिलक वर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि उन्हें ग्रोइन की चोट के लिए सर्जरी करवानी पड़ी थी.

भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने भारत की जीत के बाद वाशिंगटन की स्थिति के बारे में जानकारी दी थी. गिल ने कहा, ''वाशिंगटन सुंदर को साइड स्ट्रेन है और मैच के बाद उनका स्कैन किया जाएगा. ''

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर नया विवाद

बांग्लादेश के मैच पाकिस्तान में कराने का पीसीबी का प्रस्ताव

इस्लामाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले आयोजन स्थलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया विवाद सामने आया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से संपर्क कर बांग्लादेश के मैच पाकिस्तान में आयोजित कराने की पेशकश की है। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है, जब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में अपने मैच खेलने से इनकार कर दिया है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश ने पहले आईसीसी से आग्रह किया था कि उसके मुकाबले श्रीलंका में कराए जाएं। हालांकि, यदि वहां आयोजन संभव नहीं हो पाता है, तो पीसीबी ने वैकल्पिक तौर पर अपने स्टेडियम उपलब्ध कराने की बात कही है। इस पूरे घटनाक्रम पर अब तक न तो आईसीसी और न ही पीसीबी की ओर से कोई औ प चा रि क बयान जारी किया गया है, ले कि न अंदरखाने बातचीत जारी मानी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, भारत और बांग्लादेश के बीच हालिया घटनाक्रमों के चलते यह स्थिति बनी है। विवाद की जड़ आईपीएल मिनी ऑक्शन से जुड़ी बताई जा रही है। 16 दिसंबर को कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बड़ी रकम में खरीदा था। इसके बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ी हिंसक घटनाओं को लेकर भारत में विरोध तेज हुआ।

बताया गया कि इन घटनाओं के बाद बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर को आईपीएल में खेलने की अनुमति नहीं दी। इसके चलते 3 जनवरी को केकेआर ने उन्हें टीम से रिलीज कर दिया। इस फैसले के बाद बांग्लादेश में प्रतिक्रिया और कड़ी हो गई। इसके जवाब में बांग्लादेश सरकार और क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। साथ ही, भारत में प्रस्तावित टी-20 वर्ल्ड कप मुकाबलों को लेकर भी असहमति जताई गई। बांग्लादेश ने आईसीसी को औपचारिक रूप से ई-मेल भेजकर वेन्यू बदलने की मांग रखी। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में शामिल किया गया है। मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार, टीम को 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं, जो कोलकाता के ईडन गार्डन्स में प्रस्तावित हैं। इसके अलावा, 17 फरवरी को बांग्लादेश का मुकाबला नेपाल से मुंबई में तय है।

अब पीसीबी की पेशकश के बाद आईसीसी के सामने चुनौती यह है कि वह सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स और टूर्नामेंट संतुलन को ध्यान में रखते हुए क्या निर्णय लेता है। क्रिकेट जगत की नजरें अब आईसीसी के अगले कदम पर टिकी हैं, क्योंकि किसी भी बदलाव का असर पूरे टूर्नामेंट के शेड्यूल और संचालन पर पड़ सकता है।

डब्ल्यूपीएल 2026 में पहली हैट्रिक

आखिरी ओवर में नंदिनी शर्मा ने झटके 4 विकेट

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। महिला प्रीमियर लीग 2026 के चौथे मैच में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स की टीमों का आमना-सामना नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में हुआ. इस मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की एक गेंदबाजी और से ऐतिहासिक ओवर देखने को मिली. इस खिलाड़ी ने सीजन की पहली हैट्रिक अपने नाम की. हैट्रिक के साथ-साथ इस गेंदबाज ने ओवर में 4 विकेट लेने का कारनामा भी किया.

24 साल की बॉलर ने ली हैट्रिक

इस मुकाबले में दिल्ली की युवा तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने हैट्रिक हासिल की. 24 साल की चंडीगढ़ की अनकैप्ड मीडियम पेसर नंदिनी ने सिर्फ चार ओवर में 5 विकेट चटकाए और 33 रन ही खर्च किए. इस दौरान उन्होंने पारी के आखिरी ओवर में कमाल कर दिया. उन्होंने इस ओवर में कुल चार विकेट लिए, जिसमें आखिरी तीन गेंदों पर हैट्रिक पूरी की. नंदिनी शर्मा ने कनिका अहूजा, राजेश्वरी गायकवाड़ और रेणुका सिंह को आउट करके अपनी हैट्रिक पूरी की. इससे पहले उन्होंने एश्ले गार्डनर और कशवी गौतम को भी अपना शिकार बनाया.

इसी के साथ नंदिनी शर्मा महिला प्रीमियर लीग के इतिहास में हैट्रिक लेनी वाली चौथी गेंदबाज बन गईं. उनसे पहले इस लिस्ट में इजी वॉन्ग (मुंबई इंडियंस), ग्रेस हैरिस (यूपी वॉरियर्ज) और दीप्ति शर्मा (यूपी वॉरियर्ज) का नाम शामिल है. इसके अलावा वह महिला प्रीमियर लीग के इतिहास में 5 विकेट लेने वाली पहली अनकैप्ड गेंदबाज भी बनीं हैं. 2026 ऑक्शन में नंदनी को दिल्ली कैपिटल्स ने 20 लाख रुपए खर्च करके साइन किया था.

हैट्रिक लेने पर क्या बोंली नंदिनी शर्मा?

नंदिनी शर्मा ने हैट्रिक लेने के बाद कहा, 'मेरा पूरा ध्यान सिर्फ अपने लक्ष्य पर गेंदबाजी करने पर था. शेफाली और जेमिमा हर गेंद से पहले मुझसे बात कर रही थीं, और योजना सीधी-सादी थी, स्टंप्स पर आक्रमण करना. मुझे हैट्रिक की उम्मीद नहीं थी, लेकिन टीम लगातार कह रही थी कि विकेट जरूर मिलेंगे. अपने पहले ओवर के बाद मैंने अपनी गेंदबाजी में बदलाव करने का फैसला किया, और यह कारगर साबित हुआ.'

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड से सगाई की

सोफी शाइन अमेरिकी कंपनी में वाइस प्रेसिडेंट हैं

क्रिकेटर का पिछले साल तलाक हुआ था

खेल डेस्क, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन जीवन की नई शुरुआत करने को तैयार हैं। धवन ने अपनी नई विदेशी गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से सगाई का एलान कर दिया है। धवन ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। धवन दूसरी बार शादी के बंधन में बंधेंगे और दोनों बार उनकी दुल्हानिया विदेशी रही है। इससे पहले धवन ने ऑस्ट्रेलिया की आयशा मुखर्जी से शादी की थी। उम्र में धवन से 12 साल बड़ी थीं और दो बच्चों की मां भी। अक्टूबर-2023 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद अब फिर धवन ने विदेशी बाला को दिल दिया है और शादी करने को तैयार हैं। धवन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट लिखकर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, मुस्कान से लेकर सपने साझा करने तक। हमारी सगाई के मौके पर मिले प्यार, दुआएं और हर अच्छी दुआ के लिए आपका शुक्रिया। हमने हमेशा के लिए साथ रहना चुना है। सोफी आयरलैंड की हैं और इस समय नॉर्दन ट्रस्ट प्रोडक्शन में इस समय प्रोडक्ट कंसलटेंट-सेकेंड वाइक प्रेसिडेंट के तौर पर काम कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इन दोनों की मुलाकात यूएई में हुई थी और सोफी इस समय यूएई में ही हैं। धवन ने साल 2012 में आयशा से शादी की थी। दोनों की मुलाकात फेसबुक से हुई थी। आयशा तलाकशुदा थीं और दो बेटियों की मां थीं। दोनों का प्यार परवान चढ़ा और दोनों शादी के बंधन में बंध गए। धवन और आयशा का एक बेटा भी है जिसका नाम जोरावर है। तलाक के बाद आयसा ने जोरावर को धवन से दूर कर दिया है और इस बात को लेकर धवन कई बार सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयां कर चुके हैं।

कोहली क्रिकेट के दूसरे टॉप स्कोरर बने

सबसे तेज 28 हजार रन भी बनाए

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। विराट कोहली की बेहतरीन 93 रन की पारी के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड को पहले वनडे में चार विकेट से हराकर न सिर्फ सीरीज की मजबूत शुरुआत की, बल्कि कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। खेले गए इस मुकाबले में भारत ने 301 रन के लक्ष्य को 49 ओवर में हासिल कर लिया। यह वनडे क्रिकेट में 20वीं बार था जब भारतीय टीम ने 300 से अधिक रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक चेज किया।

मैच का केंद्र बिंदु विराट कोहली रहे। उन्होंने संयम और आक्रामकता का संतुलित प्रदर्शन करते हुए पारी को संभाला और दबाव के क्षणों में रन गति बनाए रखी। उनकी पारी ने भारत की जीत की नींव रखी और साथ ही उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाला बल्लेबाज बना दिया।

कोहली ने इस मैच में 28 हजार इंटरनेशनल रन पूरे किए। यह मुकाम उन्होंने महज 624 पारियों में हासिल किया, जो अब तक का सबसे तेज रिकॉर्ड है। इससे पहले यह उपलब्धि सचिन तेंदुलकर ने 644 पारियों में हासिल की थी। इसी पारी के दौरान कोहली ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए रन सूची में दूसरा स्थान हासिल किया। फिलहाल उनसे आगे केवल सचिन तेंदुलकर हैं।

यह मुकाबला कोहली की निरंतरता का भी प्रमाण बना। उन्होंने लगातार पांचवीं वनडे पारी में 50 से अधिक रन बनाए। वनडे क्रिकेट में ऐसा कारनामा उन्होंने पांचवीं बार किया है, जो किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक है। हालिया महीनों में फॉर्म को लेकर उठे सवालों का जवाब कोहली ने अपने बल्ले से दिया है। भारतीय टीम के लिहाज से यह जीत इसलिए भी अहम रही क्योंकि लक्ष्य बड़ा था और पिच बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं मानी जा रही थी। इसके बावजूद शीर्ष और मध्यक्रम ने जिम्मेदारी दिखाई। रोहित शर्मा ने अपनी छोटी लेकिन प्रभावी पारी में दो छक्के लगाकर एक और रिकॉर्ड बनाया। वे वनडे क्रिकेट में ओपनर के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 300 रन का आंकड़ा छुआ, लेकिन भारतीय गेंदबाज अंतिम ओवरों में रन गति पर लगाम नहीं लगा सके। इसके बावजूद बल्लेबाजों ने लक्ष्य को नियंत्रित अंदाज में हासिल किया। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में बढ़त बनाई है और टीम का आत्मविश्वास भी ऊंचा हुआ है। कोहली का फॉर्म और रिकॉर्ड्स भारतीय टीम के लिए आने वाले मुकाबलों में सकारात्मक संकेत माने जा रहे है।

वैभव सूर्यवंशी के हाथों विराट-गिल का रिकॉर्ड टूटना तय

अंडर19 वर्ल्ड कप में ये करिश्मा बनाएगा नंबर 1

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। 16 टीमों के बीच होने वाले अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 की रणभेरी बज चुकी है. फिलहाल, उसके वॉर्म अप चल रहे हैं. यानी टीमों को अपनी ताकत को जांचने और परखने का एक आखिरी अवसर मिल रहा है. इंडिया अंडर 19 टीम ने अपने पहले वॉर्मअप में स्कॉटलैंड को धूल चटा चुकी है. वहीं उसका दूसरा वॉर्म अप इंग्लैंड से होगा. लेकिन, मजा तो तब आएगा जब ICC के इस इवेंट के मुख्य मुकाबले शुरू होंगे. उसके शुरू होते ही पूरे भारत की निगाहें अपनी टीम के स्टार वैभव सूर्यवंशी पर जम जाएंगी, जो कि इस अंडर 19 वर्ल्ड कप में ना सिर्फ विराट कोहली और शुभमन गिल के

कायम किए कीर्तिमान ध्वस्त करते दिख सकते हैं बल्कि वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते भी दिख सकते हैं.

सूर्यवंशी किस मामले में निकलेंगे कोहली और गिल से आगे?

अब सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वैभव सूर्यवंशी विराट कोहली और शुभमन गिल का कौन सा रिकॉर्ड तोड़ने वाले हैं? ये रिकॉर्ड अंडर 19 वनडे में विराट और गिल के बनाए रनों का है. विराट कोहली ने अपने अंडर 19 वनडे करियर में कुल 978 रन बनाए हैं. वहीं शुभमन गिल ने 1149 रन बनाए हैं. भारत के लिए सबसे ज्यादा 1404 रन अंडर वनडे में विजय जोल ने बनाए हैं. अब वैभव सूर्यवंशी जिस फॉर्म में हैं वो मौजूदा अंडर 19 वर्ल्ड कप के खत्म होते-होते विराट-गिल सबको पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे बड़े रनवीर बन सकते हैं.

विराट और गिल से अभी कितने दूर वैभव?

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 वनडे में अब तक खेले 18 मैचों में कुल 973 रन बनाए हैं. मतलब, अंडर 19 वर्ल्ड कप में अगले 6 रन बनाते वो विराट कोहली से आगे निकल जाएंगे वहीं 177 रन बनाते ही शुभमन गिल को भी पछाड़ देंगे. लेकिन, अंडर 19 वनडे में भारत का नंबर 1 रनवीर बनने के लिए उन्हें वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का करिश्मा करना होगा.

इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ बन सकते हैं नंबर 1 भारतीय बल्लेबाज

अब सवाल है वर्ल्ड रिकॉर्ड है क्या? वो करिश्मा अंडर 19 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने से जुड़ा है. अंडर 19 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा 606 रन ऑयन मॉर्गन ने आयरलैंड से खेलते हुए बनाए हैं. अब अगर इंडिया अंडर 19 की टीम फाइनल तक जाती है और वैभव सूर्यवंशी का फॉर्म जैसे चल रहा है, वो अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 में बरकरार रहता है, तो फिर वो ऑयन मॉर्गन का रिकॉर्ड तोड़ अंडर19 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर भी बन सकते हैं.

वेस्ली सो ने टाटा स्टील शतरंज इंडिया ब्लिट्ज ओपन का खिताब जीता

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक दौर का खेल शेष रहते टाटा स्टील शतरंज इंडिया ब्लिट्ज ओपन का ओपन वर्ग का खिताब जीत लिया जबकि भारत के निहाल सरीन उप विजेता रहे। महिला वर्ग में अमेरिका की कारिसा यिप ने रोमांचक प्ले ऑफ में खिताब जीता। भारत की वंतिका अग्रवाल उप विजेता रहीं।

ओपन वर्ग में वेस्ली सो ने 12 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया जबकि सरीन के नाम 11 अंक रहे। भारत के ही अर्जुन एरिगेसी 11 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वेस्ली सो ने भारत के विदित गुजराती को हराया।

वेई यी ने भारत के दिग्गज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को शिकस्त दी जो आठ अंक के साथ आठवें स्थान पर रहे। भारत के आर प्रज्ञानंद ने हेन्स नीमैन को हराया। सरीन ने भी अहम मुकाबले में आनंद को हराया जबकि वेस्ली सो ने वेई यी को बराबरी पर रोका।

एरिगेसी ने भी आनंद को शिकस्त दी जबकि वेस्ली सो ने अरविंद चिदंबरम के खिलाफ मुश्किल में घिरे होने के बावजूद ड्रॉ के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी।

हेन्स के साथ ड्रॉ खेलने के साथ वेस्ली सो का खिताब सुनिश्चित हुआ। वह हालांकि अंतिम बाजी हार गए। महिला वर्ग में टाईब्रेक में वंतिका ने कारिसा के खिलाफ पहली बाजी गंवा दी जिसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने दूसरी बाजी ड्रॉ करके खिताब अपने नाम किया।

बीपीएल: बेटे ने तोड़े पिता के ही 3 रिकॉर्ड, साथ में बैटिंग कर मचाया तहलका

क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

ढाका, 12 जनवरी (एजेंसियां)। कहते हैं जैसा बाप, वैसा बेटा. लेकिन, तब क्या हो जब बेटा अपने पिता से भी आगे निकल जाए? वो पल एक पिता के लिए गर्व का होता है. कुछ वैसे ही गर्व का एहसास अपने बेटे हसन ईसाखिल के साथ बल्लेबाजी कर मोहम्मद नबी को भी हुआ होगा. अफगानिस्तान के इस बाप-बेटे की जोड़ी ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग में 11 जनवरी को नोआखाली एक्सप्रेस और ढाका कैपिटल्स के बीच खेले मुकाबले में साथ में बैटिंग की. बाप-बेटे के साथ में बैटिंग करने की क्रिकेट इतिहास में घटी ये पहली घटना रही है. लेकिन, उससे भी मजेदार रहा ये देखना कि बेटे ने पिता के बनाए रिकॉर्ड ही तोड़ डाले.

धड़ाधड़ गिरे विकेट तो बेटे ने बाप के साथ संभाली पारी

मोहम्मद नबी और उनके बेटे हसन ईसाखिल बीपीएल में नोअखिल एक्सप्रेस टीम का हिस्सा है. ढाका कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में नोआखाली एक्सप्रेस ने पहले बल्लेबाजी की. ओपनिंग पर हसन इसाखिल उतरे, जिन्होंने सौम्य सरकार के साथ मिलकर ओपनिंग विकेट के लिए 9.2 ओवर में 101 रन जोड़े. सौम्य सरकार 48 रन बनाकर आउट हुए. उनके बाद दो और बल्लेबाज शहादत हुसैन औक हबीबुर भी जल्दी ही निपट गए. ऐसे में एक छोर संभाले खड़े हसन इसाखिल को साथ मिला अपने पिता मोहम्मद नबी का.

बाप-बेटे के साथ में बैटिंग करने वाला वो पल ऐतिहासिक था. साथ में रिकॉर्डतोड़ भी. नबी ने अपने बेटे हसन के साथ मिलकर 53 रन की पार्टनरशिप की, जो कि टी20 में चौथे विकेट के लिए नोआखाली एक्सप्रेस की तरफ से हुई अब तक सबसे बड़ी साझेदारी का नया रिकॉर्ड रहा. इससे पहले चौथे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी नोआखाली एक्सप्रेस की ओर से 32 रन की हुई थी. नबी के 17 रन बनाकर आउट होते ही बाप-बेटे के बीच की पार्टनरशिप भी टूट गई.

ये तो वो रिकॉर्ड रहा, जो बाप-बेटे ने साथ मिलकर बनाया. अब जरा उन रिकॉर्डों पर भी गौर कर लें, जो बेटे ने अकेले तोड़े हैं और जिसमें से कुछ पिता के भी रहे हैं. ओपनिंग पर उतरे हसन ईसाखिल ने 60 गेंदों का सामना कर 92 रन बनाए, जिसमें 5 छक्के और 7 चौके शामिल रहे. ये T20 में नोआखाली एक्सप्रेस के किसी भी बल्लेबाज के बल्ले से निकली सबसे बड़ी पारी है. इस मामले में नबी के बेटे ने महीदुल इस्लाम अनकोन के 61 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा है.

हसन ईसाखिल ने अपनी इनिंग को दौरान सौम्य सरकार के साथ 101 रन की जो पार्टनरशिप की, वो नोआखाली एक्सप्रेस के लिए किसी भी विकेट के लिए हुई सबसे बड़ी साझेदारी रही. पहले ये रिकॉर्ड 90 रन का था, जो कि हसन के पिता मोहम्मद नबी ने हैदर अली के साथ मिलकर बीपीएल में बनाया था.

92 रन की अपनी इनिंग के दौरान हसन, नोआखाली एक्सप्रेस के लिए T20 की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने. इस मामले में उन्होंने अपने पिता समेत 3 बल्लेबाजों का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 3-3 छक्के जड़े थे.

हसन ईसाखिल ने अपनी इनिंग में छक्के और चौके से 58 रन बनाए. ये T20 की एक पारी में नोआखाली एक्सप्रेस के लिए बाउंड्रीज से बने सबसे ज्यादा रन है.

सरफराज खान अहम मुकाबले से पहले हुए इंजर्ड

मुंबई, 12 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके टीम इंडिया में वापसी का दावा ठोक रहे हैं. सरफराज खान ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में कमाल का प्रदर्शन करके खुद को वाइट बॉल क्रिकेट में भी साबित कर दिया है. इस बीच सरफराज के फैंस को एक बुरी खबर मिली है. कर्नाटक के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले वो इंजर्ड हो गए हैं.

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में बल्ले के साथ लगातार कमाल का प्रदर्शन करके सरफराज खान ने सभी को हैरान कर दिया है. सरफराज के धमाकेदार प्रदर्शन के कारण ही मुंबई क्रिकेट टीम ने इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है. मुंबई की टीम आज कर्नाटक के खिलाफ क्वार्टर फाइनल खेल रही है. जहां पर टीम को सरफराज की कमी खल रही है. अहम मुकाबले से पहले वो इंजर्ड हो गए हैं. इस खबर से उनके फैंस बहुत ज्यादा निराश हैं.

मुंबई के स्टार खिलाड़ी सरफराज खान नेट्स में बल्लेबाजी करते हुए इंजर्ड हो गए. सैराज पाटिल की गेंद सरफराज के उंगली में लगी. जिसके कारण ही वो कर्नाटक के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल रहे हैं. सरफराज ने लीग स्टेज में मुंबई के लिए लगातार रन बनाए हैं. जिसके कारण ही उनकी कमी टीम को खल रही है. सरफराज खान जिस अंदाज में मुंबई क्रिकेट टीम के लिए अहम मौके पर रन बना रहे हैं. उससे साफ है कि उन्हें जल्द ही टीम इंडिया में दोबारा खेलने का मौका मिल सकता है. सरफराज के अलावा इस मुकाबले में शिवम दुबे और सूर्यकुमार यादव भी नहीं खेल रहे हैं. जिसके कारण ही मुंबई क्रिकेट टीम युवा खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरी है. फिलहाल वाइट बॉल क्रिकेट में सरफराज खान को मौका मिलना बहुत ही मुश्किल नजर आ रहा है, लेकिन रेड बॉल क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है. उसके लिए सरफराज को मुंबई क्रिकेट टीम के लिए बचे हुए रणजी ट्रॉफी के मुकाबलों में कमाल का प्रदर्शन करना होगा.

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय जयपाल रेड्डी दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा स्रोत : रेवंत रेड्डी

दिव्यांगजनों को नि:शुल्क उपकरण वितरित

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों को मानवीय दृष्टिकोण से हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को प्रजा भवन में आयोजित कार्यक्रम में 'बाला भरोसा' योजना और 'प्रणाम' डे-केयर केंद्रों का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर दिव्यांगजनों को निःशुल्क रूप से रेट्रोफिटेड मोटराइज्ड वाहन, बैटरी चालित ट्राइसाइकिल, बैटरी व्हीलचेयर, लैपटॉप, श्रवण यंत्र, मोबाइल फोन तथा अन्य आधुनिक उपकरण वितरित किए गए। राज्य सरकार ने इस पहल के लिए रिकॉर्ड 50 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। यह वितरण कार्यक्रम दिव्यांगजन कल्याण निगम के तत्वावधान में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए ईमानदारी से कार्य कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि यदि दो दिव्यांग व्यक्ति आपस में विवाह करते हैं तो उन्हें 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं यदि कोई दिव्यांग व्यक्ति सामान्य व्यक्ति से विवाह करता है, तब भी यह सहायता प्रदान की जाएगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि दिव्यांगों को सरकारी नौकरियों में उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा तथा खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दिव्यांगों को नौकरियां उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय जयपाल रेड्डी दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ट्रांसजेंडर समुदाय को सरकारी नौकरियां और इंदिरम्मा आवास उपलब्ध करा रही है। उन्होंने मंत्रियों से अपील की कि दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर निगमों तथा नगरपालिकाओं में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सह-नामित सदस्य बनाया जाए, ताकि वे अपनी समस्याएं स्वयं रख सकें। उन्होंने कहा कि 'प्रणाम' कार्यक्रम के तहत बुजुर्गों को सहायता दी जाएगी और माता-पिता की उपेक्षा करने वाले सरकारी कर्मचारियों के वेतन से 10 से 15 प्रतिशत तक की कटौती की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी नागरिकों को 100 प्रतिशत स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध है और आगामी बजट सत्र में नई स्वास्थ्य नीति लाई जाएगी।

पतंग महोत्सव सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पतंग महोत्सव सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। वे सोमवार शाम नेकलेस रोड स्थित आईमैक्स सर्किल के समीप विधायक दानम नागेंद्र के नेतृत्व में आयोजित संक्रांति समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर बोल रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि संक्रांति के अवसर पर महिलाओं द्वारा बनाए गए मुग्गुलु (रंगोली) राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर सशक्त संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि रंगोली के माध्यम से महिलाओं की सोच, रचनात्मकता और विषयगत ज्ञान स्पष्ट रूप से सामने आता है। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में एकता, सौहार्द और परंपराओं को मजबूत करते हैं तथा नई पीढ़ी को हमारी संस्कृति से जोड़ते हैं। कार्यक्रम में मंत्री अड्लूरी लक्ष्मण, सांसद बलराम नायक, विधायक दानम नागेंद्र, ग्रेटर हैदराबाद की महापौर विजयलक्ष्मी सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा

डीआरएम ने संक्रांति के मद्देनजर निरीक्षण किया

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति पर्व के अवसर पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद मंडल के मंडलीय रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा ने सोमवार को काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा और निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने स्टेशन के प्रवेश एवं निकास द्वारों, टिकट बुकिंग काउंटरों, प्लेटफॉर्मों, फुट ओवर ब्रिजों, प्रतीक्षालयों और सर्कुलेटिंग एरिया में यात्रियों की आवाजाही का बारीकी से अवलोकन किया। विशेष रूप से भीड़ के समय यात्रियों की सुरक्षित और सुचारू आवाजाही तथा कर्मचारियों की प्रभावी तैनाती पर जोर दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्य प्रबंधक डॉ. अनिरुद्ध पामर जेड, वरिष्ठ मंडलीय परिचालन प्रबंधक वी. विद्याधर, वरिष्ठ मंडलीय सुरक्षा आयुक्त देबाशीष सी. बनर्जी, मंडलीय अभियंता (दक्षिण) अरुण कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी डीआरएम के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्टेशन निदेशक एस. नागेश्वर राव, स्टेशन प्रबंधक श्री अनिल तथा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मचारियों से बातचीत कर समन्वय और तत्परता को मजबूत करने के निर्देश दिए। डीआरएम ने स्टेशन पर संकेतक बोर्ड, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, कतार प्रबंधन और बैरिकेडिंग व्यवस्था की भी समीक्षा की, ताकि अधिक भीड़ से बचाव हो और यात्रियों की आवाजाही सुव्यवस्थित बनी रहे। संतोष कुमार वर्मा ने स्पष्ट किया कि यात्री सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अधिकारियों को सतर्क, सक्रिय तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों से वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग यात्रियों को विनम्र एवं सहयोगात्मक सहायता प्रदान करने का भी आह्वान किया। हैदराबाद मंडल ने काचीगुड़ा स्टेशन पर यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों से निरंतर निगरानी तथा स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय जैसी उन्नत भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाएं लागू की हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्टेशन की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और यात्रियों की आवाजाही को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

चिरंजीवी की फिल्म का शो रद्द, दर्शकों में आक्रोश

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लैंगर हाउस इलाके में स्थित अलंकार थिएटर में सोमवार सुबह चिरंजीवी की नई फिल्म 'माना शंकरा वर प्रसाद गारू' का शो अचानक रद्द कर दिया गया, जिससे दर्शकों में तनाव पैदा हो गया। दर्शकों ने बताया कि उन्होंने बुकमाईशो ऐप से सुबह 7:30 बजे के शो के लिए टिकट खरीदी थी, लेकिन थिएटर पहुंचने पर ही उन्हें रद्द होने की जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि रद्द होने का कोई संदेश पहले नहीं आया।

माहौल तनावपूर्ण होने पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। बाद में थिएटर प्रबंधन और बुकमाईशो के प्रतिनिधियों ने मिलकर प्रभावित दर्शकों को सूचना भेजी और उन्हें सुबह 11 बजे के शो में सीट देने का आश्वासन दिया। इसके बाद विरोध शांत हो गया और दर्शक शांतिपूर्वक चले गए। सूत्रों के अनुसार, सुबह का शो टिकट कम बिकने के कारण रद्द किया गया। केवल 30-40 टिकट ही बुक हो पाए थे। कम बिक्री का कारण संक्रांति की छुट्टियां बताई जा रही हैं, जब कई लोग अपने गांव या पैतृक स्थानों में रहते हैं।

मुख्यमंत्री कप-2025 मशाल रिले प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित मुख्यमंत्री कप-2025 (द्वितीय संस्करण) के तहत मशाल रिले प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 12 जनवरी 2026 को राजेंद्रनगर क्षेत्र के स्थानीय विधायकों के सहयोग से शमशाबाद मंडल में आयोजित हुआ। मशाल रिले कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रकाश गौड़ ने झंडा लहराकर किया। उन्होंने टच रिले में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विधायक ने छात्रों और खिलाड़ियों को खेलों के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। मशाल रैली शमशाबाद मंडल से रंगारेड्डी जिला कलेक्टर कार्यालय तक निकाली गई। कलेक्टर कार्यालय पहुंचने पर जिला अधिकारियों द्वारा मशाल रिले का भव्य स्वागत किया गया।

रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने रैली में भाग लिया और छात्रों व खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला युवा एवं खेल अधिकारी श्री ई. वेंकटेश्वर राव, तहसीलदार, मंडल शिक्षा अधिकारी (एमईओ), सीआई, प्रधानाध्यापक, शारीरिक शिक्षा निदेशक, शिक्षक, कोच, पीडी, पीईटी, खिलाड़ी, जनप्रतिनिधि, छात्र तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं, साथ ही नेतृत्व क्षमता का विकास भी करते हैं। उन्होंने सभी से खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री कप-2025 मशाल रिले प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

गरीबों और सरकारी भूमि की सुरक्षा के लिए ठोस कदम : मंत्री पोंगुलेटी

एकीकृत सब-रजिस्ट्रार कार्यालय भवन का शिलान्यास

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विचारों के अनुरूप, स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग को पूर्णतः पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार महत्वपूर्ण सुधार लागू कर रही है। सोमवार को मंत्री ने मेदक-मलकाजगिरी जिले के कुकटपल्ली मंडल में एकीकृत सब-रजिस्ट्रार कार्यालय भवन का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि जनता की सुविधा और प्रशासन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अत्याधुनिक सुविधाओं और कॉर्पोरेट स्तर के मानकों के साथ पूरे राज्य में चरणबद्ध तरीके से एकीकृत सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में आउटर रिंग रोड (ओआरआर) क्षेत्र में, दूसरे चरण में जिला मुख्यालयों में और तीसरे चरण में विधानसभा क्षेत्रों के मुख्यालयों में इन एकीकृत भवनों का निर्माण किया जाएगा। पहले चरण में, ओआरआर क्षेत्र के अंतर्गत हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेदक-मलकाजगिरी और संगारेड्डी इन चार जिलों के 39 सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों को 12 क्लस्टरों में विभाजित कर भवनों का निर्माण किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि गच्चीबावली स्थित तेलंगाना एकेडमी ऑफ लैंड इंफॉर्मेशन एंड मैनेजमेंट भवन में एकीकृत सब-रजिस्ट्रार कार्यालय के निर्माण का शिलान्यास मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हाथों पहले ही किया जा चुका है और इस भवन का उद्घाटन जून तक किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार पर किसी भी प्रकार का वित्तीय बोझ डाले बिना, बिल्डर्स के माध्यम से इन 12 एकीकृत भवनों का निर्माण कराया जा रहा है।

साथ ही, यह शर्त भी रखी गई है कि भवनों का निर्माण करने वाली संस्थाएं न्यूनतम पांच वर्षों तक उनका रखरखाव भी करेंगी। मंत्री ने कहा कि यहां नवविवाहित जोड़े जो विवाह पंजीकरण के लिए आते हैं, छोटे बच्चों के साथ आने वाली माताएं और गरीब वर्ग के लोगों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार पंजीकरण विभाग को केवल राजस्व का स्रोत नहीं, बल्कि एक सेवा केंद्र के रूप में देख रही है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में राज्य भर में केवल सरकारी खजाने में धन जुटाने की सोच के बजाय, गरीबों को ध्यान में रखते हुए कई सुधार लागू किए गए हैं। गरीबों को पूर्व में आवंटित भूमि के साथ-साथ सरकारी भूमि की भी सुरक्षा की जाएगी और इस मामले में अवैध गतिविधियों को सख्ती से कुचला जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकार गरीबों के पक्ष में काम कर रही है, ताकि विपक्ष को आलोचना का अवसर न मिले। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कभी सरकार को गरीबों को वितरित की गई या असाइन्ड भूमि वापस लेनी पड़ी, तो उन्हें उचित मुआवजा और वैकल्पिक स्थल प्रदान करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि आगामी मेडारम जातरा के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण कर आधुनिक सुविधाओं के साथ विकास किया गया है और लोगों से इस जातरा में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की।

इस कार्यक्रम में मलकाजगिरी लोकसभा सांसद ईटेला राजेंद्र, कुकटपल्ली विधायक माधवरम कृष्णा राव, विधान परिषद के मुख्य सचेतक पटनम महेंद्र रेड्डी, एमएलसी नवीन राव, जीएचएमसी की उप महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी, स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के आईजी राजीव गांधी हनुमंत, सुधाकर रेड्डी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी, 27 लाख रुपये का नुकसान

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफनगर के 38 वर्षीय एक व्यक्ति को ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी में 27 लाख रुपये का नुकसान हुआ। धोखाधड़ी कथित तौर पर एक फर्जी मोबाइल ऐप और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से की गई। साइबर अपराध अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित फेसबुक पर देखे गए एक ट्रेडिंग विज्ञापन से आकर्षित हुआ और बाद में व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल हो गया। वहां धोखेबाजों ने निवेश सलाहकार बनकर उच्च रिटर्न का आश्वासन दिया।

ठगों ने पीड़ित से ऐप डाउनलोड कर निवेश करने को कहा और कुल मिलाकर 27.05 लाख रुपये की रकम उनसे ले ली। ऐप पर बढ़ा-चढ़ाकर मुनाफा दिखाया गया, लेकिन जब पीड़ित ने पैसे निकालने की कोशिश की, तो लेनदेन रोक दिया गया और 50 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की गई। साइबर अपराध अधिकारियों ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और लोगों से फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सावधान रहने और संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट साइबर हेल्पलाइन 1930 या पोर्टल पर करने की सलाह दी है।

मेगा ई-कचरा संग्रहण अभियान का निरीक्षण

हैदराबाद, 12 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने सोमवार को मुशीराबाद सर्कल के बागलिंगमपल्ली में आयोजित मेगा ई-कचरा संग्रहण अभियान का दौरा किया। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक कचरे के संग्रहण और वैज्ञानिक निपटान की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने ई-कचरा संग्रहण शिविरों और सुविधाओं का जायजा लिया, फील्ड स्टाफ से बातचीत की और अभियान में तैनात वाहनों व काउंटरों के कामकाज की जानकारी ली। आयुक्त कर्णन ने नागरिकों से अपील की कि वे पुराने और अप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक सामान निर्धारित संग्रह केंद्रों पर सौंपें। उन्होंने चेतावनी दी कि इलेक्ट्रॉनिक कचरे का अनुचित निपटान पर्यावरण प्रदूषण और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। जीएचएमसी द्वारा यह अभियान पूरे शहर में पर्यावरण संरक्षण और सतत अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.